



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 26] नई दिल्ली, शनिवार, जून 28, 1980 (असाढ़ 7, 1902)  
No. 26] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 28, 1980 (ASADHA 7, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं  
[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मई 1980

सं० ए० 12019/1/80-प्रशा०-II—इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थाई अनुसन्धान सहायकों (हिन्दी) को, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1-6-1980 से 31-8-1980 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, कनिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर तत्काल आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

- 1 श्रीमती सुधा भार्गव
- 2 श्री चन्द किरण
- 3 श्री जे० एन० एम० त्यागी

एम० बालचन्द्रन  
अवर सचिव  
कृते सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्य एवं प्र० सु० विभाग  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1980

सं० डी०-53/68-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो अपने प्रसाद से श्री डी० बागची, पुलिस उप-अधीक्षक का राष्ट्रीय वस्त्र निगम (मध्य पदेन) लि० में प्रतिनियुक्ति पर प्रबन्धक (सतर्कता) के पद पर कार्य भार ग्रहण करने हेतु दिनांक 15-4-80 के पूर्वाज्ञ में कार्यभार मुक्त करने हैं।

दिनांक 6 जून 1980

सं० बी०-46/65-प्रशा०-5—निर्देशन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री बी० आर० नानागव, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो दिनांक 30-4-1980 के अपग्राह से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

सं० एम०-52/65-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एष पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाद से श्री एम० एम० नरेन्द्र नाथ, पुलिस उप-अधीक्षक,

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को भारतीय पर्यटन विकास विभाग में प्रतिनियुक्ति पर सुरक्षा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने हेतु दिनांक 31-5-80 के अग्रगण्य में कार्यभार से मुक्त करने हैं।

की० ला० ग्रोवर  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 जून 1980

सं० डी० एफ०-19/78-स्थापना:—निम्नलिखित उप-पुलिस अधीक्षकों/कम्पनी कमांडरों, के० रि० पु० बल (जोकि इस समय आई० टी० बी० पी० में प्रतिनियुक्ति पर हैं) के आई० टी० बी० पी० में 25-9-78 के स्थाई विलयन व पक्का होने के फलस्वरूप के० रि० पु० बल की नफरी से निकाल दिये हैं:—

1. श्री डी० के० शर्मा
2. श्री एन० थगयन
3. श्री एम० आर० कणयप
4. श्री ओमपाल सिंह

दिनांक 6 जून 1980

सं० पी० सात 2/76-स्थापना:—श्री मोहन ठलवाणी ने उनके कार्यालय अधीक्षक के पद पर परावर्तित होने के फलस्वरूप, अनुभाग अधिकारी का कार्यभार 30-10-1979 (अग्रगण्य) को त्याग दिया।

सं० डी० एफ०-18/79-स्थापना:—श्री भंवर सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, के० रि० पु० बल की सेवायें उनके मिजोरम पुलिस में प्रतिनियुक्ति पर जाने के फलस्वरूप, मिजोरम सरकार को 9-5-1980 (पूर्वाह्न) से निवर्तित की जाती है।

सं० ओ० नो-1459/80-स्थापना:—श्री ज्ञान चन्द शर्मा जो कि तदर्थ रूप में अनुभाग अधिकारी के पद पर दिनांक 7-1-80 से 16-3-80 तक पदोन्नत किये गये थे, वह श्री गजे सिंह के छुट्टी से वापिस आने पर, दिनांक 17-3-80 (पूर्वाह्न) से कार्यालय अधीक्षक के पद पर परावर्तित हो आयेगे।

के० आर० के० प्रसाद  
सहायक निदेशक (प्रणामन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 मई 1980

सं० II/29/78 प्रशा०-I:—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, कृषि और सहकारिता विभाग (सांख्यिकी मूल्यांकन) में वरिष्ठ तकनीकी सहायक के पद पर कार्यरत श्री मोहर सिंह को तारीख 25 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, सीधी भर्ती द्वारा, अस्थाई

धमता में, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करने हैं।

2. श्री सिंह का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 10/32/79-प्रशा० I:—राष्ट्रपति, गृह मंत्रालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री एल० के० प्रसाद को नई दिल्ली में, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 1 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करने हैं।

2. श्री प्रसाद का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. यह अधिसूचना तारीख 18 जनवरी, 1980 के अधिसूचना सं० 10/32/79-प्रशा०- का अधिक्रमण करने हुए जारी किया जा रहा है।

सं० 10/41/79-प्रशा०-I:—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, समाज कल्याण मंत्रालय में अनुसन्धान अधिकारी और वर्तमान में नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर वरिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी के पद पर कार्यरत डा० के० पी० इट्टामन को तारीख 25 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, नियमित आधार पर, अस्थाई धमता में नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में विशेष सेवा अधिकारी (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) के पद पर सहर्ष नियुक्त करने हैं।

डा० इट्टामन का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 10/4/80-प्रशा०-I:—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में कन्सोल आपरेटर के पद पर कार्यरत श्री सत्य प्रकाश को उसी कार्यालय में तारीख 22 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाये, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर सहर्ष नियुक्त करने हैं।

2. श्री सत्य प्रकाश का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री सत्य प्रकाश को सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उनकी सेवायें उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जायेगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बनाये रद्द किया जा सकता है।

पी० पद्मनाभ  
भारत के महापंजीकार

राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद-500252, दिनांक 4 जून 1980

सं० 13011/3/79-स्थापना:—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर शारीरिक रूप से अग्रगण्य के लिये व्याव-

साथिक पुनर्वासि केन्द्र (श्रम मंत्रालय) में पहले कार्यरत मनोवैज्ञानिक श्री अभिजित गंगोपाध्याय को स० व० प० राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद में व्यावहारिक विज्ञान में रीडर (वर्ग ख राजपत्रित) के पद पर 840-40-100-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान तथा केन्द्रीय सरकार के नियमाधीन मान्य भत्तों के साथ दिनांक 27-5-80 पूर्वाह्न में अस्थाई रूप से तथा अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

बी० के० राय  
निदेशक

#### प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 3 जून 1980

सं० डी० पी०-3/2475:—इस कार्यालय के अधिमूचना क्रमांक पी० डी० 3/1071 दिनांक 30-4-1980 के आगे श्री एस० के० आनन्द, सहायक कार्य प्रबन्धक की स्थापनापन्न अवधि श्री जवाय पीटर सहायक कार्य प्रबन्धक के अवकाश स्थित स्थान पर 14-6-80 तक बढ़ाई जाती है।

श० रा० पाठक  
सहायक प्रबन्धक

#### भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिरुवनंतपुरम, दिनांक 2 जून 1980

सं० स्थापना/ए/7/9-86/खण्ड 2/41:—इस कार्यालय के नीचे बताये स्थाई अनुभाग अधिकारियों (लेखा और लेखा परीक्षा) को प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से अगले आदेशों तक लेखा अधिकारियों के रूप में स्थापनापन्न होने हेतु नियुक्त करने के लिये महालेखाकार केरल सन्तुष्ट हुए हैं।

1. श्री बी० के० कृष्णन नंभूतिरी (प्रोफोर्मा) 28-5-80  
(अपराह्न)
2. श्री एन० बी० रामकृष्ण अय्यर 28-5-80  
(अपराह्न)
3. श्री जी० लक्ष्मणन 30-5-80  
एन० पी० हरन

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

#### कार्यालय महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 30 मई 1980

सं० प्रशासन-1/पी० एफ० बी० पी० डी०/79:—इस कार्यालय के स्थाई लेखा अधिकारी श्री बी० पी० डाबर, का नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन मर्यादित की सेवाओं में उप वित्तीय मैनेजर के रूप में दिनांक 1 मई, 1979 से स्थाई संविलयन हो जाने के परिणाम स्वरूप वे शासकीय सेवा से दिनांक 30-4-79 अगस्त से सेवा निवृत्त हुए हैं। उन्हें सेवा निवृत्ति के

लाभ तथा अन्य सुविधाएँ नियंत्रक महालेखा परीक्षक के पत्र दिनांक 971-जी० ई०-11/114-79 दिनांक 23-4-1980 के साथ प्राप्त विवरण में निहित णतों और अनुबन्धों के अनुसार स्वीकार्य होंगे।

ध्रुवचरण साहू,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन

#### रक्षा मंत्रालय

डी० पी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा,  
आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 3 जून 1980

संख्या 9/80/ए/ई-1(एन०जी०)/80—डी०जी०ओ०एफ० महोदय, निम्नलिखित अधीक्षकों (सहायकों) से प्रान्त, की सहायक स्टाफ अफसरों (वर्ग 'ख' राजपत्रित) के रूप में स्थापनापन्न रूप से तदर्थ आधार पर प्रत्येक के सामने दर्शायी गई अवधि के लिये नियुक्ति की कार्योत्तर मंजूरी देते हैं:—

क्रम सं०	नाम	से	तक
1	2	3	4
(1)	श्री समरेन्द्र नाथ मिश्र, (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-7-72
(2)	श्री विश्वनाथ चटर्जी, (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	30-4-69
(3)	श्री शम्भू नाथ सिन्हा, (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	5-10-69
(4)	श्री कृष्ण चन्द्र भट्टाचार्य, (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	9-1-75
(5)	श्री धर्म चन्द्र वर्मा, (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	21-10-69
(6)	श्री धीरेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव, (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	15-6-70
(7)	श्री अली हसन, (अवकाश प्राप्त/विगत)	1-3-68	4-12-70
(8)	श्री के० ए० बी० लिगम, (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	14-5-73
(9)	श्री मनोरंजन भट्टाचार्य, (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-1-70
(10)	श्री गोबिन्द चन्द भट्टाचार्य, (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	27-5-77
(11)	श्री मनमोहन लाल नन्दा, (विगत)	1-3-68	9-1-75
(12)	श्री अमूल्य कुमार घोष, चौधुरी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	30-9-71
(13)	श्री रवीन्द्र नाथ बोस, (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	24-3-71

1	2	3	4	1	2	3	4
(14)	श्री प्रकाश चन्द्र दत्ता (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	22-11-68	(37)	श्री काली पद मुखर्जी (दिवंगत)	1-3-68	2-5-77
(15)	श्री हर पद चौधरी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	29-4-75	(38)	श्री एस० शिवशंकरन (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-1-76
(16)	श्री हरि भूषण घोष	1-3-68	30-1-72	(39)	श्री नारायण दास चौधरी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	27-5-77
(17)	श्री प्रफुल्लनाथ मन्थाल (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	19-4-73	(40)	श्री सुबोध चन्द चौधरी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-12-73
(18)	श्री तीर्थ प्रसाद ब्राह्मजी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	6-2-72	(41)	श्री गुरु प्रसाद मजूमदार (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	30-11-75
(19)	श्री कनई लाल मुखर्जी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	3-1-72	(42)	श्री अनिल कुमार दत्ता (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	30-11-74
(20)	श्री हरिपद चटर्जी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	2-7-72	(43)	श्री भवानी प्रसाद दत्ता (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-1-73
(21)	श्री मनीन्द्र नाथ मोहंता (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	9-5-70	(44)	श्री तिलिनी मोहन चटर्जी (अवकाश प्राप्त)	1-3-78	27-5-77
(22)	श्री सिला नन्द ब्रह्मचारी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-12-74	(45)	श्री सुबोध कुमार मित्रा (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-10-73
(23)	श्री पुलिन बिहारी घोष (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	4-10-72	(46)	श्री सुधीर चन्द बोस (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-7-68
(24)	श्री सत्यश्रुत नाग (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	27-5-77	(47)	श्री तित पावन जाना (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-12-74
(25)	श्री गोपाल चन्द दास गुप्ता (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	19-4-73	(48)	श्री विमपुलेन्द्र नाथ मित्रा (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	27-5-77
(26)	श्री निमिर रंजन दत्ता (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	6-5-73	(49)	श्री व्योमकेश मानिक	1-3-68	27-5-77
(27)	श्री अमिय रंजन बोस	1-3-68	27-5-77	(50)	श्रीमती अन्नपी मजूमदार (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	26-12-72
(28)	श्री निर्मल चन्द्र सेन गुप्ता (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	4-11-73	(51)	श्री जीवन कृष्ण बनर्जी (अवकाश प्राप्त)	14-8-68	31-1-74
(29)	श्री भूपति भूषण विश्वास	1-3-68	5-12-73	(52)	श्री विभूति लाल बनर्जी (अवकाश प्राप्त)	14-8-68	31-7-69
(30)	श्री शान्ति कुमार बनर्जी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	27-5-77	(53)	श्री नरेन्द्र मोहन गांगुली (अवकाश प्राप्त/दिवंगत)	14-8-68	31-12-73
(31)	श्री राजेश्वर मित्रा (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-12-74	(54)	श्री रघुनाथ दाम गुप्ता	14-8-68	27-5-77
(32)	श्री क्षीरोद लाल सेन गुप्ता (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	30-4-77	(55)	श्री शीतल मन्द मजूमदार (अवकाश प्राप्त)	14-8-68	31-7-73
(33)	श्री अमरेन्द्र नाथ चौधरी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	27-5-77	(56)	श्री अनिलेश्वर मुखर्जी (अवकाश प्राप्त)	11-11-68	31-12-73
(34)	श्री प्रकाश कुमार मुखर्जी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	30-6-74	(57)	श्री महिमा रंजन घोषाल (अवकाश प्राप्त)	10-12-68	31-12-76
(35)	श्री कृष्ण लाल देवनाथ (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	27-5-77	(58)	श्री वी० वकिटेश्वरन् (अवकाश प्राप्त/दिवंगत)	10-12-68	30-11-74
(36)	श्री गुरेश चन्द बनर्जी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-8-70	(59)	श्री वी० कैलाशन्	6-10-69	27-5-77
				(60)	श्री पार्वती कुमार गोस्वामी	6-10-68	27-5-77
				(61)	श्री आनन्दा मोहन घोष (अवकाश प्राप्त)	6-10-69	29-2-76

(1)	(2)	(3)	(4)
(62)	श्री हेमंतोष कुमार नाथ (अवकाश प्राप्त)	6-10-69	31-7-75
(63)	श्री अनिमेष दास गुप्ता (अवकाश प्राप्त)	2-12-69	27-5-77
(64)	श्री निर्मल चन्द दास	15-12-69	27-5-77
(65)	श्री राधारमण चटर्जी (अवकाश प्राप्त)	25-6-70	30-9-70
(66)	श्री प्रणान्त कुमार मल्लिक	18-8-70	27-5-77
(67)	श्री साधन बिहारी सरकार (दिवंगत)	25-9-70	12-8-74
(68)	श्री मोहिनी मोहन कार (अवकाश प्राप्त)	30-9-70	30-11-70
(69)	श्री रंजीत कुमार दास	14-12-70	27-5-77
(70)	श्री प्रभात चन्द नाथ (अवकाश प्राप्त)	1-4-71	30-6-76
(71)	श्री गणेश लाल गांगुली (अवकाश प्राप्त)	1-4-71	31-7-73
(72)	श्री विभूति भूषण गांगुली	13-12-73	27-5-77
(73)	श्री कालिका प्रसाद मुकुल	13-12-73	27-5-77
(74)	श्री सन्तोष कुमार सैन (अवकाश प्राप्त)	13-12-73	27-5-77
(75)	श्री मानिक लाल गांगुली (अवकाश प्राप्त)	13-12-73	27-5-77
(76)	श्री रामनारायण प्रसाद देव	13-12-73	27-5-77
(77)	श्री निर्मल्य भूषण चक्रवर्ती	13-12-73	27-5-77
(78)	श्री सञ्जितान्धु प्रकाश गोस्वामी	13-12-73	27-5-77
(79)	श्री परिमल चन्द बोस (अवकाश प्राप्त)	13-12-73	31-8-75
(80)	श्री शिव चन्द्र सरकार (अवकाश प्राप्त)	14-12-73	27-5-77
(81)	श्री विनय भूषण चौधरी	11-1-74	27-5-77
(82)	श्री दिलीप कुमार मित्रा (2)	14-12-73	27-5-77
(83)	श्री प्रमोद चन्द्र राय (अवकाश प्राप्त)	14-12-73	27-5-77
(84)	श्री वारीन्द्र नाथ घोष	14-12-73	27-5-77
(85)	श्री धीरेन्द्र नाथ साहा	14-12-73	27-5-77
(86)	श्री रमनी रंजन नाथ (अवकाश प्राप्त) (दिवंगत)	14-12-73	31-1-77
(87)	श्री अधीर कुमार बोस (दिवंगत)	14-12-73	14-10-75
(88)	श्री अजित कुमार देव (अवकाश प्राप्त)	14-12-73	31-10-75

(1)	(2)	(3)	(4)
(89)	श्री कृष्ण मोहन (अवकाश प्राप्त)	1-1-74	27-5-77
(90)	श्री जोगेश चन्द राय (अवकाश प्राप्त)	11-1-74	30-9-75
(91)	श्री जोगेश चन्द सैन (अवकाश प्राप्त)	11-1-74	27-5-77
(92)	श्री मनोरंजन राय (अवकाश प्राप्त)	11-1-74	31-8-74
(93)	श्रीमती रानु राजगोपालन (अवकाश प्राप्त)	11-1-74	27-5-77
(94)	श्री सुशील चन्द्र राय	28-2-74	27-5-77
(95)	श्री एच० बी० सैन शर्मा (अवकाश प्राप्त)	20-8-74	27-5-77
(96)	श्रीमती बललता मेजूमदार (अवकाश प्राप्त)	20-8-74	27-5-77
(97)	श्री तुलसी चरण दास (अवकाश प्राप्त)	20-8-74	27-5-77
(98)	श्री सुशील कुमार दास	9-9-74	27-5-77
(99)	श्री सुनील कुमार सैन गुप्ता	20-9-74	27-5-77
(100)	श्री कालिदास गुहा (अवकाश प्राप्त)	10-10-74	27-5-77
(101)	श्री नारायण गंगोपाध्याय	7-8-74	27-10-74
		2-12-74	27-5-77
(102)	श्रीमती ज्योत्सना सैन (अवकाश प्राप्त)	2-12-74	27-5-77
(103)	श्री बलराम पाहन	2-1-75	27-5-77
(104)	श्री सुधीर चन्द दास (अवकाश प्राप्त)	2-1-75	27-5-77
(105)	श्री रवीन्द्र नाथ हाजरा (अवकाश प्राप्त)	2-1-75	31-8-76
(106)	श्री प्रिय गोपाल गोस्वामी	29-5-75	27-5-77
(107)	श्री अमिय कुमार बसु	29-5-75	27-5-77
(108)	श्री एस० एन० विश्वास	13-6-75	26-1-76
(109)	श्री अमल कुमार साहा	13-6-75	26-1-76
(110)	श्री शिशिर कुमार चक्रवर्ती	1-9-75	27-5-77
(111)	श्री विश्व रंजन गुप्ता	13-6-75	31-7-75
		2-8-75	27-5-77
(112)	श्री लक्ष्मी नारायण सामन्त	5-7-75	29-9-75
		4-11-75	27-5-77
(113)	श्री सुधीर कुमार दत्ता (अवकाश प्राप्त)	5-7-75	27-5-77
(114)	श्री दिलीप सैन	4-11-75	27-5-77

2 उपरोक्त नियुक्तियों से होने वाला वित्तीय प्रभाव रक्षा मंत्रालय के पत्र संख्या पी० सी० 11/9(30)/68/IV डी (फैक्टरी), दिनांक 16-12-75 द्वारा संशोधित उनके

पत्र संख्या पी० सी० II 9(30)/68/डी० (फैक्टरी), दिनांक 27-9-75 के अनुसार दिनांक 1-1-1973 से देय होगा।

3. इस महानिदेशालय की गजट अधिसूचना संख्या 13/76/जी, दिनांक 13-2-1976 को जो गजट अधिसूचनाओं संख्या 51/76/जी, दिनांक 19-7-76, 15/76/जी, दिनांक 13-2-1976, 27/76/जी, दिनांक 17-4-1976, जी, 48/76/जी, दिनांक 14-7-1976 तथा 49/76/जी, दिनांक 14-7-76 के द्वारा संशोधित की जा चुकी है, तदनुसार संशोधित मानी जाए।

डी० पी० चक्रवर्ती  
महायक महानिदेशक, आईनैन्स फैक्ट्रीयां

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय  
वाणिज्य विभाग

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई, 1980

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

सं० 6/1332/80-प्रशासन (रजि०) 3444—राष्ट्रपति, श्री के० प्रकाश आनन्द, जो पहले वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय (वाणिज्य विभाग), नई दिल्ली में संयुक्त सचिव थे, अगला आदेश होने तक, उन्हें 12 मई, 1980 के पूर्वाह्न से मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के कार्यालय में नियमित आयुक्त के रूप में नियुक्त करते हैं।

मणि नारायण स्वामी  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून, 1980

सं० 6/1247/78-प्रशासन (रजि०) 3433—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्रेणी 2 के स्थानापन्न नियंत्रक, श्री डी० पी० बोरकर ने 30 अप्रैल, 1980 के अपराह्न से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात, बम्बई के कार्यालय में उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी० सी० भटनागर,  
उप मुख्य नियंत्रक,  
कूते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 5 जून 1980

सं० 18(1) 77/मी० एल० बी० II—वस्त्र (शक्ति चानित कर्मां द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आदेश, 1956 के

खण्ड II में उक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 15(2)/67-सी० एल० बी० II/बी० दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित अनिवार्य संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम सं० 9 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न प्रविष्टियां प्रति स्थापित की जायेंगी, अर्थात्:—

उद्योग और वाणिज्य के	कर्नाटक	6, 6सी, 7ए,
अपर निदेशक तथा औद्योगिक		8 और 8 ए
सहकारी समितियों के		
पदेन अपर पंजीयक,		
बंगलूर।		

सं० सी० एल० बी० 1/6-जी०/80—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से मैं, एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी०/71, दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 9 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जायेंगी, अर्थात्:—

- (1) उद्योग एवं वाणिज्य कर्नाटक के अपर निदेशक और औद्योगिक सहकारी समितियों के पदेन अपर पंजीयक बंगलूर
 

12(6), 12(6ए)
12(7ए), 12(7एए)
12सी और 12 ई
- (2) कर्नाटक के खाद्य कर्नाटक एवं नागरी पूर्ति निदेशक, बंगलूर
 

12(7ए) और 12(7 एए)
--------------------

म० वा० चेंबुरकर,  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून, 1980

सं० 12(56)/61-प्रशा०(राज०)—राष्ट्रपति जी, औद्योगिक विकास विभाग के आदेश संख्या 16-3-76-भतकता, दिनांक 14 नवम्बर, 1979 के अनुसार लघु उद्योग विकास संगठन में उन निदेशक (औद्योगिक प्रबंध व प्रशिक्षण) नौनिहाल मिह को दिनांक 14 नवम्बर, 1979 पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से बर्खास्त करने है।

मेहन्द्र पाल गुप्त,  
उपनिदेशक (प्रशा०)

उपनाम और स्वाभिमनय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 मई 1980

सं० 4316बी/ए-32013(ए० ओ०)/78-80/19ए०-- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री पी० बी० समदर को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-10-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 29-4-1980 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 6 जून 1980

सं० 4345-बी/ए-19012(आर्टिस्ट-आई० बी० बी०) 80/ ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक (डी०ओ०) श्री इन्दु भूषण बनर्जी को आर्टिस्ट के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थापनापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 1-5-80 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 4362 बी/ए-32013(4-ड्रिलर०) 78-19बी-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग) श्री एम० सी० गौरी को ड्रिलर के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थापनापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 31 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एम० वृष्णस्वामी  
महानिदेशक।

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 5 जून 1980

सं० ए०-19011/64-70-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री आर० जी० अग्रवाल, उप अध्यक्ष प्रसाधन अधिकारी को दिनांक 7-5-1980 के अराह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थापनापन्न रूप में अध्यक्ष प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011/63/70-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एन० ए० सुब्रामनियन, उप अध्यक्ष प्रसाधन अधिकारी को दिनांक 13-5-1980 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थापनापन्न स्वरूप अध्यक्ष प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011/210/77-स्था० ए०--संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री अमानउल्ला, सहायक प्रसाधन अधिकारी को दिनांक 6-5-1980 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में उप अध्यक्ष प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011/211/77-स्था० ए०--संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री पी० एन० देवें महायक प्रसाधन अधिकारी को दिनांक 6-5-1980 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में उप अध्यक्ष प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011/277/80-स्था० ए०--संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री बी० संजीवा राव, सहायक प्रसाधन अधिकारी को दिनांक 7-5-1980 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में उप अध्यक्ष प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

दिनांक 6 जून 1980

सं० ए०-19012/98/77-स्था० ए०--संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री ए० बी० गावडेनी, सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 13-5-1980 के अराह्न से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

नागपुर, दिनांक 7 जून 1980

सं० ए०-19011/119/76-स्था० ए० खण्ड-IV--वेस्ट कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर में उप अधीक्षक भूविज्ञानी के पद पर समालिया जाने पर श्री के० पी० मिह का भारतीय खान ब्यूरो में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर हक दिनांक 31 जनवरी 1979 अराह्न से समाप्त किया जाता है।

एस० ठी० श्री  
कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली- दिनांक 5 जून 1980

सं० ए० 20012/81/70-प्र० (ए०)--विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री ए० सी० बरकातके को जो इस निदेशालय में स्थायी प्रदर्शनी सहायक के पद पर हैं अहमदाबाद स्थित क्षेत्रीय प्रदर्शनी कार्यालय (परिवार कल्याण) में 3-5-80 पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी नियुक्ति करते हैं।

जनक राज लिखी

उप निदेशक प्रणामन०

उत्ते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1980

सं० के० 12026/29/79-एएम० जे० एच० (प्रणामन-I) स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने कुमारी हीना मेहता को 12 मई, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सफदरजग अस्पताल

नई दिल्ली में आहारविद आयोजित करने के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला,  
उप निदेशक प्रशासन

### कृषि मंत्रालय

(कृषि और महाभारता विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1980

सं०-II/3-76-स्था०—श्री पी० बी० दत्त, कलाकार (वरिष्ठ) को विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय, (कृषि और महाभारता विभाग) में स्थानापन्न मुख्य कलाकार, समूह 'बी' (राज्यवित्त) (अल्पिक वर्गीय) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-40-1200 के वेतनमान से तदर्थ रूप में 21-1980 से 21-6-1980 तक श्री ईश्वर चन्दर, मुख्य कलाकार के छुट्टी पर चले जाने की जगह पदोन्नत किया गया।

बद्रीनाथ अड्डा,  
निदेशक प्रशासन

### ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 5 जून 1980

सं० ए०-19023/46/78-प्र० तृ०—इस निदेशालय में अगस्त में उरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर पदोन्नत होने के फलस्वरूप श्री राजेश आजाद ने दिनांक 23-5-80 को प्रारम्भ में फरीदाबाद में विपणन अधिकारी का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19023/64/78-प्र० तृ०—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग "ख") की संस्तुतियों के आधार पर श्री एस० बी० कृष्णामूर्थी जो तदर्थ आधार पर विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में कार्य कर रहे थे, दिनांक 24-5-80 से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर मद्रास में स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनीहार  
प्रशासन निदेशक,  
कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 6 जून 1980

सं० प ख प्र-8(1)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री पी० नाथन राव को

उसी प्रभाग में श्री एल० आर० मुद्दग, सुरक्षा अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 22-5-1980 के पूर्वाह्न से लेकर 30-6-1980 अर्थात् तक पूर्णतया अस्थायी तौर पर सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 जून 1980

सं० प ख प्र-4(2)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के फोरमैन खनन०, श्री जे० जी० सोलाकी को उसी प्रभाग में 4 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प ख प्र-4(2)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के फोरमैन (खनन), श्री ई० यू० खान को उस प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प ख प्र-4(2)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के तकनीकी सहायक 'सी' (भूछेदन), श्री एम० एल० शर्मा को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प ख प्र-4(2)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के वैज्ञानिक सहायक (सी) मैथिलीकी); श्री टी० भट्टा-चार्य को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र-4(2)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के वैज्ञानिक सहायक 'सी', श्री आई० ए० शैख को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड (एम० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र-4(2)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के फोरमैन (खनन), श्री एन० एस० वर्मा को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र-4(2)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के फोरमैन (खनन), श्री बी० एम० चौबे को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने

तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र-4(2)/80भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के तकनीकी सहायक 'सी' (भूछेदन) श्री ए० आर० खान को उसी प्रभाग में 1 फरवरी 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र-4(2)/80भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के तकनीकी सहायक 'सी' (भूछेदन) श्री ए० पिटर को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के (पूर्वाह्न) से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र-4(2)/80भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के फोरमैन (खनन) श्री एन० जी० मुखर्जी को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 जून 1980

सं० प० ख० प्र-1/23/80-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री रामकान्त पुरोहित को परमाणु खनिज प्रभाग में 19 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० 'बी०' नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलूर-560009, दिनांक 22 अप्रैल 1980

सं० 10/5(37)/79-सि० ई० प्र० (एच०)—अन्तरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के निम्नलिखित अधिकारियों की उनके नामों के आगे दिये गये पदों पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 1 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पदोन्नति करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पद तथा ग्रेड जिससे पदोन्नति हुई	पद तथा ग्रेड, जिस पर पदोन्नति हुई
1.	श्री ए० जी० धुवसेना	फोरमैन (विद्युत)	इंजीनियर "एस० बी०"
2.	श्री एस० बी० यादव	प्रारूपकार ई० (विद्युत)	इंजीनियर "एस० बी०"

आर० एस० सुब्रह्मण्यम  
प्रशासनिक अधिकारी-1

बंगलूर-560025, दिनांक 5 मई 1980

सं० 10/5(6)/80- सि० ई० प्र० (एच०)—अन्तरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग थुम्बा, त्रिवेंद्रम के प्रारूपकार-ई० श्री एन० के० वारियर की इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप से दिनांक 1 अप्रैल 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पदोन्नति करते हैं।

एम० पी० आर० पाषिकर  
प्रशासन अधिकारी-II

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 4 मई 1980

सं० स्था० (1) 00830/एस० एफ० एस०-244—राष्ट्रपति भारत मौसम विज्ञान विभाग के श्री सी० बी० बी० एस० राव, मौसम विज्ञानी श्रेणी, II की 29-12-79 से मौसम विज्ञानी श्रेणी 1 के पद पर, जबकि वह केन्द्रीय भू० जल मंडल में प्रति नियुक्त थे, प्रपत्र पदोन्नति को अनुमोदित करते हैं।

एस० के० दास  
मौसम विज्ञान के अपर महानिदेशक  
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1980

सं० ए० 32014/4/79 : महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित विमानक्षेत्र अधिकारियों की तदर्थ नियुक्तियों उनके नाम के सामने दी गई तारीख से छः माह की अवधि के लिए अथवा पर्वों के नियमित आधार पर जाने तक, इनमें जो भी पहले हों, जारी रखने की स्वीकृति दे दी है:—

क्रम सं०	नाम	तारीख	तैनाती स्टेशन
1.	श्री एम एस रावत	17-5-1980	वाराणसी
2.	श्री एन० सी० एदवोर	14-5-1980	जामनगर
3.	श्री एस० सी० जसअल	21-5-1980	नागपुर
4.	श्री डी० के० जैन	14-5-1980	ग्रहमवाबाद
5.	श्री आर० सम्पत	25-5-1980	मद्रास
6.	श्री गुरमुख सिंह	14-5-1980	भोपाल
7.	श्री श्यामल सेन गुप्ता	14-5-1980	डम डम
8.	श्री बी० बी० दास	14-5-1980	वाराणसी

दिनांक 6 जून 1980

सं० ए० 38013/1/80-ई० ए०—सफवरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली के श्री बी० जी० सिन्धी, वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी, निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के कारण 31 मई, 1980 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

विश्व विनोद जोहरी,  
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1980

सं० ए० 32013/9/73-ई० 1—राष्ट्रपति ने भारतीय वायु सेना के अधिकारी विंग कमान्डर के० के० बाबू को, स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति के आधार पर दिनांक 31-3-1980 से प्रथमतः एक वर्ष की अवधि के लिए नागरविमानन विभाग में उड़ान परीक्षक के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 38012/1/80-ई० 1—श्री एच० डी० कृष्णाप्रसाद ने मूल नियम 56(के) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से स्वेच्छा पूर्वक निवृत्त होने पर दिनांक 31 दिसम्बर, 1979 (अपराह्न) से क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

चित्तरंजन कुमार वर्स  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1980

सं० ए० 12025/2/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग में वैमानिक संचार संगठन के श्री जी० कुमार को दिनांक 17-5-80 (पूर्वाह्न) से तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है तथा अग्रिम आदेश तक निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 39012/4/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के कार्यालय के श्री आर० चन्द्रमोली, तकनीकी अधिकारी, का त्याग-पत्र दिनांक 5-4-1980 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

सं० ए० 32013/1/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के श्री जे० एल० सूरि, सहायक तकनीकी अधिकारी को दिनांक 9-5-80 (अपराह्न) से नदर्य आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में श्री एन० आर० एन० अत्रप्रार्, तकनीकी अधिकारी के स्थान पर, जो हिन्दी प्रशिक्षण के लिए गए हैं, तैनात किया है।

आर० एन० दास  
सहायक निदेशक प्रशासन

सीमा शुल्क स्थापना

मद्रास-1, दिनांक 14 मई 1980

सं० 1/80—श्री डी० पी० मन्जुनाता को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 7-5-80 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक अस्थायी रूप से सीमा शुल्क घर में सीधी भर्ती आफीसर विशेषज्ञ नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

ए० सी० सलवाना  
सीमाशुल्क समाहर्ता

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1980

सं० 1/112/69-ई० सी० 89—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नागित श्री ओ० पी० गुप्ता को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में रुपये 700-40-900-द० रो०-40-1100 50-1300 (सामान्य भर्ती सहित) के वेतनमान में रुपये 700/- प्रतिमास वेतन पर सामान्य नियम एवं शर्तों पर 7-5-80 (पूर्वाह्न) से उप वास्तुविद् के अस्थायी पद पर केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप 'ए' दिनांक 7-5-80 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं

2. उन्हें इस विभाग में सम्मिलित होने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रखा जाता है।

के० ए० अनंथानारायणन्  
प्रशासन उपनिदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 29 मई 1980

"कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560(4) के अधीन सूचना" कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में

और

ई० वीरहया एंड कम्पनी (ओवरसीज) प्राइवेट लिमिटेड  
(समापनाधीन)

सं० 534/समापन—यतः ई० वीरहया एंड कम्पनी (ओवरसीज) प्राइवेट लिमिटेड (समापनाधीन), जिसका पंजीकृत कार्यालय, चिलमालूरीपेट, जिला गुंटूर (आन्ध्र प्रदेश) है, का समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरी, यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त हेतुक रखता है कि कम्पनी के कामकाज का पूर्ण रूप से समापन कर दिया गया है और यह कि—"स्टेटमेंट आफ अकाउंट", जो समापन द्वारा दिए जाने के लिए अधोशित है छः क्रमवर्ती मास के लिए नहीं दिया गया है।

अतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में, एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के समय तक "ई० वीरहया एंड कम्पनी (ओवरसीज) प्राइवेट लिमिटेड" का नाम, यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

हैदराबाद, दिनांक 29 मई 1980

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560(4) के अधीन सूचना”  
कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में

और

यूनाईटेड मसट्रमसन कम्पनी लिमिटेड (समापना-  
धीन)

सं० 672/समापन—यतः यूनाईटेड इंसट्रूमेन्ट कम्पनी लिमिटेड (समापनाधीन) जिसका पंजीकृत कार्यालय जुनलीपुरा, खम्माम है, का समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरी, यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त हेतुक रखता है कि कम्पनी के कामकाज का पूर्ण रूप से समापन कर दिया गया है और यह कि—‘सट्टेर्मैन्ट आफ अकाउंट’ जो समापन द्वारा दिए जाने के लिए अपेक्षित है, छः क्रमवर्ती मास के लिए नहीं दिया गया है।

अतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में, एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना कि तारीख के तीन मास के समय तक ‘यूनाईटेड मसट्रमसन कम्पनी लिमिटेड’ का नाम यदि इसमें प्रतिशूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वी० एस० राजू  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स एम० सी० महेता एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 28 मार्च 1980

सं० 7789/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स एम० सी० महेता एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल दर्शित किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० गुप्ता  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र।

कम्पनी अधिनियम 1956 और खासकमलपुर कोलियरी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जून 1980

सं० 23029/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि खासकमलपुर कोलियरी प्राईवेट लिमिटेड का नाम

आज से रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी में विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कोनमबिया ग्राफोफोन कं० इन्डिया प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जून 1980

सं० 14345/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कोनमबिया ग्राफोफोन कं० आफ इंडिया लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और तरुन इन्ड स्ट्रिज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जून 1980

सं० 23390/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि तरुन इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री प्रकाश प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जून 1980

सं० 24255/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री प्रकाश प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० आर० सरकार  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और एशियन कारपोरेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जून 1980

सं० 19747/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना

दी जाती है हिण्डियन कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भारत प्रॉपर्टीज एण्ड कारमस लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जून 1980

सं० 12355/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भारत प्रॉपर्टीज एण्ड कारमस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जी० कुमार प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जून 1980

सं० 20896/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जी० कुमार प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एस० सी० चौधरी सडब्यार प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 6 जून 1980

सं० 19403/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि एस० सी० चौधरी सडब्यार प्राइवेट लिमिटेड का नाम रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० आर० सरकार  
रजिस्ट्रार सहायक

कम्पनी अधिनियम 1956 और आलका इलेक्ट्रीकल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 5 जून 1980

सं० एस० ओ० 775/790-(2) 50-775—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आलका इलेक्ट्रीकल प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दशित न किया जाय तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956, और भारत इंजीनियरी एण्ड इक्विपमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 5 जून 1980

सं० एस० ओ० 837/792(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा 3, के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि हम तारीख से तीन मास के अवसान पर भारत इंजीनियरी एण्ड मशीनरी इक्विपमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड, का नाम इसके प्रतिकूल कारण दशित न किया जाय तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

डी० के० पाल  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, ओडिशा,  
कटक

प्रथम आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन, दिनांक 12 मई, 1980

निदेश सं० एल० सी० 411/80-81—यतः मुझे टी० जेड० मणी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कोजिकोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालिकट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री बालकृष्णन नायर

(2) शारदा अम्मा

(अन्तरक)

2. (1) श्री पी० पी० अमिदू हाजी,

(2) फसलू

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रशासनाधीन के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अर्थात् 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Property as mentioned in the Schedule attached to document  
No. 1007/79

टी० जेड० मणि

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम,

तारीख: 12 मई, 1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 31 मार्च, 1980

निदेश सं० एच० एस० आर०/14/79-80—अतः मुझे  
गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज,  
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 433/एक्स बी० पुरानी, अनाज  
मन्डी, हिसार है, तथा जो हिसार में स्थित है (और इससे उपाब्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी  
के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्पात :—

1. सर्व श्री मंगल चन्द, फूल चन्द, राम कंवार पुत्रान  
श्री मुसद्दी लाल निवासी हिसार ।

(अन्तरक)

2. श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री भगवान दास अग्रवाल  
433/एक्स बी-4, पुरानी अनाज मन्डी, हिसार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवत् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एवढीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 433/एक्स बी-4 पुरानी अनाज मन्डी,  
हिसार में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
हिसार के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2105 दिनांक 6-9-79  
में दिया गया है ।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 31-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 अप्रैल, 1980

निदेश सं० बी० जी० आर०/30/79-80—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी प्लॉट नं० 86, सेक्टर 25, है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स सम्भूताथ केमिकल्स एण्ड अलाइड इन्डस्ट्रीज लि० 12 वीं मंजिल, हिन्दुस्तान टाइम्स हाउस, 18-20 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स दाम को पैकेजिंग (प्रा० लिमिटेड 111 मंजूषा 57, नेहरू पैलेस, न्यू देहली ।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोद्घातकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति फैक्टरी प्लॉट नं० 86, सेक्टर 25 फरीदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक, 6110 दिनांक 29-11-79 में दिया गया है ।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 1-4-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 अप्रैल 1980

निर्देश सं० डी० एल० आई०/14/79-80—अतः मुझे  
गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जुन रेंज,  
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 470 वर्ग गज का है तथा जो  
पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेहली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण तब हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें कटौत में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कमलेश्वरी श्रीवास्तवा

अटल टी स्टेट, राजिलिंग, (अन्तरक)

(अन्तरक)

2. श्री श्रीतार सिंह जावला

जी-17, बली नगर, देहली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि-बाद में  
सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अड्डा 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ  
होता, जो उस अधिनियम में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट 470 वर्ग गज का जो कि 17-मार्च माहल  
टाउन, पानीपत में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण रजिस्ट्री-  
कर्ता वेहली के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 562, दिनांक  
28-11-79 में अंकित है ।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख 1-4-1980

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्न रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 अप्रैल, 1980

निर्देश सं० आर० टी० के० 27/79-80—अतः मुझे गो०  
मि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्न रेंज,  
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 342 वर्ग गज, का है, तथा जो रोहतक  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतक में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया  
है :—

1. श्रीमती भगवन्त पत्नी श्रीराम जी दाग  
निवासी सनातन धर्म मन्दिर गुडगांव ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रीतम चन्द पुत्र श्री आत्माराम  
निवासी मकान नं० 3/141, रोहतक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

सम्पत्ति प्लॉट जोकि 342 वर्ग गज व डी० एल० एफ०  
कालोनी, में स्थित है जिसका पूर्ण विवरण रजिस्ट्रीकर्ता रोहतक  
के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3292 दिनांक 23-11-79 में  
दिया गया है ।

गो० मि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्न रेंज, रोहतक

दिनांक : 1-4-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 अप्रैल 1980

निर्देश सं० एम० पी० टी० 16/79-80—अन. सुधे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जुन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 9 कनाल 4 मरले गांव बारी है तथा जो सोनीपत में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इस यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या बिया जाना चाहिए, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 सर्व श्री रोजराम, शीप चर पुतान, श्री नोरंग गांव बारी, जिला सोनीपत।

(अन्तरक)

2 मै० सागर चन्द गर्ग एण्ड सन्ज, मार्फत : श्री सागर चन्द गर्ग पुत्र जवाहर लाल सोनीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 36 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति कृषि भूमि 59 कनाल 4 मरले, जोकि गांव बारी जिला सोनीपत में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3938 दिनांक 7-11-79 में अंकित है।

गो० मि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 1-4-1980

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 अप्रैल, 1980

निदेश सं० एस० पी० टी० /15/79-80—यतः मुझे गो० सि० गोपाल सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कैबिनेटरी बिल्डिंग न० ई-59 इन्डस्ट्रियल एरिया, है तथा जो सोनीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्ब में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण से मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. श्री देवी दयाल पुत्र गोपी राम पुत्र श्री शंकर दास जाति अरोड़ा, निवासी मकान नं० 3, मोलिका गंज, देहली ।

(अन्तरण)

2. मैसर्स आटो लीफ (इन्डिया)

पार्टनर सजीव कुमार सरीन,

निवासी एम-5, इन्डस्ट्रियल एरिया, सोनीपत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

सम्पत्ति एक फ्लैटरी बिल्डिंग जोकि सैक्टर ई-59 इन्डस्ट्रियल एरिया सोनीपत में स्थित है तथा पूर्ण विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3881, दिनांक 5-11-79 में अंकित है ।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 1-4-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 अप्रैल, 1980

निर्देश सं० ए० एम० बी० /10/79-80—यतः मुझे गो०  
सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज,  
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० 1/3 हिस्सा 858 नं० सम्पत्ति का जो कि  
ब्लॉक नं० 6 है तथा जो पट्टी जाटान, अम्बाला शहर में स्थित है  
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
चौरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई कमी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री राजेन्द्र गोयल पुत्र श्री कस्तूर चन्व 93, सड़क नं० 3  
सेन्ट्रल टाउन, जालन्धर शहर ।

(अन्तरक)

2 मैथर्स पंजू शाह पुरन चन्द  
अम्बाला शहर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्व  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 858 ए का 1/3 हिस्सा जोकि ब्लॉक नं० 6  
पट्टी जाटान (अम्बाला शहर) में स्थित है तथा ज्यादा विवरण  
रजिस्ट्रीकर्ता अम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3133,  
दिनांक 25-9-1979 में दिया गया है ।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 17-4-1980  
गोदर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० ए० एम० वी०/11/79-80—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति 858ए, का 1/3 हिस्सा जो ब्लाक 6, पट्टी जाटान है तथा जो अम्बाला शहर में स्थित है (और इसमें उपाबध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिलफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिलफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिलफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिलफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मोहिन्द्रपाल पुत्र श्री कस्तूर चन्द,  
पुरानी जेल रोड, फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. मैमर्स पन्जु शाह पुरन चन्द  
अम्बाला शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति 858ए का 1/3 हिस्सा जो ब्लाक 6 पट्टी जाटान, अम्बाला शहर में स्थित है तथा पूरा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3263, दिनांक 27-9-1979 में किया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-1-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० ग० एम० बी०/12/79-80—अतः मुझे  
गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज,  
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति 858 एका 1/3 हिस्सा ब्लाक नं० 6  
पट्टी जाटान है, तथा जो अम्बाला शहर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अम्बाला शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 79 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री धर्मेन्द्र गोयल पुत्र श्री कस्तूर चन्द गोयल  
निवासी पुरानी जेल रोड, फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. मैसर्स पंज शाह पूरन चन्द  
अम्बाला शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 858 ए का 1/3 हिस्सा जोकि ब्लाक नं० 6  
पट्टी जाटान, अम्बाला शहर में स्थित है जिसका ज्यादा विवरण  
रजिस्ट्रीकर्ता अम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3360  
दिनांक 4-10-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-4-1980

मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० बी० जी० आर०/15/79-80:—अतः— मुझे  
गो० सि० गोपाल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज,  
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 3 कनाल, 2 मरले है, तथा जो सराय ख्वाजा,  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लवगढ़ में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कृष्ण चन्द चन्दियोक पुत्र श्री रमेश चन्द  
निवासी 7/21, दरियागञ्ज, देहली
- (2) श्री दिनेश चन्द्र पुत्र रमेश चन्द
- (3) श्रीमती गीता साहनी पत्नी श्री वैद प्रकाश  
द्वारा श्री कृष्ण चन्द
- (4) श्री राकेश चन्द चन्दियोक पुत्र श्रीमति दयावन्ती
- (5) श्रीमती सुनीता बेरी पत्नी श्री रविन्द्र कुमार
- (6) श्रीमति मुखपाल पत्नी श्री रवि कान्त  
निवासी आर०-271, ग्रेटर कैनाण, न्यू दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री शाहबुद्दीन पुत्र श्री बशुरद्दीन पुत्र श्री हाजी कुर्दी  
निवासी 2609 चूरी बालान, देहली-6  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रमाण 20-क में  
परिभाषित है, वही प्रबल होगा, जो इस प्रमाण  
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 3 कनाल 2 मरले जो कि सराय ख्वाजा में  
स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लवगढ़ के  
कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4156, दिनांक 4-9-1979 में  
दिया गया है।

गो० सि०

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख . 17-4-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 अप्रैल 1980

निदेश सं० एस० आर० एम०/61/79-80अतः मुझे गो०  
मि० गोपाल, निरीक्षी महायुक्त आयकर आयुक्त अर्जुन रंज,  
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि 104 कनाल है, तथा जो गांव कुत्ताबढ़  
(सिरसा) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सिरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1)  
के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी उसके या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भाग सिंह पुत्र श्री बूटा सिंह पुत्र श्री बहादुर सिंह  
निवासी कुत्ता बड़ तह० बजिला रोहतक।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री बचितर सिंह  
निवासी कुत्ता बड़, तह० बजिला सिरसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 104 कनाल भूमि कि गांव कुत्ताबड़ तहसील  
सिरसा में स्थित है तथा ज्यदाद विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के  
कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4194, दिनांक 30-10-79 में  
दिया गया है।

गो० मि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख : 22-4-80  
मोहर :

प्रारूप आर्द्र टी एन एस -----

1 श्री गुरुधनन सिंह पुत्र श्री जीवन दास  
मकान नं० 726, माडल टाउन, करनाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2 श्री हगलार सिंह तुमर पुत्र श्री भीम सिंह तुमर,  
मकान नं० 77, नई पोलीस लाइन्स, सैक्टर 26,  
चण्डीगढ़ ।

भारत सरकार

कार्यालय, महापंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 मई 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका —

निदेश सं० के० एन० एल०/27/79-80—यत् मुझे गो०

सि० गोपाल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रोज, रोहतक  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है और जिसकी सं०

मकान नं० 726, माडल टाउन है, तथा जो करनाल में  
स्थित है (श्रीर डसम उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर,  
1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित न हो गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उससे अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किंग जाना जा रहा था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

यत् अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

4—126G1/80

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 726 माडल टाउन करनाल तथा  
जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय  
में रजिस्ट्री क्रमांक 3353, तिथि 1-9-1979 में दिया गया  
है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
महापंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, रोहतक

तारीख : 3-5-1980  
मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 मई, 1980

निर्देश सं० जे०एन०डी०/1/79-80—यतः मुझे, गो० सि० गोपाला, निरीक्षी, सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ग्राउंडकार्ने 1761 वर्ग गज जमीन के साथ है तथा जो पटियाला चौक, जीद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित। उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सावित्री देवी, पत्नी स्वर्गीय, श्री प्यारे लाल, निवासी जीद ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नन्द किशोर गुप्ता श्री राम लाल, मुनार, जीद ।

(2) श्री वनारसीशम गुप्ता श्री भागवत, अध्यापक, सनातन धर्म स्कूल, जीद ।

(3) श्रीमती माजी रानी पुत्री श्री मदनलाल, नं० एफ/36, दरिया गंज, देहली ।

(4) श्री राम स्वरूप गुप्ता श्री रूनिया राम

(5) श्रीमती सुदर्शना कुमारी गुप्ता श्री मुकन्दी लाल, निवासी कैथल ।

(6) श्री गुलशन भारद्वाज, एडवोकेट, जीद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाग लिखित में किए जा सकेंगे ।

साक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति 8 टुकड़ों जिनके साथ 1761 वर्ग गज जमीन भी शामिल है, पटियाला चौक, जीद में स्थित है, जिसका ज्यादा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जीद के कार्यालय में रजिस्टर्ड क्रमांक 1617, दिनांक 12-9-1979 में दिया हुआ है ।

गो० मि० गोपाला

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 22-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 मई 1980

निवेदन सं० जी०/2/79-80—अतः मुझे, गो० सि० गोपाला, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० भूमि 2973, बर्ग गज है तथा जो पटियाला चौक के पास, जी० में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जी० में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सावित्री देवी, पत्नी स्वर्गीय श्री प्यारेलाल, निवासी जी० ।

(अन्तरक)

2. श्री ईश्वर चन्द सुपुत्र श्री लक्ष्मी चन्द सुपुत्र श्री खजांची मल निवासी गांव चेटर तहसील नरवाना, जिला ज० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रश्न:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनांक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 2973 बर्ग गज जो पटियाला चौक के पास जी० में स्थित है जिसका ज्यादा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जी० के कार्यालय की रजिस्ट्री संख्या 1601, दिनांक 10-9-1979 में दिया गया है ।

गो० सि० गोपाला  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चन्दीगढ़

तारीख : 22-5-1980  
मोहर :

प्रका. प्राई० टी० एन० आर०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 जून, 1980

निदेश सं० बी० जी० आर०/16/79-80—यतः मुझे गो०  
सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज,  
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सहायक आयकर आयुक्त को, यह विज्ञापन करने का कारण  
है कि स्वामित्व सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा प्लॉट नं० 29 बी, 3926 वर्ग गज  
एरिया, है, तथा जो एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य का उचित इस्ताम  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और धरतीरही  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया  
प्रतिफल से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तर्गत के दायित्व को उचित  
करने या उसे अन्य में सुविधा के लिए किया गया

(ख) ऐसी संपत्ति का जो कि किसी अन्य व्यक्ति के अधीन है  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री स्वर्ण सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह  
निवासी गांव डिबडवा सह० बिलासपुरा,  
जिला रामपुर (यू० पी०)  
(अन्तरक)
2. मैसर्स ईस्ट इन्डिया काटन मैनुफैक्चरिंग कम्पनी लि०  
रजिस्टर्ड कार्यालय 38, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता  
फैक्टरी 17, एच० इन्डस्ट्रीयल एरिया एन आई टी  
फरीदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही करा गया है।

उक्त पत्र के अर्जन के संबंध में का० सी धाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन का अवधि या उससे अधिक व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में संपन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वामित्व सम्पत्ति में द्रितिक्रम किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

स्वदेयकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति इन्डस्ट्रीयल एरिया, प्लॉट नं० 29 बी जो कि  
एन० आई० टी० फरीदाबाद, में स्थित है जिसका पूरा विवरण  
रजिस्ट्रीकर्ता बल्लभगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4205,  
दिनांक 7-9-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 7-6-1980

मोहर :

प्रखर आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 जून 1980

निदेश सं० बी० जी०आर०/42/79-80—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जुन रंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सूचना प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि सहायक संपत्ति जिसका उचित आकार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा प्लॉट नं० 29-बी, 4318 वर्गगज इंडस्ट्रियल एरिया, है तथा जो एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1979

को प्रस्तुत सम्पत्ति के आवाज बाजार मूल्य मकम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित को गई है और सूत्र यह विश्वास करने का कारण है कि प्राप्तिस्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर के ऐसे दृश्यमान प्रतिकर के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्री राम सिंह पुत्र श्री नरथ सिंह उन्मू० सी०-34, रोहतक बाजार, कोट बहारदरखा जालंधर, (अन्तरक)

2. मैमर्स ईस्ट इंडिया काउन्सिल मैनुफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड रजिस्ट्री कार्यालय, 38, नेताजी सुभाष रोड, कनकला फेक्टरी, 17 एच, इन्डस्ट्रियल एरिया, एन० आई० टी० फरीदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए कार्यवाही करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के पश्चात् में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजस्व नेत्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त सहायक सम्पत्ति में हितवद्ध हितों अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रोड्यूसरों के पाग लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषणः—इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित है, वही अर्थ प्राप्त, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 29 बी, 4318.6 वर्ग गज जोकि इन्डस्ट्रियल एरिया एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है व जिसका पूरा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लभगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4206 दिनांक 7-6-1979 में दिया गया है ।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख 7-6-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 जून 1980

निदेश सं. बी० जी०आर०/43/79-80--अत मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. हिस्सा प्लॉट नं० 29 बी 4318.6 वर्ग गज, इन्डस्ट्रियल एरिया, है तथा जो एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्गित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गृह्य है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1 श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह गाँव डिवडाबा तहसील बिलासपुर, जिला रामपुर (यू० पी०)  
(अन्तरक)

2 मैमर्स ईस्ट इंडिया काटन मैनुफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड रजि० कार्यालय 38, नेता जी सुभाष रोड, कलकत्ता फैक्टरी 17-एच, इन्डस्ट्रियल एरिया, एन० आई० टी० फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

संपत्ति प्लॉट नं० 29-बी 4318.6 वर्ग गज जोकि इन्डस्ट्रियल एरिया, एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूरा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ में के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4207, दिनांक 7-9-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 7-6-1980

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 जून 1980

निर्देश सं० बी० जी०आर०/17/79-80—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिरका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जसकी सं० हिस्सा प्लॉट नं० 29-बी, जोकि 5182.34 वर्ग गज है तथा जो एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लवगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती अक्षर कौर पत्नी श्री नत्था सिंह,  
डक्यू० सी० 34, रोनाक बाजार, कोट बहादुर खान,  
जालन्धर ।  
(अन्तरक)

2. मैगर्भ ईस्ट इन्डिया काटन मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड  
रजिस्टर्ड कार्यालय 38 नेताजी मुभाप रोड, कलकत्ता  
फैक्टरी 17-एच, इण्डस्ट्रीयल एरिया, एन० आई० टी०  
फरीदाबाद ।  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

संपत्ति प्लॉट नं० 29-बी, जोकि 5182.34 वर्ग गज है तथा जो एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है तथा पूरा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लवगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4208, दिनांक 7-9-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 7-6-1980  
मोहर :

प्रकाश आर्डि० पी० एन० 13/79-80—अतः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

सदर बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 जून 1980

निदेश सं० एच० एन० एस०/13/79-80—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के तहत, विधायक करने का कारण दे कि स्थावर सम्पत्ति विनोद अविन बाजार पर 25, 190/0 रुपये में अधिब है

और जिसकी सं० दुमंजिली दुकान नं० 296/11 सदरबाजार है तथा जो हांसी में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हांसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1979

की पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रस्तावित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रमाण से ऐसे दृष्टान्त प्रस्तुत का पर्याप्त प्रमाणित से अधिक है और अन्तर (अन्तरों) और अतिरिक्त (अतिरिक्तों) के दोनो प्रकार के लिये नया मूल्य प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण प्रमाणित के लिए प्रमाणित किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिनियम से कम करने या उससे बढ़ने में प्रविष्ट के लिए प्रमाणित।

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आसि में जो किसी वास्तवीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) के तहत अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के अधिनियम के अधिनियम द्वारा प्रमाणित किया गया था या किसी अन्य धाय या धियाने में प्रविष्टा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1 श्री सुरेण कुमार उर्फ सुरेण चन्द पुत्र श्री दिलवाग राव पुत्र श्री लाला शम्भू व्याल, हांसी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुमानी देवी विधवा श्री हजारी लाल मार्फत श्री फूल सिंह सुनार, सदर बाजार, हांसी।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना का तामील में 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में प्रत्येक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रमाणित करने के लिए लिखित प्रमाणित करने।

स्पष्टीकरण:-इस सूचना के अधीन और परा न्याय उक्त अधिनियम के अधिनियम 20-क में पराश्रित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रमाण में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति दुमंजिली दुकान नं० 296/11 सदर बाजार, हांसी में स्थित है तथा पूरा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता हांसी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1581, दिनांक 26-9-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 7-6-1980  
मोहर.

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई, 1980

सं० 1042—यतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 26-35-970 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थात्:—

5—116GI/80

1. श्री मोबा वेंकटेश्वर राव  
विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

2. श्री गार्लपाटि दुर्गा वेंकटा प्रमादारावु,  
विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-10-79 में संज्ञांकृत दस्तावेज नं० 6990 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 5-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 1043—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-47 है, जो पितापुरम, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पितापुरम, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

1. श्री अरवमटाला मंगपतिराव,  
बेंगलूर ।

(अन्तरक)

2. श्री रायावरपु माहति जगन्नाथ राव,  
काकिनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

पितापुरम, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-9-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 7185 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

के० के० वीर  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, हैदराबाद ।

तारीख 5-5-1980  
मोहरः

प्रारूप धारा ० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निर्देश सं० 1044—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 26-6-26 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रीकरण को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी बान या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

1. श्री वीनेपूडि वैकटय्या चौवरी,  
सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. (1) श्री नारायण दास बंग

(2) कमल नयन बंग

(3) कृष्ण कुमार बंग और मधुसूदन बंग

2 से 4 मैनेरस गार्डियन पिता राम कुमार बंग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धनोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-10-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 7012 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 5-5-1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निर्देश सं० 1045—अतः मुझे के० के० वीर प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 18/50 है, है जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ठा में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भागवतुल्ला बेंकट्टामा शर्मा  
विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

2. श्री नन्नापनेनि नारय्या, विजयवाड़ा ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठा में लिए जा सकेंगे ।

स्वचोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुसूची 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विजयवाड़ा, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-10-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 6713 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-5-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 1046:—अतः मुझे, के० के०

वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिनकी सं० 23-11-4 है, जो राजमंजू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय राजमंजू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री आर० चक्रधर राव बापूजी नगर,  
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. एवांजि लिस्टरन हेल्सिंग हेंड, बोम्बूर  
रिप्रेजेंटेटिव बाई पि० जंतरंजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमंजू रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-9-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4525 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्रकृष आर्षी० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निर्देश सं० 1047—यतः मुझे के० के० वीर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 2-27-14 है, जो काकीनाडा में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा, में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथाह :—

1. (1) श्री एम० वीरराजु
- (2) पि० हरिकृष्णरावु  
काकीनाडा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नेक्कंटी रंगनाथकम्मा धुंदु राजा कात्यानि देवी  
मैनर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवा हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओर :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

काकीनाडा, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-9-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 7029 6993 और 7003 में निग-  
मित अनुसूची संपत्ति ।

के० के वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख 5-5-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निवेश सं० 1048—यतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 19-10-4 है, जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के निम्न पाया गया प्रतिफल निर्धारित उद्देश्य में उक्त अन्तर लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर के हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एतो किन्हीं प्राय या किन्हीं धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आंतर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-हारा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किन्हीं जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आ. अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वाक्यों, अर्थात :—

1. श्री पि० सुर्यराव, काकिनाडा ।

(अन्तरक)

2. श्री एम० सुर्यनारायण पास्टरपेट, काकिनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

काकीनाडा, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-10-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 8179 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

सं० आर० ए० सी० नं० मे 1049—यतः मुझे के० के० वीर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-42-37 है, जो बाड़ीपेट, गुनटूर में स्थित है  
(और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाड़ीपेट गुनटूर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर,  
1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती गुजाला राजेश्वरी देवी

5-78-40 अशोक नगर, गुनटूर ।

(2) श्री गुजाला गनमोरेडी रेलवे स्टेशन के पास,  
नरमा राजपेट, गुनटूर जिला ।

(अन्तरक)

2. श्री पानडेश्वर केशव राऊ, पिता जनार्दन राऊ

5-42-36 बाड़ीपेट गुनटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति रजिस्ट्री की गई है गुनटूर उप रजिस्ट्री कार्यालय में  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5195/79 और 5185/79 में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5 मई, 1980

मोहर:

प्ररूप आर्. टी. एन. एस.-----

1. श्री मिनधु मनोहर भंडारकर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री गुणवंतराय राम चन्द्र त्रिवेदी और श्रीमती  
विठ्ठला गुणवंतराय त्रिवेदी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

3. संलग्न अनुसूची के अनुसार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मार्च 1980

सं० ए० आर० II/2832.5/मितम्बर 79—अतः मुझे,

ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अन्तिम प्लॉट नं० 65 टी० पी० एम० नं० 3  
सी० टी० एस० नं० 281/1.2.3 एच वाई नं० 6785 1 ए,  
स्ट्रीट नं० 54-ए है तथा जो सान्ताक्रूज (पूर्व) में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-9-79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्वयण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—  
9—126GI/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एम० 500/79 उप रजिस्ट्रार  
द्वारा दिनांक 28-9-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाले

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 31 मार्च 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31-3-1980

निदेश सं० ए०आर०-II/2861.7/मि०म०-79—अतः

मुझे, ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 58-प्लॉट नं० 1 हिस्सा नं० 1 है तथा जो एस० न्हें० रोड, गोरे गांव (प०) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रकर्ता अधिकार के कार्यालय बांद्रा में रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन दिनांक 10-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. अलोक इस्टेट

(अन्तरक)

2. मधुवन प्रिमाइसिज को-आपरेटिव सोसायटि लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1452/79 जोइंट उप रजिस्ट्रार द्वारा दिनांक 10-9-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाले

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 31-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. लीना रमनीक लाल सावेरी

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा,

269-ब (1) के अधीन सूचना

2. दरख बोमानजी दुभाष

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 अप्रैल, 1980

निर्देश सं० ए०आर०-1/ए०पी० 132/80-81—अतः मुझे,  
पी० एल० रूंगटा

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन नवन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० न० 686 आफ मलबार और खबाला हिल है, तथा जो मलबार और खबाला हिल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-9-79 विलेख संख्या नं० 2746/78/बम्बई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकर्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पचासवर्षीय सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकर्षण से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर्षण का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिकर्षण, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक, निम्नलिखित में वास्तविक करने कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक में हुई किसी गाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्रायः निजी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायः-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिकाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2746/78 बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 17-9-79 में रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एल० रूंगटा

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 23-4-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1980

निर्देश सं० ए०आर० 11/2904.32/दि० 79—अतः

मुझे ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मन्त्रन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 198 और सी० टी० एस० 539 है तथा जो सान्ताक्रुज में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1909 का 16) के अधीन दिनांक 10-12-79 विलेख संख्या नं० एस० 1514/79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपरोक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० वी० रहेजा कती और मैनेजर आफ ज्वाइंट हिन्दू फैमिली नोन कूज रहेजा सन्स (एच० यू० एफ०) केअरिंग आन विजनेस ग्रंडर द आफ लिक्विडि विल्डर्स।

(अन्तरक)

2. केनारा बैंक,

(अन्तरिती)

3. श्री पी० वी० रहेजा

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्वहतीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 1514/79/बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 10-12-79 में रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाले

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2 बम्बई

तारीख : 5 मई, 1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० ए० आर०-II/2825.3/सन्टे० 79—प्रतः मुझे

ए० एच० तेजाले

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सहायक आयुक्त को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिपुता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये के अधिक है और जिसकी सं० एन० ए० नं० 96 सी० टी० एस० नं० सी/1342, सी/1343 और सी/1344 है, तथा जो बांदरा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-9-79 विलेख सं० नं० एस० 1714/79 है को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुरुपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यः विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुरुपमान प्रतिफल से, ऐसे दुरुपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य पर उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा-1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मिसेज शिरीन नोशिरवान पेटिगर, श्री कावस नोशिरवान पेटिगर ।

(अन्तरक)

2. वि पालि हिल नवरोज प्रिमायसिज को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

3. मिसेज शिरीन नोशिरवान पेटिगर मि० कावस नोशिरवान पेटिगर ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के पश्चात् में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

सहोदरग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या नं० एस० 1714/79/बम्बई उक्त रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 7-9-79 में रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० एच० तेजाले

सहायक आयुक्त

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बम्बई

तारीख: 5-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

1. श्री मगनलाल पुरुषोत्तम दास अमिन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. सांताक्रूज सरयु प्रिमायसिज को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड

(अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

बम्बई, दिनांक 15 मई, 1980

निर्देश सं० ए०आर०- /2932.5/जन०-80—अत. मुझे

ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 567, फाइनल प्लॉट नं० 107 है, तथा जो सांताक्रूज (प) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आदरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-1-80 विलेख संख्या नं० 359/78 है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूचि जैसा कि विलेख संख्या नं० 359/78 ज्वारंट सब रजिस्ट्रार-4, आदरा द्वारा दिनांक 29-1-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाले

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख : 15-5-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन जारी

भारत सरकार

कार्यालय, सहारा सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, पटना

पटना, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० III-396/अर्जन/80-81— अतः मुझे जयोतीन्द्र  
नाथ,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 686, बाई नं० -VII बी० है, तथा  
जो वर्तमान कम्पाउण्ड, ग्राम-लोका, थाना ललपुर, जिला राँची  
में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 29-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पर्याप्त जानकारी का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्नरिती  
(अन्नरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से रुधित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उतने बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रारण अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित शर्तों, शर्तों:-

(1) श्री लक्ष्मण कुमार घोष, पिता स्व० चारु चन्द्र घोष  
344/2, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-47  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती गोतारानी मजुमदार पत्नी—श्री प्रकाश चन्द्र  
मजुमदार 89, वर्तमान कम्पाउण्ड, थाना—लालपुर  
जिला—राँची

(अन्तरित।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वत् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष के  
द्वारा निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 2 कठ 4 छटाक सिमंजला मकान जो  
वर्तमान कम्पाउण्ड कोका, राँची में स्थित है तथा पूर्ण रूप से  
बसोका नम्बर I 5018 दिनांक 19-9-1979 में वर्णित है  
तथा रजिस्ट्रार आफ एमप्लोयेन्स कलकत्ता के द्वारा निबंधित  
है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, पटना

दिनांक: 14 मई 1980  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० III-397/अर्जन/80-81—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर पम्पानि, त्रिवक्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० होल्डिंग नं० 686, रांची म्यूनिसिपलिटि का वार्ड नं० VII बी० है, तथा जो वर्तमान कम्पाउंड, ग्राम—कोका, थाना—लालपुर, जिला—रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कार्यालय के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पण्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहे या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) सत्येन्द्र कुमार घोष, पिता—स्व० चारु चन्द्र घोष 344/2, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-47 (अन्तरक)

(2) श्रीमती गीतारानी मजुमदार पत्नी—श्री प्रकाश चन्द्र मजुमदार 89, वर्तमान कम्पाउंड, थाना—लालपुर, जिला—रांची।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वास्थ्यसूचना—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रबल होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 2 कट्ठा 4 छटाक तिमंजला मकान जो वर्तमान कम्पाउंड, कोका, रांची में स्थित है तथा पूर्ण रूप से बसीका नम्बर 1 5014 दिनांक 18-9-1979 में वर्णित है तथा रजिस्ट्रार आफ एम्प्लोयेन्स कलकत्ता के द्वारा निर्बंधित है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, पटना

दिनांक : 13 मई 1980  
मोहरः

प्रमाण सार्द्ध ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 मई 1980

निदेश सं० III 399/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० सीजी नं० 7—वाई नं०-II (पुराना) याई नं० III (नया) होल्डिंग नं० 255 (पुराना), 85 (नया) है, तथा जो धनबाद में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहा, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—  
7—126GI/80

(1) श्री सुन्धा कृष्ण मिरियर (2) श्री जयकृष्ण मिरियर  
(3) श्री गोविंद कृष्ण मिरियर, यलदान—स्व. गौर मोहन मिरियर (4) श्रीमती जगतारनी मिरियर पत्नी —स्व. गौर मोहन मिरियर मा०—हंरापुर, जिला—धनबाद।

(अन्तरक)

(2) मैमर्स घोष स्टेट प्राइवेट लिमिटेड मा०—हंरापुर, जिला—धनबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यथा संज्ञा बिहार व्यापार बंधों का नम्बर 6972 दिनांक 18-9-1979 में वर्णित है तथा तथा जो जिला अवर निबन्ध धनबाद के द्वारा पञ्जाकृत है।

उपनाम नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना

दिनांक : 13 मई 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 मई 1980

निदेश सं० III-500/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० म्यूनिमिपल प्लॉट नं० 2627 सब प्लॉट नं० नं० 25 बार्ड नं० IV है, तथा जो अनन्तपुर (मिरामटोली) रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरणमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती गौरी चटर्जी जीजे, श्री राजेश्वर चटर्जी मौजा अनन्तपुर रांची

(अन्तरक)

2) श्री कमला दे, तपन कुमार दे, कल्याण कुमार दे विश्व-नाथ दे ग्राम—अनन्तपुर (मिरामटोली) रांची (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सहित जमान जो अनन्तपुर रांची में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 7607 दिनांक 18-9-79 में वर्णित है और रांची जिला निबंधन पदाधिकारी द्वारा निबंधित है।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम पदाधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० III-401/अर्जन/80-81--प्रतः सुसे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस को सं० तोजी नं० 5587, खाता नं० 183 प्लॉट नं० 963 इत्यादि है, तथा जो ग्राम खजपुरा थाना गर्दनिबाग पटना में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बावजूद ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पत्रण निम्न में बाल्विक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन करने के पत्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जहाँ आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:--

(1) श्री मो० समा बल्द अब्दुल लतीफ (2) अनवार रसीद बल्द खान साहेब मो० रसिद (3) मो० मोहसिन रजा बल्द डा० मो० हसन रजा (4) खोरसीद हमन बल्द अब्दुल अजीज मौजा खजपुर थाना गर्दनिबाग पटना

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक चन्द्र जैन बल्द मानिक चन्द्र जैन मौजा कदमकुआं थाना कदमकुआं पटना ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मालि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्तृता की के पाम निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जर्मन का रकवा 8 कट्ठा 6 धूर 8 धूरकी जो मो० खजपुरा थाना गर्दनिबाग पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप में वासका नम्बर 6204 दिनांक 25-9-79 में वर्णित है तथा जो पटना जिला निबंधन पदाधिकारी द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

दिनांक 15 मई 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० III-402/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र  
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पत्र विरासत  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिस्वा उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बार्ड नं० 13, सर्किल नं० 30 सीट नं० 86  
म्यूनिसिपल सर्वे प्लॉट नं० 1434 होल्डींग नं० 4 है, तथा जो  
पुरन्दरपुर थाना परिवहौर पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 22-9-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में लास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अम्रिक घोष वल्द श्री समीर कुमार घोष  
संयुक्त सचिव सिचाई विभाग बिहार निवासी  
183-वी श्री कृष्णपुरी पटना बहैसियत मोखतार  
श्राम श्री निर्मल मय घोष आत्मज महेन्द्र नारायण  
घोष पुरन्दरपुर थाना—परिवहौर जिला—पटना  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शशि खेतान जीजे श्री ओम प्रकाश खेतान  
साकिन व थाना वाराहारा जिला—भागलपुर  
हास बाकरगंज सालिमपुर अहरा थाना गांधी  
मैदान पटना  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 3611 वर्गफीट दो मंजिला मकान  
सहित जो पुरन्दरपुर अजिमाबाद थाना परिवहौर जिला पटना  
में स्थित है तथा पूर्णरूप से बसिका नम्बर 6110 दिनांक  
22-9-80 में वर्णित है तथा जो पटना जिला निबंधन पदा-  
धिकारी द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम पदाधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 15 मई 1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० III-403/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र

नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिस की सं० होल्डींग नं० 147, सर्किल नं० 25,  
वार्ड नं० 9 (पुराना) 16 (नया) है, तथा जो बिहारी लाल  
भट्टाचार्य रोड़ (मखनियां कुआं रोड़) पटना में स्थित है  
(और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-9  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
संदेह से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
के (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सुशीला बोस, बिधवा स्व० ज्योतीन्द्र नाथ  
बोस (2) सुभासु कुमार बोस बलद स्व० ज्योतीन्द्र  
नाथ बोस निवासी 50ए रिटवी रोड कलकत्ता और  
सुनील कुमार बोस बलद स्व० ज्योतीन्द्र नाथ बोस  
निवासी 104 सर्कीट हाउस एरिया जमशेदपुर ।  
(अन्तरक)

(2) डा० अरुण कुमार सिन्हा बलद स्व० पशुपति कुमार  
सिन्हा निवासी —रोड नं० 6ए राजेन्द्र नगर  
पटना-16 थाना कदम कुआं ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां कराएँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहसाक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

आठ आन हिस्सा मकान में जो बिहारी लाल भट्टाचार्य  
रोड़ (मखनियां कुआं रोड़) पटना में जिसका होल्डींग नं०  
147, सर्किल नं० 25 वार्ड नं० 9 (पुराना) 16 (नया) इत्यादी  
में स्थित है तथा पूर्णरूप में बमिका नम्बर 5893 दिनांक  
13-9-79 में वर्णित है जो पटना जिला निबंधन पदाधिकारी  
द्वारा निबंधित है ।

ज्योतीन्द्र नाथ

(सक्षम पदाधिकारी)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

## प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 14 मई 1980

निदेश सं० III-404/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सञ्चय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की स० होल्डिंग न० 147, सकिल न० 25 वार्ड न० 9 (पुराना) वार्ड न० 16 (नया) है, तथा जो बिहारी लाल भट्टाचार्य रोड़ (मखनिया कुआ रोड़) पटना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य का उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से संशोधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपाय उपायों में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डा० निमाई दास बसु बल्द स्व० फनीन्द्र नाथ बसु मौजा बिहारी लाल भट्टाचार्य रोड़ (मखनिया कुआ रोड़) थाना परिवहौर पटना ।

(अन्तरक)

(2) डा० अरुण कुमार सिंहा बल्द स्व० पशुपति कुमार सिन्हा रोड़ न० 6 ए राजेन्द्र नगर थाना कदम कुआ पटना

(अन्तरिती)

(3) डा० निमाई दास बसु

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का रकबा 1 कट्ठा 17 घूर जो बिहारी लाल भट्टाचार्य रोड़ (मखनिया कुआ रोड़) थाना परिवहौर जिला पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से बसिका नम्बर 6150 दिनांक 24-9-1979 में वर्णित है और पटना जिला निबन्धन पदाधिकारी द्वारा निबन्धित है ।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सहायक पदाधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 14 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 मई 1980

निदेश सं० III-405/अर्जन/

—अर्जन मुझे ज्योतीन्द्र

नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये में अधिक है

और जिस की स० खाता संख्या 104, खसरा संख्या 67, 70 तथा 82 है, तथा जो मौजा मकवा, थाना तारापुर जिला मुंगेर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुंगेर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के त्रिवे संस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम हू प्रतिपात से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और धनगिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री नारायण प्रसाद महासेठ द्वारा श्री राम जानकी जी पुत्र श्री सत लाल महामेठ पन्नालय चोवारा मधुबनी जिला मुकाम मौजा मकवा जिला मुंगेर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनैवा देवी धर्मगन्गी श्री जनार्दन प्रसाद मिश्र महल्ला पन्नालय मिरजापुर, जिला मुंगेर (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अत्राधिकारिक रूप से समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी व्यक्ति द्वारा, लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

7 एकड़ 65 डिस्मल जमीन जो मौजा मकवा थाना तारापुर जिला मुंगेर में स्थित है और जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 5251 दिनांक 22-9-79 में वर्णित है तथा अवर निबंधक मुंगेर में पंजीकृत है ।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक 13 मई 1980  
मोहर :

प्रकाश प्रार्थी टी० एन० एन० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पटना

पटना, दिनांक 14 मई 1980

निदेश सं० III-406/अर्जुन/80-81—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र

नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० थाना नं० 350 बार्ड नं० 6, सैकिल नं० 1 ए, खाता नं० 248 आदि है, तथा जो सा० रसुलपुर जिलानी, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिका-री के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-9-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उन पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी पाप या चिन्नी या या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मन्दिरा मुखर्जी जौजे स्व० अचिन्द्र चन्द्र मुखर्जी सा०—जोगेन्द्र चन्द्र मुखर्जी रोड, महल्ला आण्डीगोला, जिला—मुजफ्फरपुर

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रदेव सिंह वल्द श्री महादेव सिंह सा०—महाराजी चौक, जुरत छपरा, मुजफ्फरपुर स्थायी पता:— सा०—फुलकाहा गोविन्द, थाना—कांटी, जिला मुजफ्फरपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

2 कट्ठा 15 धूर जमीन मय मकान जो साकिन रसुलपुर जिलानी, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है, जिसका विवरण दस्तावेज सं० 12753 दिनांक 14-9-79 में पूर्णतया वर्णित है। इसका पंजीयन जिला अवर निबंधक मुजफ्फरपुर में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम पदाधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, पटना

दिनांक : 14 मई 1980  
मोहर :

प्राकृत्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० III-407/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी खाता नं० 248 (नया) खसरा नं० 59 (पु०), 478 (नया) आदि है, तथा जो सा०—रमुलपुर जिलानी, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

8-126GI/80

(1) श्रीमती गरिमा मुखर्जी जीजे रथ० मन्दिन्द्र चन्द्र मुखर्जी सा०—जोगेन्द्र चन्द्र मुखर्जी रोड़, मुहल्ला आण्डीगोला, जिला—मुजफ्फरपुर ।

(अन्तरक)

(2) राम पुकार सिंह बल्द श्री महादेव सिंह (2) श्री प्रमोद कुमार सिंह बल्द श्री मथुरा सिंह सा०—फुलकाहा गोविन्द, थाना—कोटी, जि०—मुजफ्फरपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

2 कट्ठा 10 धूर जमीन मय मकान जो साकिन रमुलपुर जिलानी, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है, जिसका विवरण दस्तावेज सं० 12891 दिनांक 17-9-79 में पूर्णतया वर्णित है । इसका पंजीयन जिला अवर निबंधक मुजफ्फरपुर में हुआ है ।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सहायक पदाधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन, परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 14 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना दिनांक 14 मई 1980

निदेश सं० III-408/अर्जन 80-81--प्रत. सुझे ज्योतीन्द्र

नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० बार्ड नं० 6, मकिल नं० 1ए, इत्यादि है, तथा जो सां०--मुजफ्फरपुर जिलानी, जिला--मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में उपाकरण या उसमें वचन से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सहायक आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती मन्दिरा मुखर्जी जीजे--स्व० अचिन्द्र चन्द्र मुखर्जी सां०--जोगेन्द्र चन्द्र मुखर्जी रोड, महन्ना आन्डी गोला, जिला--मुजफ्फरपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गौरी शंकर सिंह वन्द स्व० कमलेश्वरी सिंह, सां०--जगन्नाथ बसंत, पबालय--लालगज, जिला--वैशाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 कटठा 6 धूर जमीनमय भूभाग जो साकिन रमुलपुर जिलासी, जिला--मुजफ्फरपुर में स्थित है; जो दस्तावेज सं० 13497 दिनांक 26-9-79 में पूर्णतया वर्णित है। इसका पंजीयन जिला अवर निबंधक मुजफ्फरपुर में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम पदाधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक: 14 मई 1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार,

पटना, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० —409III/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खाता नं० 248 (नया), खसरा नं० 59 (पु०), 478 (नया) होल्डिंग नं० 128 इत्यादि है, तथा जो सा०/महल्ला रसुलपुर जिलानी, जिला—मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित न कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती मन्दिरा मुखर्जी जीजे—स्व० अचिन्द्र चन्द्र मुखर्जी, सा०—जोगेन्द्र चन्द्र मुखर्जी रोड़, महल्ला—आण्डी गोला, जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री केशरनाथ सिंह वलद—श्री चन्द्रदेव सिंह सा०/महल्ला—रसुलपुर जिलानी, जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्योहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उक्त आ जमीन मय मकान जो सा०/महल्ला रसुलपुर जिलानी, जिला—मुजफ्फरपुर में स्थित है, जिसका विवरण दस्तावेज सं० 12695 दिनांक 12-9-79 में पूर्णतया वर्णित है। उक्त पंजीयन जिला अवर निबंधक मुजफ्फरपुर में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 11 मई 1980

पादर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पुना

पुना, दिनांक 3 जून 1980

निर्देश सी० ए० 5/मावल/दिसम्बर 79/473—यतः मुझे  
ए० सी० चंद्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिस की संख्या नं० 115/1, म० नं० 119/3 है तथा जो  
कुवेता मावल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
औरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दुय्यम निबंधक मावल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-12-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) श्री कृष्णराव डी० भेगडे (2) श्री हरिभाई एच०  
सोलंकी (3) श्री आण्णा एम० होलार, (4) श्री बप्पू  
भाई एच० राठोड़, (5) श्री काशीनाथ एम० होलार  
(6) श्री दत्तात्रेय एम० होलार, तलेगांव—दामाडे  
ता० मावल जि० पुने ।

(अन्तरक)

(2) श्री मैसर्स हैपी ह्वैली कार्पोरेशन पार्टनर्स (1)  
श्री नरेन्द्रमिगजी एम० चुडाममा (2) डा० श्यामराव  
कलमाडी, (3) श्रीमती सुनीता वाय त्रिवेदी (4)  
श्री मवाडलाल सैठी (5) श्रीमती बी० आर० पटीन  
केराफ पुना काफे हाउस, 1250 जे० एम० रोड,  
पुने-4 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 115/1, और 119/3 कुने  
गांव ला० मावल में स्थित है और जिसका क्षेत्र 2 हेक्टर  
172 आर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 1388 जो 1 दिसम्बर  
79 को दुय्यम निबंधक मावल जि० पुने के दफ्तर में लिखा है।

ए० सी० चंद्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 3 जून 1980

गोहर :

प्रकरण-घाई० टी० एन० एस०—

प्राधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 3 जून 1980

निर्देशन सी० ए० 5/मावल/दिसम्बर 79/474—यतः मुझे,  
ए० सी० चंद्रा,

प्राधिकार-अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है,

और जिनकी सं० नं० 120/2, सं० नं० 135 है तथा जो कुने  
ता० मावल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
द्वयम निबंधक मावल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-12-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य संपत्तियों को  
जिन्हें भारतीय-प्राय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

(1) श्री कृष्णराव डी० भेगडे, (2) श्री हरिभाई एच०  
(3) श्री आण्णा एम० होलार (4) श्री बच्चूभाई  
एच० राठोड, (5) श्री काशीनाथ एम० होलार  
(6) श्री दत्तात्रय एम० होलार।

(अन्तरक)

(2) मेमर्न हैपी ह्वैली कारपोरेशन, पार्टनरस (1) श्री  
नरेन्द्रमिगजी एम० चुडाम्मा (2) डा० श्यामराव  
कालमाडी, (3) श्रीमती सुनीता वाय त्रिवेदी (4)  
श्री मवाडलान भेंडी (5) श्रीमती बी० आर० पटेल  
केराफ पुना कर्फ हाउस, 1250 जे० एम० रोड,  
पुने-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्राथमिक बार में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 120/2 और 135 कुने गाव ला०  
मावल में स्थित है। और जिनका क्षेत्र 3 हैक्टर 106 आर है।  
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख 1389 जो 1 दिसम्बर 79 को  
द्वयम निबंधक मावल जि० पुने के दफ्तर में लिखा है।)

ए० सी० चंद्रा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज पुना

दिनांक: 3 जून 1980  
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पना, दिनांक 3 जून 1980

निर्देश सं० II 5/मावल/डिसेंबर 79/475 ओ० सी०  
चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 116 पार्ट है तथा जो कुले ला० मावल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक मावल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-12-79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कृष्णराव डी० भेगडे (2) श्री हरिभाई एच० सोलंकी (3) श्री आण्णा एम० शेलार (4) श्री बळूभाई एच० राठोड़ (5) श्री काशीनाथ एम० शेलार (6) श्री दत्तात्रेय एम० होलार : तलेगांव दामाडे ला० मावल जि० पुणे ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स हैपी ह्वैली कारपोरेशन पार्टनर्स (1) श्री नरेन्द्रामिगजी एम० चूद्रासमा (2) डा० श्यामराव कलमाडी (3) श्रीमती पु सुनीता वाय तिवेदी (5) श्री मावाहलाल सेठी (5) श्रीमती बी० आर० पटेल केराफ पूना काफे हाऊस 1250 जे० एम० रोड पुणे-4 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 116 (पार्ट) कुने गांव ता० मावल में स्थित है और जिसका क्षेत्र 4 हैक्टर 33 आर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1390 जो 15 दिसम्बर 79 को दुय्यम निबंधक मावल जि० पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

ए० सी० चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

दिनांक : 3 जून 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना दिनांक 3 जून 1980

निर्देश सं.ए० 5/माबल/दिसम्बर 79/476---यतः मुझे  
ए० सी० चंद्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं० 116 पार्ट है तथा जो कुने ता० माबल  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय दुय्यम  
निबंधक माबल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 1-12-79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री वृष्णराम डी० भोगडे (2) श्री हरीभाई एच०  
मोलंकी (3) श्री आण्णा एम० गेलार (4) श्री  
बन्वूभाई एच० राठोड (5) श्री काशीनाथ एम०  
गेलार (6) श्री दत्तात्रय एम० गेलार तलेगांव  
दामाडे ता० माबल जि० पुने ।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स हैपी ह्वैली कारपोरेशन पार्टनरम (1) श्री  
नरेन्द्रसिंगजी एम० चुडाममा (2) डा० श्यामराव  
कलमाडी (3) श्रीमती सुनीता बाय त्रिवेदी (4)  
श्री सबाइलाल सेठी (5) श्रीमती बी० आर० पटेल  
केराफ पूना काफे हाऊस 1250 जे० एम० रोड  
पुने-4 ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 116 (पार्ट) कुने गाव ता०  
माबल में स्थित है। और जिसका क्षेत्र 4 हेक्टर 0 आर है।  
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1391 जो 1 दिसम्बर  
79 को दुय्यम निबंधक माबल जि० पुने के दफ्तर में लिखा है।

ए० सी० चंद्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

दिनांक : 3 जून 1980

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना दिनांक 3 जून 1980

निर्देश सी०ए० 5/मावल/दिसम्बर 79/477—यतः मुझे  
ए० सी० चंद्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 129, 109, 118/6, 133/2 है तथा जो  
कुने ता० मावल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दुस्रम निबंधक मावल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-12-79 को

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितरी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री लक्ष्मणराव पी० भेंगडे (2) श्री हरिभाई एच०  
सोलंकी (3) श्री अण्णा एम० शेळार (4) श्री  
बळूभाई एच० राठोड (5) श्री काशीनाथ एम०  
शेळार (6) श्री दत्तात्रय एम० शेळार

(अन्तरक)

(2) मेसर्स हैपी ह्वैली कारपोरेशन, पार्टनर्स (1) श्री  
नरेन्द्रमिगजी एम० चुलोसमा (2) डा० श्यामराव  
कलमाडी (3) श्रीमती सुमिता बाय तिवेदी (4)  
श्री सवाईलाल सेठी (5) श्रीमती बी० आर० पटेल  
केराफ पूना काफे हाऊस, 1250 जे० एम० रोड,  
पुणे 4

(अन्तरितरी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 129, 109, 116/6, 133/2  
कुने गांव ता० मावल में स्थित है। और जिनका क्षेत्रफल 2 हैक्टर  
191 आर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1392 जी 1 दिसम्बर  
79 को दुस्रम निबंधक मावल जि० पुणे के दफ्तर में लिखा  
है।

ए० सी० चंद्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 3 जून 1980

मोहर :

प्रकृ: अ.ई.टी.एन.एम.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निदेश नं० पी० आर० 992 ए० सी० क्यू० 23-1/79-80—

अतः मुझे, एम० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० प्लोट नं० 63 ए है तथा जो भगतेनगर को-ओ० हाउसिंग सोसायटी राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित नक्ष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपरान्त में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—  
9—126GI/80

- (1) श्री भरतकुमार फरमाशीभाई खारेवा (2) श्री हरेणकुमार फरमाशीभाई खारेवा 12, भगतेनगर स्टेशन प्लोट राजकोट

(अन्तरक)

- (2) श्री लोलाधर फुलचन्दभाई मैहता रेमकोर्म रोड "मधुवन बडौदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

साक्षीकरण:—इसमें प्रपुत्र सभों और पत्नी श्री, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अब होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन और मकान भगतेनगर को-ओ हाउसिंग सोसायटी राजकोट में स्थित है और रजिस्ट्रार के कार्यालय राजकोट में नं० 5497 से दिनांक 10-9-79 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एम० सी० पारी

सश्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1 अहमदाबाद

दिनांक: 21 अप्रैल 1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी०आर० नं० 993 ए०सी०क्यू 23-1/79-

80—अतः मुझे एम० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट नं० 319 है तथा जो भान्फुभाजीपुरा धोराजी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धोराजी, ; रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमती जयाबेन छगनभाई, पडेलीआ रामकृपा निवास धोराजी

(अन्तरक)

2 (1) जयाबेन विट्ठलजी मावाना  
(2) लीलाधर विट्ठलजी मावाना  
गावर आफ अटार्नी श्री चूर्मीनाथ विट्ठलजी मावाना  
मारफत पन्नालाल ट्रेडर्स ग्रान्ट रोड, बॉम्बे-27  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान प्लॉट नं० 319 है जो भान्फुभाजीपुरा धोराजी में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धोराजी में नं० 1084 से दिनांक 28-9-79 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एम० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक 21 अप्रैल 1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1980

पी० आर० नं० 994 ऐ०सी०क्यू० 23 आई/79-80—

अतः मुझे ऐस० सी० पारिख

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ऐस० सी० नं० 451 प्लॉट नं० 19 है तथा जो भगवादा प्लॉट राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का '16) के अधीन 7-9-1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्रीरजकुमार मनोहर लाल कोठारी द्वारा बैंक आफ इंडिया बरा बाजार राजकोट (अन्तरक)

2. श्री सुभाषचन्द्र एन० भगवेष राजहंस सोसायटी सबूया रोड राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान और जमीन नं० 951 प्लॉट नं० 19 है जो भगवादा प्लॉट राजकोट में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में नं० 5115 से दिनांक 5-9-1974 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एम्० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 21-4-1980।

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी० आर० 995 ऐसीक्यू 23-आई/79-80—अतः मुझे, ए० सी० पारीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-2 पैकी जगन्नाथ प्लाट नं० 4 है। तथा जो सेंट्रल आफिस ए० जी० आफिस राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-9-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री लवजीभाई भगवानभाई पटेल राजेश सोसाइटी ग्लेक्सी टाकीज के पास राजकोट (अन्तरक)

2. श्री बहेधरभाई लक्ष्मणभाई पटेल स्वामीनारायण गुरुकुल के पीछे रामजी विला प्लौर राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

जमीन और मकान प्लौर नं० 1—2 है जो जगन्नाथ प्लाट 4 सेंट्रल आफिस ए० जी० आफिस राजकोट में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में दिनांक 6-9-1979 के रजि० नं० 5453 से रजिस्टर्ड की गई है।

ए० सी० पारीख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 21-4-1980  
मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी०आर० नं० 996 ऐसीक्यू० 23-आई/79-80—अतः मुझे, एस० सी० पारीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 319 है तथा जो भान्कुभाजीपुरा धोराजी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धोराजी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्टिकोण से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हीराभाई गोरधनभाई धरचान्डीआ मोबलपुरा ता० फुटीयाना जिला जूनागढ़। (अन्तरक)

2. (1) श्री जयाबेन विठ्ठलभाई भावानी (2) लीलाधर विठ्ठलजी भावानी दोनों का पावर आफ एटार्नी श्री चन्नालाल विठ्ठलजी भावानी है द्वारा पन्ना लाल ट्रेडर्स ग्रान्ट रोड बोम्बे। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन प्लॉट नं० 319 है जो भान्कुभाजीपुरा धोराजी में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धोराजी में नं० 1083 से दिनांक 28-9-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकरायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 21-4-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एव०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अनर्ज रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी० आर० न० 1013 एसीक्यू-23-I/-79-80—अतः मुझे, एस० सी० पारीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रेवेन्यू सर्वे नं० 4-1-1 प्लॉट नं० 2 है तथा जो क्लब रोड जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री रामजी मेधजी शाह आर० बी० मेहता रोड घाटकोपर, बोम्बे । (अन्तरक)

2 श्री कपूरचन्द रायसीशाह महावीर एपार्टमेंट्स, जामनगर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रचलन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान रेवेन्यू सर्वे नं० 4-1-1 प्लॉट नं० 2 है जो सुमर क्लब रोड जामनगर में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में दिनांक 11-9-1979 के रोज नं० 2118 से रजिस्टर्ड की गई है ।

एस० सी० पारीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अनर्ज रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 23-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1980

पी०आर० नं० 1014 ए.सी.क्यू. 23-I/79-80—अतः मुझे  
एस० सी० पारिख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 371 हिस्सा 54 टी०पी०एस०  
25 प्लोट नं० 464 है तथा जो खोखरा मेहमदाबाद अहमदा-  
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदा-  
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन सितम्बर 1979।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सुचीन हेमल को० ओ० हाउसिंग सोसायटी सलाह-  
कार (1) हिमालय विजयकुमार भट्ट 18, अम्मीना सोसायटी  
मजीनगर ईस्ट अहमदाबाद-8, (2) भावीना रमेशभाइ पटेल  
चित्रकुटे स्वामीनारायण मंदिर के सामने अहमदाबाद (अन्तरक)

2. (1) श्री मकनजी गोपाल खारी, (2) श्री मालजा  
नाथुभाई खारी विराटनगर इमनपुरा अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन और मकान एस० नं० 371 एफ० पी० नं०  
464 टी०पी०एस० नं० 25 है जो मनीष सोसायटी मजीनगर  
अहमदाबाद में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय अहमदाबाद में नं० 4311 से सितम्बर, 1979 में रजि-  
स्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारिख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अहमदाबाद

तारीख : 23-4-1980

मोहर :

प्रत्य आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मई 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 925 ए० सी० न्यू 23-II-79-80—  
अतः मुझे, एस० सी० पारीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 1060(पी) ईस्ट पोर्सन वार्ड नं० 13 है तथा जो आदर्श सोसायटी सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमति नीरंजना किशोरचन्द्र क्षवेरी 20, गोरधन एपार्टमेंट गोपीपुरा, सूरत।

(2) मलाकार अफना बकुभाई क्षवेरी बनासारी बफ-भाड क्षवेरी, 52 बी-हीरा पन्ना एपार्टमेंट पीडर रोड बोम्बे। (अन्तरक)

2. श्री चीमनलाल देशाईभाई व्यास इन्दुरेखा आदर्श सोसायटी के पास अट्टवा लाइन्स सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 1060 (पी) है जो आदर्श सोसायटी सूरत में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में नं० 3421/79 से दिनांक 26-9-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-II, अहमदाबाद

तारीख : 3-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 मई 1980

निवेश सं० पी० आर० नं० 926 एसी० क्यू० 23-II/79-80—अतः मुझे, एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बोध नं० 586 बार्ड नं० 9 है तथा जो वाडी फलीया सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—126GI/80

1. (1) श्री श्रीभोवनदास मन्छाराम, (2) श्री मंगलदास त्रिभोवरनदास नवापुल राजावाड सूरत (अन्तरक)

2. (1) श्री दीपक कुमार मनुभाई देसाई (2) वीरमति मनुभाई देसाई (3) भानुमति किशोरचन्द्र देसाई (4) जयश्री अजयभाई शाह (5) हेमलता यशवन्तभाई देसाई (6) लता मनुभाई देसाई (7) उपावन आसुकाडारी, स्टोर शेरी वाडी फलीया सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान नोंद नं० 586 बार्ड नं० 9 है जो वाडी फलीया सूरत में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में नं० 3461 से दिनांक 25-9-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 6-5-1980।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मई 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 927/एसीक्यू० 23-II/79-80—

अतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के प्रयोजन उक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 4 गांव अली, है तथा जो भरूच में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरूच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. प्रमुख श्री गुमानसिंह भीमसिंह राणा फरशन चाचा खड़की द्वारा श्री संतोष को० आ० हाउसिंग सोसायटी ली० भरूच ।  
(अन्तरक)

2. श्री भुसाभाई हासा इस्माइल मोटी डुंगरी, भरूच ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

जमीन एस० नं० 4 है जो गांव अली में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरूच में नं० 1208/79 से दिनांक 3-9-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है ।

एस० सी० परीख,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-5-1980 ।

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री तुलसीदास प्रमजीभाई नानावट मुख्य रोज़ सूरत  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना2. (1) वाली बन ठाकुरदास (2) चन्दीबेन जो ठाकोर  
दास नागरदास की लड़की (3) मनाबेन उर्फ मनीबेन ठाकोर  
दास नागर दास रामपुरा हाथपुरा स्वामीनारायण मंदर के पीछे  
सूरत (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II अहमदाबादको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अहमदाबाद, दिनांक 6 मई 1980

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

सं० पी० आर० नं० 928 एसिक्यू 23-II/79--80--अतः  
मुम एस० सी० पारीख(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।और जिसकी सं० नोंद नं० 1892 बाई नं० 5 है तथा जो  
रामपुरा चोरखाना चकला, हाथपुरा, सूरत में स्थित है (और  
इसे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-9-1979को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;जमीन और मकान नोंद नं० 1892 बाई नं० 5 है  
जो रामपुरा चोरखाना हाथपुरा सूरत में स्थित है और रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में नं० 3314 से दिनांक  
10-9-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।एस० सी० पारीख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II अहमदाबादअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—तारीख : 6-5-1980  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अप्रैल 1980

पी० आर० 1018 एसीक्यू 23-J/9-80—अतः मुझे  
एस० सी० परीक्ष

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 61, 62 और 63 एफ० पी० नं० 749 एस० पी० 15 है तथा जो छाडावाड हीराबाग आम्बावाडी अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन 6-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कितने धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री भरतकुमार हंसमुखलाल शाह (2) श्री पंकज कुमार हंसमुख लाल शाह उबल्यू/2 दास बंगलो गवर्नमेन्ट आफिसर्स कोलोनी गुलबाई टेकरा आम्बावाडी अहमदाबाद (अन्तरक)
2. (1) हर्षदकुमार मुकुन्दराय ठाकोर (2) श्रीमति जालीनी-बेन हर्षदराय ठाकोर आनन्द लायब्रेरी आवापाडी अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रसह्यताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-त में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया हुआ है।

प्रमुखी

खुली जमीन का प्लोट नं० एस० नं० 61, 62 और 63 एफ० पी० नं० 749 एस० पी० नं० 15 का टी०पी०एस० 3 है जो हीराबाग आम्बावाडी अहमदाबाद में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में नं० 10365 से दिनांक 6-9-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० पी० परीक्ष  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 29-4-1980।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मई 1980

निर्देश सं० पी आर० नं० 929 ऐसीक्यू 23-II/80-81—

अतः मुझे, एस० सी० परीख,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टीका नं० 29/1 है प्लॉट नं० 2 है तथा  
जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन सितम्बर, 1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री रमेशचन्द्र छगनलाल सुरती (2) श्री जगदी  
चन्द्र छगनलाल सुरती बड़ौदा।

(अन्तरक)

2 शाह हंसमुखलाल मूलजीभाई बड़ौदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन टीका नं० 29 है प्लॉट नं० 2 है जो बड़ौदा  
में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा  
में नं० 4790 से दिनांक सितम्बर 1979 के रोज रजिस्टर्ड  
की गई है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 8-5-1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) से प्रेषित सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 8 मई 1980

पी० आर० नं० 930 एसीक्यू 23-II/80-81—अतः मुझे एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 7 है तथा जो गांव अली 171 भरूच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरूच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190 का 16) के अधीन 11-9-1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिथों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री पूनमभाई एस० प्रजापती म० न्यू अम्ब्रीका कार्पोरेशन के भागीदार भरूच

(अन्तरक)

2. (1) श्री इस्माईल उम्मेर (2) श्री इब्राहीम अली उम्मेर (3) श्री आदमअली उम्मेर (4) बाई हरी इसप वाली उमर (5) बाई बीवी दादु वली की औरत, मोटी डुंगरी भरूच

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन आर० एस० नं० 7 है वां अली जिला भरूच में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरूच में नं० 1256 से 1259 दिनांक 11-9-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 8-5-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 7 मई 1980

पी०आर० 1019 एसीक्यू 23-1/80—81—अतः मुझे  
एस० सी० पारिख  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० एस० नं० 367 368 पकी प्लोट नं० 273  
है तथा जो भफती नगर स्टेशन प्लोट नं० 12, शाकोट में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 14-9-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रदत्त  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

(1) श्रीमति जयागौरी नानजीभाई सिन्गाला (2)  
श्रीमति ज्योत्सनाबेन राघोड़ सिन्गाला "रूपासा" गोपाल नगर  
गली नं० 3 राजकोट

(अन्तरक)

2. श्रीमति बंगालगौरी राघवजीभाई बोम्बे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान एस० नं० 367, 368 पकी प्लोट  
नं० 273 है जो भक्तिनगर राजकोट में स्थित है और रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में नं० 554 से दिनांक  
14-9-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारिख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 7-5-80।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मई 1980

पी० आर० नं० 1020 एसीव्यू 23-I/80-81—अन  
मुझे एस० सी० पारिख  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी स० एस० नं० 358, 642-I 642—2 सब  
प्लॉट नं० 3 और 5 है तथा जो वार्ड के पास अहमदाबाद में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
10-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 न्यू अखण्ड आनन्द नगर को०-ओ० हाउसिंग सोसायटी  
अगमारा माला के सामने, नया बाइज अहमदाबाद-13  
(अन्तरक)

2 श्री ठाकोरलाल नटवरलाल चानाई, फेडर गारडेडन छोटे  
गोबज रोड, बोम्बे-6 (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन और मकान सब प्लॉट नं० 526 एस० नं०  
358, 648.1 और 648.2 है जो नया बाइज अहमदाबाद  
में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदा-  
बाद में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में नं० 10465 दिनांक 10-9-79 के रोज  
रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारिख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख 7-5-1980।

मोहर

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 7 मई 1980

पी० आर० 1021 एसीक्यू I/80—81—अतः मुझे  
एस० सी० पारिख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी एस० नं० 395, 411, प्लॉट नं० 80 है तथा  
जो हापा जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-9-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

11—126 GI/80

1. श्री बदरुद्दीन खानभाई खानबन्धु उद्योग का ट्रस्टी हापा,  
जामनगर (अन्तरक)

2. श्री शांतलाल दमजी गुंगरीभा मुन्नात्यार श्री प्रागजी  
फानजी भान्डीभा हापा जामनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन और मकान एस० नं० 395, 411, से 414 है  
जो हापा जामनगर में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय जामनगर में दिनांक 17-9-1979 के रेंज नं०  
2176 से रजिस्टर्ड हुआ है।

एस० सी० पारिख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 7-5-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 मई 1980

निदेश सं० 1022—प्रतः मुझे एस० सी० पारीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० क्रमांक नं० 212/1, 212/5/1 और 212/6 टी०पी०एस० 23 है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमाकांत रसिकलाल पटेल पी०ए० होल्डर श्री नरेंद्र गिरधारी लाल पटेल श्री अरविंद कुमार गिरधारीलाल पटेल श्रीमति डाहीबेन गिरधारीलाल पटेल और पत्नीबेन गिरधारीलाल पटेल अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. शाम्भरीनगर को० ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड कर्ता-चेयरमन—श्री शीवाभाई खोदाभाई पटेल नारनपुरा, घाटलोडिया अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का टुकड़ा जो 684 स्क्वेयर मीटर है। जिस का (नंबर) एस नं० 212/5 और 212/6, और फाईनल प्लोट नंबर 884 टी०पी० स्कीम नं० 23 है जो असीयर सिटी तालुक अहमदाबाद में प्रस्तुत है और जिसका वर्णन शेल डीड रजिस्ट्रेशन नंबर 10225 ता० 3-9-79 में अंकित है।

एस० सी० पारीख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 13-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 13 अप्रैल 1980

निदेश सं० 1024—अतः मुझे एस० सी० पारिख  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लॉट नं० 2 जगन्नाथ; छठी नं० 15  
है तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 1-9-1979।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. मसर्स बोहरा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी मैनेजिंग पार्टनर नाना-  
लाल मकनजी बोहरा; 7, जगन्नाथ प्लाट, राजकोट (अन्तरक)

2. श्री नीरमलाबेन मेघजीभाई मघट और गार्डियन  
मार्ईनर राजीव गोपालाल टेंक 15, जगन्नाथ प्लोट, राजकोट  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन का टुकड़ा जो 155.5 प्लॉट नं० 2, जगन्नाथ  
और राजकोट में स्थित है। जिसका पूरा वर्णन मेल  
डीड रजिस्ट्रेशन नंबर तासैं: 1-9-1979 से अंकित किया गया  
है।

एस० सी० पारिख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख 13-5-1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० 1025—अतः मुझे एस० सी० पारीख-1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 जगन्नाथ सेठी 15 राजकोट है। तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मैसर्स वोहरा कन्स्ट्रक्शन कंपनी मेनेजींग पार्टनर नानालाल मकनजी वोहरा 7, जगन्नाथ प्लाट, राजकोट (अन्तरक)

(2) तीरमलाबेन मेघजीभाई मदर और गार्जयन माईनोर—राजीव गोविन्दलाल टेक, 15 जगन्नाथ प्लाट राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

खुली जमीन का टुकड़ा जो 155-5 स्केयर यार्ड्स है। जो जगन्नाथ शेरी 15, राजकोट में आया हुआ है। जिसका पूरा वर्णन सेल डीड रजिस्ट्रेशन में रजिस्ट्रार नंबर 5356 तथा 1-9-79 में अंकित किया गया है।

एस० सी० पारीख,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अहमदाबाद।

दिनांक: 13-5-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० 1026—यतः मुझे एस० सी० परीख  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 जगन्नाथ शैरी नं० 15 है  
तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 1-9-79

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्पत्ति के  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नानालाल मकनजीभाई बोहरा मेनेजिंग पार्टनर  
मैसर्स बोरा कन्स्ट्रक्शन कंपनी जगन्नाथ शैरी  
राजकोट

(अन्तरक)

(2) नीरमलाबेन मेघजीभाई 15 जगन्नाथ, राजकोट  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त पंक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धांधला :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की जाने के  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की जाने के  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्धस्ताक्षरी के  
पास लिखित में लिखा जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का टुकड़ा जो 150-6-0 स्केयर यार्ड्स  
है और जो जगन्नाथ शैरी नं० 15 राजकोट में आया हुआ  
है। जिसका पूरा वर्णन सेल डीड में रजिस्ट्रेशन नंबर 5355  
तारीख 1-9-79 में दिया गया है।

एस० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक—13-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल, 1980

निर्देश सं० 5 सेप्ट/79--यतः, मुझे, श्री० आनंदराम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 154/1 नार्थ वेली स्ट्रीट है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमंडपम स्टाक नं० 1586/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:--

(1) श्री एस० गोपाल रतनम 2. एस० वेंकटरतनम  
(अन्तरक)

(2) श्री पी० के० नटराजन चेट्टीयार  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आकुमेंट नं० 1586/79 एस० आर० ओ० पुदुमंडपम, मदुरै  
भूमि और निर्माण डोर नं० 154/1, नोर्थ वेली स्ट्रीट, मदुरै  
श्री० आनंदराम,  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज मद्रास ।

दिनांक--29-4-1980  
मोहर:

प्रकृप घाई०टी० एन० एस्०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल, 1980

निर्देश सं० 24 सप्ट/79--यतः, मुझे, श्री० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 22 जवाहर रोड, है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ-1 मदुरै स्टेशन नं० 3288/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मितम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उस दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से कई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्जन :--

(1) श्री ई० वंकटविजयन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० चित्तमनी आर्ची

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तगत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रचार 23-क में परिभाषित हैं, यहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

डाकुमेंट नं० 3288/79 जे० एस० आर० ओ०-1 मदुरै, भूमि और मिगानठ--डोर नं० 22, जवाहर रोड, मदुरै।

श्री० आनंदराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज मद्रास

दिनांक--29-4-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री ई० वेकट विजयन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) चितामणी ईन्वैस्टमेंट्स प्राईवेट लि०

(अन्तरिती)

भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल, 1980

निर्देश सं० 25 सेप०/79—यतः, मझे, श्री० आनन्दांम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 22 जवाहर रोड़ है, जो मधुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जे० एस० आर-1 मधुरै (डाक नं० 3289/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16) सितम्बर 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3289/79 जे० एस० आर० ओ०-1 मधुरै भूमि और निर्माण—डोर नं० 22, जवाहर रोड़, मधुरै।

श्री० आनन्दांम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज मद्रास

दिनांक : 29-4-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1980

निर्देश सं० 27/सितम्बर/79—यत, मुझे, श्री० आनंदराम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके परचा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि त्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 25 जवाहर रोड है, जो मधुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम, मधुरै (डाक नं० 3478/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 सितम्बर 1979

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वतः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई हिनो अथ की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—126\_G1/80

(1) श्रीमती जे० हृषी

(अन्तरण)

(2) श्री एम० ए० एम० नरसिमतुल्ला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जायेंगई जा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितरित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3478/79 एम० आर० ओ० तल्लाकुलम, मधुरै भूमि और निर्माण डोर नं० 25, जवाहर रोड, गांधीनगर, मधुरै।

श्री० आनंदराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज मद्रास,

दिनांक : 29-4-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) भारतीय आर० अनमेनु सम्माल ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती गुलाम हुसैन

(अन्तरक्ष)

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1980

निर्देश सं० 30/नि०/79--पनः, मुले, श्री० आनंदराम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

औरजिपकी सं० 21 बेसट रोड है, जो मद्रुर में स्थित है (और इसमें जाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रुर (ड.कु० नं० 4098/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 सितम्बर 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:--**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकमेंट नं० 4098/79 एम० आर० ओ० मद्रुर भूमि और निर्माण छोर नं० 21 बेसट रोड, मद्रुर:-

श्री० आनंदराम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, मद्रास

दिनांक : 29-4-1980

ओहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1980

निर्देश सं० 32/मित०/79—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति रियाका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० टी० एस० नं० 29/1 831/1 ए० पटेल रोड है, जो विरुद्धनगर में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विरुद्धनगर (डाक नं० 1857/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16) मितम्बर 79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, आ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैनम चित्ताम एक्सपोर्ट प्राईवेट लि० ।

(अन्तरक)

(2) बी० पी० एस० अमल्केमाल नाडार एण्ड संस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1857/79 एस० आर० श्री० विरुद्धनगर भूमि और कम्पाउंड दिवार—टी० एस० नं० 29/1, 29/1 ए०, पटेल रोड, विरुद्धनगर ।

श्री० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास ।

दिनांक—29-4-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निर्देश सं० 47/मित०/79—यश, मुझे, श्री० आनंदराम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना डोर नं० 71 (सबुत पोरशन) है, जो सख्दी स्ट्रीट, पनली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिपारी के कार्यालय, जे० एम० आर०-7 मद्रास नोर्थ (डाकु० नं० 3708/79) में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मितम्बर 79 को

पूर्णा संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

(1) श्री जी० डी० नरेन्द्रन ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० कुप्पुसायी नायडु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को सामान्य 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में अपनाया जाते हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताधारी के पास लिखित किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इन्हें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3708/79 जे० एम० आर०-1 मद्रास नोर्थ  
भूत और निर्माण पुराना डोर नं० 71 (सबुत पोरशन) सख्दी  
स्ट्रीट, पनली।

श्री० आनंदराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 5-5-1980  
मोहर.

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

निर्देश सं० 48/तित०/79 - यतः, मुझे, श्री० आनंदराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
₹ से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना डोर नं०-71 (नार्थ पोरशन), सन्नदी  
स्ट्रीट, है, जो पलनी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयती अधिकारी के कार्यालय,  
जे० एस० आर-1, मद्रास नार्थ (डा० नं० 3709/79) में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के  
अधीन 16 सितम्बर 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐन, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,  
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आम को बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी बत या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया है या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री जी० डी० नरेन्द्रन

(अन्तरक)

(2) श्री के० जनकराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में संपन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3709/79 जे० एस० आर०-1 मद्रास नार्थ  
भूत और निर्माण पुराना डोर सं० 71 (नार्थ पोरशन)  
सन्नदी स्ट्रीट, पलनी।

श्री० आनंदराम,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 5-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जी० डी० नरेन्द्रन

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० गुनसेकरन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निर्देश सं० 49/सित०/79—यत्, मुझे, श्री० आनद्राम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सञ्चन प्राधिकारों को, यह विराम करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 71 (पुराना न०) (मिडिल पोरशन) है, जो  
सन्नदी स्ट्रीट, पलनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जे० एम० आर-1 मद्रास नार्थ (डाक न० 3710/79) में भार-  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के  
अधीन 16 सितम्बर 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय गया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में प्राप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अव्योहस्तकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रत, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

डाकुमेंट नं० 3710/79 जे० एम० आर-I मद्रास नार्थ भूमि  
और निर्माण डोर नं० 71 (मिडिल पोरशन) सन्नदी स्ट्रीट,  
पलनी।

श्री० आनद्राम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I मद्रास।

दिनांक : 5-5-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री ए० श्रीनिवास राव

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एन० अशोका

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करना है।

निर्देश सं० 34/नवम्बर/79—यन, मुझे, श्री० आनांदराम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन यक्षप प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिनकी सं० 5/222, स्टेट बैंक कालोनी है जो सेलम  
जंक्शन में रोड, सेलम में स्थित है (और इसमें उपाय  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, ज० एम० आर० ओ०-I सेलम (डाक नं० 5733/79)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) पन्तरग से हुई किसी आय का बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में साक्ष्य  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धांधले :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रथम बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशना की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोऽस्थाधारी के  
पान लिखित में लिख जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रकाश गतों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

यत्नचो

डाकुमेंट नं० 5733/79 जे० एम० आर०-I, सेलम भूमि और  
निर्माण डोर नं० 5/222, स्टेट बैंक कालोनी, सेलम जंक्शन  
में रोड, सेलम।

श्री० आनांदराम,  
सहायक प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 5-5-1980  
मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.—

(1) फौनटन हेड होमस (प्रा०) लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) स्वाती कनस्ट्रक्शन (प्रा०) लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मई 1980

निर्देश सं० 7566—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० आर० एम० सं० 109/1, है, जो हेलोस रोड,  
मद्रास में स्थित है (और इससे उपाख्य में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर  
(डाकुमेंट सं० 1335/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
पक्कू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि डेल एटमटरा—आर० एम० सं० 109/1, हेडोस रोड,  
मद्रास (डाकुमेंट सं० 1335/79)राधा बालकृष्णन्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज मद्रास।

दिनांक—2-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री राम सोमसुन्दरम् ।

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० कनावती

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मई 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 7568—यत्, मुझे, राधा बालकृष्ण  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 32, कादर निवासकान रोड़ है, जो मद्रास  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाकुमेंट  
सं० 1366/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 16 सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
16—126GI/80

अनुसूची

भूमि और निर्माण—32, कादर नवाम रोड़, मद्रास (डाकुमेंट  
सं० 1366/79)

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास ।

दिनांक—2-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० शिवसनकरन चेडियार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) हरिकृष्ण और वामुदेवन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 12 मई, 1980

निर्देश सं० 7634—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 23, पुराना नगर मेन रोड है, जो मुनघमपाखम  
मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर,  
(डाकुमेंट सं० 1359/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 सितम्बर 79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी कर देने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,  
अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-23, पुष्पानगर मेन रोड, मुनघमपाखम  
मद्रास (डाकुमेंट सं० 1359/79)

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज मद्रास।

दिनांक—12-5-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मई, 1980

निदर्श सं० 8715—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 6081/1एम०/44, राजघापाल-  
पुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, [पुडुकोट  
(डाकुमेंट सं० 2224/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन) 16 सितम्बर 79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्येक में हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रसूचन  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मुख्य चेटियार और अदरस

(अन्तरक)

(2) श्री के० रामनातन सेखे और अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—टी० एस० सं० 6081/एस/44, चवरनर  
रोड़ राजघापालपुरम पुडुकीरै (डाकुमेंट सं० 2324/79)

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास।

दिनांक—8-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मोति राजवापाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री के० आलबनतार

(अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मई 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 8759—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 38, आनैकणी मैदान है, जो ट्रिची-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिची (डाकुमेंट सं० 4469/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 सितम्बर 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि और निर्माण-38, आनैकणी मैदान बीमनगर, ट्रिची-1 (डाकुमेंट सं० 4469/79) ।

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

दिनांक : 8-5-1980  
मोहर :

प्रारूप आर्क० टी० एन० एस०—

(1) ए० मुस्तैया, ए० अमाधप्पन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) आर० चेल्लम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 मई, 1980

निर्देश सं० 8760—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 27 है, जो 11 फ्रांस स्ट्रीट तिल्लैनगर, ट्रिची  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिची (डाकुमेंट  
सं० 4826/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 16 सितम्बर 79

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-2711 फ्रांस स्ट्रीट, तिल्लैनगर, ट्रिची  
(डाकुमेंट सं० 4826/79)

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

दिनांक : 3-5-1980  
मोहर :

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

(1) श्री राम धनपति

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती के० शान्ता

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मई, 1980

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 10330—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है और जिसकी सं० 10, सैनतिल लै० अकुट है, जो सेनघनूर कोयमबूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबूर (डाकुमेंट सं० 2559/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 सितम्बर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण-10, सैनतिल नगर सेनघनूर (डाकुमेंट सं० 2599/79)

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 8-5-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० 10383—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जमकी सं० 6/39, है तथा जो घोपाल स्ट्रीट, साय-बाना मिशन, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घादिपुरम (डाकूमेंट सं० 2864/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा 1 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री ए० सी० बाबू (अन्तरक)
2. श्री ए० सी० बी० कुनजाप्पु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 6/39, घोपाल स्ट्रीट, सायबाबा मिशन, कोयम्बतूर (डाकूमेंट सं० 2864/79)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मई 1980

निदेश सं० 10397—यतः मुझे, राधा बालकृष्णं,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 8/16, है जो बी० सी० के० लेखबुर  
ट्रिची रोड, अकरालयम, कोयम्बटूर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर में (डॉक्यूमेंट  
सं० 4896/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
[ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० गोपालकृष्णं (अन्तरक)
2. श्री बी० बालनाकेगवरी अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायबाहिर्भा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—8/16, बी० सी० के० लेखबुर,  
ट्रिची रोड, अनुत्तरपायम कोयम्बटूर (डॉक्यूमेंट सं० 4896/  
79)

राधा बालकृष्णं  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री हमरुन बी० (अन्तरक)

2. श्री मारताल (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० 10399--यतः मुझे, राधा बालकृष्णं,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 28/30, है, जो सी० बी० डी० लेग्वर  
सुब्रमनियपुरम, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

14-126GI/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 28/30जी० बी० डी० लेग्वर  
सुब्रमनियपुरम, कोयम्बटूर-40 (डोकूमेंट सं० 2629/79)।

राधा बालकृष्णं  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निर्देश सं० 10401—यतः मुझे, राधा बालकृष्णं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 28/76 है जो राबरटमन रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्गीकृत है) ने भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 में 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रकरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धात् :—

1. श्री जी० रामनाथन (अन्तरण)

2. श्री पलनियम्माला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वृत्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

रपट्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 28/76 राबरटमन रोड, कोयम्बटूर  
(इंकरमेंट सं० 2621/79)।

राधा बालकृष्णं  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रज-II, मद्रास,

तारीख: 5-5-1980  
मोहर:

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10405—यतः मुझे, राधा बालकृष्णं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 5 ए और 8 ए है, तथा जो आनमली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आनमली (डॉक्यूमेंट सं० 954/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भत्तरक (भत्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दि आनमलैस और निलधिरिस पलनेटेशनस कम्पनी। (भन्तरक)
2. श्री नाघप्प अन्नपूरनी पलनेटेशनस (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथोद्देश्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है; वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 5 ए और 8 ए आनमली—(डॉक्यूमेंट सं० 954/79)।

राधा बालकृष्णं  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कपीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निर्देश सं० 10405—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 8 ए है, तथा जो आनमलै में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनमलै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. द्रि आनमलैम और निलधिरित पलनटेशनम कम्पनी (अन्तरक)
2. श्रीमती ए० मीनाकशी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 8 ए आनमलै (डाकूमेंट सं० 955/79)।

राधा बालकृष्ण,  
सख्त प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-1980  
मोहर :

प्रकाशित: 1.1.80 - - - - -

1. दि नीलगिरीज और नीलगिरीज प्लानटेशनस कंपनी  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. एर० एक्वामर्ले (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :-

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10405—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० सर्वे सं० 5ए है, जो आनमलै में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनमलै (डाकूमेंट सं० 956/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्ररित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन करने के अन्तरक के बाहिर में कमी करने या उसे करने के सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि सर्वे सं० 5ए, आनमलै (डाकूमेंट सं० 956/79)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10405—यतः मुख, राधा बालकृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 8ए है, जो आनमलै में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनमलै (डाकूमेंट सं० 957.79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. दि आनमलैस और निलगिरीज प्लानटेशनस कम्पनी (अन्तरक)
2. श्रीमती ए० एन० अक्षपूरनी आचि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 8ए, आनमलै (डाकूमेंट सं० 957/79)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निर्देश सं० 10405—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 8ए है, तथा जो अनमलै में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनमलै (डाकूमेंट सं० 958/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दि अनमलैस और निरलधिरिस पलेनटशनस कम्पनी (अन्तरक)
2. ए० पेरियकजप्पन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 8ए, अनमलै (डाकूमेंट सं० 958/79)

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. दि आनमलैस और निलधिरिस कम्पनी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती एन. अन्नामलै ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10405—यतः सुश्री, राधा बालकृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 5ए है, जो आनमलै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनमलै (डाकुमेंट सं० 959/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 5ए, आनमलै (डाकुमेंट सं० 959/79)

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-80

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) दि. आनमलैस और निलधिरिस पलेनटेअनस कम्पनी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2 श्रीमती ए. नागण चेट्टियार (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 10405—यत मुझे, गंधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 5ए है, जो आनमलै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनमलै (डाकुमेंट सं० 960/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 5ए आनमलै (डाकुमेंट सं० 960/79)

गंधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—  
15—126G1/79

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10407—यत्. मुझे, राधा बालकृष्ण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन तत्काल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 149 और 150 है तथा जो बिक बाजार  
स्ट्रीट, दारापुरम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दारापुरम (डाकूमेंट सं० 3061/79) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख मितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य त उक्त अन्तरण विधिन में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण की हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उपाय बचन में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बालकृष्णायुतम चेट्टियार (अन्तरक)

2. डाक्टर जी० पारथमारती (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 149 और 150 बिक बाजार स्ट्रीट  
दारापुरम (डाकूमेंट सं० 3061/79)

राधा बालकृष्ण  
महायुक्त प्राधिकारी,  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-II मद्रास

तारीख 5-5-1980  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10413—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 197 है जो नेताजी रोड़ ईरोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड में (डाकूमेंट सं० 4161/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अभिनयों, अर्थात्:—

1. श्री पी० सनकरलिंगम और अवर्स (अन्तरक)

2. श्री डाक्टर कालियन्न, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समंघी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण 197 नेताजी रोड़, ईरोड।  
(डाकूमेंट सं० 4161/97)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून, 1980

निदेश सं० 10415—यत. मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 9, पूसारी चेन्नियप्पा है, जो चौडर स्ट्रीट ईरोड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डाकूमेंट सं० 3987/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रातफल, निम्नलिखित उद्देश्य न उक्त अन्तरण निधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या दत्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रभा मुन्दरम । (अन्तरक)

2. श्रीमती एस० सरस्वती (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

भूमि और निर्माण —9, पूसारी चेन्नियप्पा चौडर स्ट्रीट ईरोड । (डाकूमेंट सं० 3987/79)

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निर्देश सं० 10420—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/231 सी० डी० ई० एफ० और एच० है, जो मूलर तिरुप्पुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मूलर (डाकूमेंट सं० 1483/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री के० पी० धनपती चेदियार और अदर्स (अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मी दुरघा मिल्स। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 1/231 सीमें डी० ए० एफ० और एच० मूलर। (डाकूमेंट सं० 1483/79)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मई 1980

निवेश सं० 10391—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीरंजिमकी सं० 54, तिरुवेनकटस्वामी रोड़ है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 4770/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवहारा, अर्थात्:—

1. श्री सी० एम० रामामिरतम सायिकुण्णन ।

(अन्तरक)

2. श्री के० राजन, पाप्पायी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 54, वेस्ट तिरुवेनकटस्वामी रोड़, कोयम्बटूर । (डाकूमेंट सं० 4770/79)

राधा बालकृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 8-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मई 1980

निदेश सं० 10391—यन, मुझे, राधा बालकृष्णन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं. 54, वेस्ट तिरुवेनकटस्वामी रोड है, जो  
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कोयम्बटूर (डॉक्यूमेंट सं० 4769/79) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच  
ने अन्तरण के लिए तब तक गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य के उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप में कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या फिटा जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, प्रार्थितः—

1. श्री सी० एम० रामामिरनम साथी कृष्णं ।

(अन्तरक)

2. श्री के० राजन ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोव्यवस्थापकरी : पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 54, वेस्ट तिरुवेनकटस्वामी स्ट्रीट,  
कोयम्बटूर । (डॉक्यूमेंट सं० 4769) ।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-5-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एम०—

1 श्रीमती सरोजिनी पाठियन। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती नूरुन्निसा। (अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज—, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निर्देश सं० 10389—यनः, मुझे, राधा बालकृष्णन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6, II स्ट्रीट है, जो चेन्नियन चर्च  
रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेट सं० 4799/79) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य के अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 3-6, II स्ट्रीट, चेन्नियन चर्च रोड,  
कोयम्बटूर (डाकूमेट सं० 4799/79)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० 10389—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6, II स्ट्रीट है, तथा जो चेरियन  
चर्च रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 4800/79)  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तविक अंश करने या उससे कम करने में अन्तरण के  
लिए; और/वा

“(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या वास्तविक माना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—126G1/80

1. श्रीमती सरोजिनी पाठियन। (अन्तरक)
2. श्री महबूब खान - (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास  
निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 3-6, II-स्ट्रीट चेरियन चर्च  
रोड, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 4800/79)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-81

मोहर :

प्रकर आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10385—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
हसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2/96 और 2/97 है, जो चिक्कादासमपालयम  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मेट्रोपालयम (डाकूमेंट सं० 1924/79) में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तों:—

1. श्रीमती एस० तारा। (अन्तरक)

2. दि. चलवरन एस्टेट्स लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 0.75 सेंट्स 2/96 और 2/97 चिक्कादासम-  
पालयम। (डाकूमेंट सं० 1924/79)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० 10335—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 32/11, पोन्नयराजपुरम है, जो राजमाल  
ले अकुर, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 4358/79)  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय कीबाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
अध्याय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पोन्नम्माल । (अन्तरक)
2. श्री ए० कोमारस्वामी चेट्टियार और अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को  
तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निम्नलिखित किसी  
व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधि-  
नियम', क अध्याय 20-क में परिभाषित है वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 32/11, पोन्नयराजपुरम राजमाल  
संजुट, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 4358/79) ।

राधा बालकृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पोषमाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10335—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22/11 है जो पोन्नैयराजपुरम राजमाल ले अवुर, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 4579/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री ए० कोमारास्वामी चेट्टियार और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और अवर्स 32/11, पोन्नैयराजपुरम कोयम्बटूर ।  
(डाकूमेंट सं० 4579/79) ।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

1. श्री मति रंगनायकी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री बी० सरसवती ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

मद्रास, दिनांक 8 मई 1980

निदेश सं० 10336—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं० 436/1ए है, जो सौरिपालयम में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर  
(डाकूमेंट सं० 4685/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सर्वे सं० 436/1ए, सौरिपालयम  
(डाकूमेंट सं० 4685/79) ।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 8-5-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10332-यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि आधार सम्पत्ति जिसे उक्त बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सेनगनूर है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकू-मेंट सं० 2660/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्हु प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अम्मासई गौडर ए० वेलुस्वामी (अन्तरक)
2. श्रीमति एन० सुन्दराबाई (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना को नामीन में 30 दिन की अवधि, जो मो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोभनाक्षर के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—उपरोक्त प्रारम्भिक तारीखों का, जो उक्त अधिनियम के अनुभाग 20-क में परिभाषित है, बड़ी प्रार्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूम 0.63 सेंट्स सेनगनूर। (डाकूमेंट सं० 2660/79)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-1980  
मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10332—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० सेनघनूर है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इसे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 2661/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुत्तुस्वामी गोंडर (अग्रतरक)

2. श्री टी० रुणवल्लि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या अन्तर्ग्रन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्रमांक 0.56 सनटम सेनघनूर (डाकूमेंट सं० 2661/79)

राधा बालकृष्ण

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10332—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सेनगनूर है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकू-मेट सं० 2662/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पर्याप्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्त रति में) के बीच ऐसे घट्टरणके लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पदार्थ लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) पदार्थों हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियमों के अन्तर्गत प्राप्ति हुई है, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थों—

1. श्री ए० आर० रामस्वामी गौडरक (अन्तरक)

2. श्री ए० मारादा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि 0.56 सेनटम सेनगनूर कोयम्बटूर। (डाकू-मेट सं० 2662/79)

राधा बालकृष्ण

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निवेश सं० 10332—अतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धनपती है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2712/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17—126 GI/80

1. श्री अम्मासे चौडर (अन्तरक)
2. श्री आर० वेंकटेश मुदलियार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा असोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—जनपती कोयम्बटूर 11 सेन्टस (डाकुमेंट सं० 2712/79)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख 5-5-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मई 1980

निदेश सं० 8120—अतः मुझे राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्राम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो विल्लियनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पांडिचेरी (डाकुमेंट सं० 1480/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979

को पूर्ण संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पञ्चरत्न की गई है और इसे विश्राम करने का कारण है कि 'आपूर्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चरत्न प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पञ्चरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक चिह्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारता :—

1. श्री पदमावती और सरसवती (अन्तरक)

2. श्री देवय पेळुन्देवी और देवय माववन (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिव-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें दृश्यमान धारों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं प्रयुक्त होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विलियन (डाकुमेंट सं० 1480/79)

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 12-5-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मई 1980

निदेश सं० 8720—अतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन उक्त अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, जो आदियमबट्ट विल्लियनूर में स्थित है (और इससे उपाय में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाकुमेंट सं० 1479/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को अधिधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामनाथन चन्द्रसेकरन (अन्तरक)

2. श्री देवय विजयलक्ष्मी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरों के मात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि आदियमबट्ट विल्लियनूर (डाकुमेंट सं० 1479/79)

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख 12-5-1980

सोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मई 1980

निदेश सं० 8720—अतः मुझे राधा बालकृष्णन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० है, जो ओदियमबट्टु विल्लियनूर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पॉन्डिचेरी (डाकुमेंट  
सं० 1478/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी यात्र को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पद्मावती सरसवती (अन्तरक)
2. श्री देवव तिरुवरन सेलवन देवव कुमारन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि ओदियमबट्टु, विल्लियनूर (डाकुमेंट 1478/79)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 12-5-1980

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० ११० - - - - -

1. श्री विजयवानी रेड्डी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री बी० सेराम्मा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास-II, दिनांक 13 मई 1980

निदेश सं० 7572—अतः मुझे राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 32 है, जो नारत बोग रोड मद्रास 17 में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सौत  
(डाकुमेंट सं० 1446/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—32, नारत बोग रोड, मद्रास-17  
(डाकुमेंट सं० 146/79)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख: 13-5-1980  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मई 1980

निर्देश सं० 7659—अतः मुझे राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
अध्याय 1 के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 7, II मेयन रोड है, जो कि चादि  
नगर मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, से-  
पेट (डाकुमेंट सं० 2626/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर,  
1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्त-  
र्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एडमिनिस्ट्रेटर जनरल आफ आफिशियल ट्रस्टी  
(अन्तरक)
2. श्री राम दास लुकमनी और अदरस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या उससे अधिक व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
ह्रास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—7, II मेयन रोड, चादिनगर, मद्रास-  
20 (डाकुमेंट सं० 2626/79)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख 8-5-1980।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1. डाक्टर रघुनाथ पानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री बीरलक यूनियन

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मई 1980

निदेश सं. 8756—अतः मुझे राधा बालकृष्णन

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम माधिमारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० 33, सीलताठेवन रोड है, जो कुरिचापाखम  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पांडिचेरी (डाकु-  
मेंट सं० 1681/79), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-33, सोलैतानठेवन रोड, रिचीपाखम  
(डाकुमेंट सं० 1681/79)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक 17-5-1980।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 मई 1980

निदेश सं० 8805—अतः मुझे, राधा बालकृष्णं,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 160, 161 और 162 है,  
जो नटेशन नगर पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उपानद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, ओलुकर (डाकुमेंट सं० 975/79) में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन सितम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० नयानमूरली और अदरस (अन्तरक)
2. पेठम लियोन मेरी रानजल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि प्लॉट सं० 160, 161 और 162 नटेशन नगर  
पांडिचेरी (डाकुमेंट सं० 975/79)।

राधा बालकृष्णं,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 21-5-1980।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री के० नयानभूषणी और अदरस (अन्तरक)
2. श्री तामनाठ मेरी आरगवम राठवरठ (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 मई 1980

निवेश सं० 8804—अतः मुझे, राधा बालकृष्णं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 111, 112 और 113, है, जो नटेशन नगर, पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलुखरै, (डाकुमेंट सं० 976/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा अन् 269-ग क संरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ को उपधारा (1) के अर्वात्, निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात्:— :  
18—126GI/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगन्मणी

प्लॉट सं० 111, 112 और 113, नटेशन नगर पांडिचेरी (डाकुमेंट सं० 976/79)।

राधा बालकृष्णं  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 21-5-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास  
 मद्रास, दिनांक 17 मई 1980

निर्देश सं० 8761—प्रन मुझे, राधा बालकृष्ण  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
 के अर्जित सत्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रूपए से अधिक है  
 और जिसकी सं० 82, है, जो राजा कालोनी ट्रिची में स्थित  
 है (और यदि इसमें उपावृद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिची (डाकुमेंट सं०  
 4660/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या अन्य प्राप्ति को,  
 जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पाट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री यगननारायण (अन्तरक)  
 2 श्री तनकवेल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रभन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अज्ञोहन्ताजरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

ब्यवहारीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
 अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण ---82, राजा कालोनी ट्रिची  
 (डाकुमेंट सं० 4660/79)।

राधा बालकृष्ण,  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 17-5-1980  
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 1980

निर्देश सं० 7569—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 147, काराप्याखम है, जो सेयनट योमस मीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सोछय (डाकुमेंट सं० 1639/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरको) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) (अधीन, के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सुन्दरम इन्डस्ट्रीज (अन्तरक)

2. श्री अय्यप्पन पोली इन्डस्ट्रीज (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संपादित होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्वस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-14, काराप्याखम ग्राम मद्रास-96।

(डाकुमेंट सं० 1639/79)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 17-5-1980।

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री भारत जनदलोक भूषण (अन्तरक)

2. श्री आर० एन० पोटुबल (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मई 1980

निदेश सं० 7561—अतः मुझे राधा बालकृष्णन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 28, फरसट अवनेयु, शास्त्री नगर है, जो  
मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सैदापेट, (डाकुमेंट सं० 2264/79) में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
सितम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण—28, फरसट अवनेयु शास्त्री नगर,  
मद्रास-20 ।

(डाकुमेंट सं० 2264/79) ।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-5-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 मई 1980

निर्देश सं० 7564—अतः मुझे राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11, कासिम साहिब स्ट्रीट रायपेट्टा, है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मापलापुर (डाकुमेंट सं० 1546/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति आयशा बी० (अन्तरक)

2. श्री कृष्णा रेड्डी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण-11, कासिम साहिब स्ट्रीट, रायपेट्टा, मद्रास।

(डाकुमेंट सं० 1546/79)।

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख 20-5-1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० ए०—

1. श्री जी० एन० बावामी और 14 अदरस (अन्तरक)

2. श्रीमति मीनाकशी कनकसुन्दरम (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 मई 1980

निदेश सं० 7602—अतः मुझे राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 39, है, जो सिगराचारी स्ट्रीट, मद्रास में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिपलिकेन (आकु-  
मेंट सं० 761/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—39, सिगराचारी स्ट्रीट, मद्रास  
(कुडा मेंट सं० 761/79) ।

राधा लालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 20-5-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 मई 1980

निदेश सं० 7625—अतः मूझे राधा बालकृष्णन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
दुकान जो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट 2, असर ग्राम है, जो मद्रास में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सैदापेट (डाकुमेंट सं०  
2409/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निम्न घनरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
जसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और घनरितो  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घनरण लिखित में  
वास्तविक आ न कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाधन, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य घास्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए  
वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० जयचंद्र रेड्डी के० कट्टी रेड्डी (अन्तरक)
2. श्री एम० विजयलक्ष्मी (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 80 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट सं० 2, असर ग्राम  
(डाकुमेंट सं० 2409/79)

राधा बालाकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, II मद्रास

तारीख : 21-5-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निदेश सं० ए० पी० 2107—अतः मुझे बी० एस०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
मण्डी बेरीवाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित  
उद्देश्य व उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से तथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत:—

1. श्री राम परशोत्तम पुत्र नानक चन्द पुत्र गोविन्दराम  
द्वागा श्री चन्द्र मोहंता, ममता, कविता वामी बेरीवाला तह-  
सील कोटकपूरा (अन्तरक)

2. श्री गुरनाम सिंह, मेहर सिंह, गुरचरन सिंह सुपुत्र  
गुरदित सिंह पुत्र चनन सिंह दुकान न० 343 मण्डी बेरी  
वाला तहसील मुक्तसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में दिया है (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में, रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2033 दिनांक मुक्तसर 1979  
अक्टूबर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा  
है।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2108—अतः मुझे बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है है तथा जो मकान नई आबादी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

19—126GI/80

1. श्री शरमजीर हरा गुप्ता घगीडा राम जोहरा वार्मा मानसा मण्डी (अन्तरक)

2. (1) मामटर बलजीत सिंह पुत्र श्रीर सिंह, गवर्नमेंट हाई स्कूल लड़कियों का मानसा (2) श्रीमति अमृत प्रकाश मानसा (2) श्रीमति अमृत प्रकाश कौर पत्नी बलजीत सिंह गवर्नमेंट हाई स्कूल लड़कियों के लिए मानसा (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि बिलेख नं० 3269 दिनांक दिसम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख: 21-4-1979।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अप्रैल 1980

निदेश सं० ए० पी० 2109—अत. मुझे बी० एम०

दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोपालपुर, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या हिा जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

1. श्री सूर्य महाजन पुत्र हंग राज महाजन, 10, शक्ति नगर, जालन्धर। (अन्तरक)

2. मैसर्स हंस फोरड स्पोर्टिंग गुड्स प्राइवेट लिमिटेड, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में दिया है (वह व्यक्ति जिसका अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबन्धित नोट:—इसमें प्रस्तुत शर्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 5505 दिनांक अक्टूबर, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

बी० एम० दहिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 25-4-1980

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अप्रैल 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2110—अतः मुझे, बी० एम०

दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोपालपुर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरग के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग लिखित में वास्तविक रूप में रुकित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरग से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सरोज महाजन पत्नी चन्द्र महाजन 19—21 शक्तिनगर जालन्धर । (अन्तरक)

2. मैसर्स हंस कोरेड स्पोर्टिंग गुड्स प्राईवेट लिमिटेड टी०जी० रोड, जालन्धर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अन्वय में दिया गया है ।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 5506 दिनांक अक्टूबर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

बी० एम० दहिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 25-4-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 मई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2111—अनः मुझे बी०  
एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
बस्ती मशीन, जीरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित आस्तियों, अर्थों :—

1. श्री रजिन्द्र कुमार पुत्र मुकुन्द लाल पुत्र करता राम,  
मन्तोप राती पुत्र तुलसी राम द्वारा रविन्द्र भूषण पुत्र चन्द्र  
प्रकाश मुखन्धार ए.आफ जीरा अमरजीत कौर पुत्री मतनाम  
मिह वासी जीरा—राजा राम पुत्र किरपा राम वासी मोगा,  
हरबन्ध कौर पत्नी हरचरन मिह वासी तलबन्डी नपाला  
तहसील जीरा (अन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार, अलोक कुमार, विजय कुमार पुत्र  
हंस राज पुत्र चुनी लाल, हंस राज पुत्र चुनी लाल पुत्र  
बहादुर मल वासी फिरोजपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके, अधि-  
भाग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 3151, सितम्बर 1979 को रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी जीरा में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

दिनांक : 1-5-1980

गोदर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मई 1980

निर्देश सं० 2112—अत. मुखे, बी० एम० दहिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव लसाड़ा  
तहसील फिल्लोर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय फिल्लोर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अपात् :-

1 श्री गुरबखण सिंह पुत्र श्री मुन्दर सिंह गांव लसाड़ा,  
तहसील फिल्लोर। (अन्तरक)

2 श्री मनपाल हरबन्स लाल रजिन्द्र कुमार मुपुत्र  
मोहन लाल वासी नंगल तहसील फिल्लोर द्वारा गरीब दाम  
पुत्र महगा राम गांव अटा, तहसील फिल्लोर। (अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति,  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2534 सितम्बर 1979 को रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी फिल्लोर ने लिखा है।

बी० एम० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 6-5-1980

मोटर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मई 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2113—अतः मुझे बी० एम० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव लमाड़ा तहसील फिलौर में स्थित है (और इससे उपा-वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिों पर कार्य :—

1. श्री गुरबखण सिंह पुत्र मुन्दर सिंह गांव लमाड़ा तहसील फिलौर। (अन्तरक)

2. श्री सत पाल, हरबन्स लाल, रजिन्द्र कुमार सपुत्र मोहन लाल वासी नंगल तहसील फिलौर द्वारा श्रीमति रूकमन। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जसा कि विलेख नं० 2673 मितम्बर को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिलौर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-5-1980

मोहर

प्रमाण आहूति. सी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2114--अतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव भगाना तहसील फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री पागा पिता पुत्र दीवान नर पागा श्रीमणि मुरजान कीरपानि आगा मिह वासी फगवाड़ा। (अन्तरक)

2. श्री कन्धारा सिंह, प्यारा सिंह, मलक सिंह सपुन खड़क मिह गांव भगाना। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1020 सितम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-5-1980

मोहर:

प्रत्यक्ष आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मई 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2115—अतः मुझे बी० एम०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव  
नारग-शाहपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर 1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जोगि सिंह, जोगिन्दर सिंह सुपुत्र उधम सिंह  
वासी नारगशाहपुर, पोस्ट आफिस हद्दिबाद फगवाड़ा  
(अन्तरक)

2. श्री जगवार सिंह पुत्र शामसिंह गांव नारगशाह  
पुर पोस्ट आफिस हद्दिबाद फगवाड़ा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-  
भोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अग्रोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1233, सितम्बर 1979 को रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

बी० एम० दहिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-5-1980

मोहर:

प्ररूप आर्. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मई 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2116—अतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गली किशोरी लाल मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

20—126GI/80

1. श्री दर्शन सिंह पुत्र नाजर सिंह वासी रुड़िया तहसील मुक्तसर (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति उषा रानी पत्नी रमेश कुमार (2) नीलम रानी पत्नी विजय मोहन मार्फत मैसर्ज दीप चन्द विजय मोहन, राम बाजार मुक्तसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2356, दिसम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-5-1980।  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायुक्त आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 217—अतः मुझे बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सुनहरी रोड होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिबकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1979। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मदन मोहन पुत्र रामनाथ कोठी नं० 3063 सैक्टर-27 चण्डीगढ़/सुनहरी रोड होशियारपुर (अन्तरक)
2. श्री फकीर चन्द पुत्र बन्ता राम मकान नं० बी-III 150/4 सुनहरी रोड होशियारपुर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है 'वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2799, दिनांक सितम्बर, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिबकारी होशियारपुर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज जालन्धर

तारीख : 6-5-1980।

मोहर :

## प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मई 1980

निदेश सं० ए० पी० 2118—अतः मुझे, बी० एस०

दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गली गोजल जीरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मिलखी राम पुत्र राजा राम, पूरन चन्द वासी 262 फिरोजपुर रोड लुधियाना मार्फत रविन्द्र कुमार पुत्र बाल किशन पुत्र मिलखी राम। (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार, अशवनी कुमार, रमेश चन्द्र सुपुत्र राज कुमार जीरा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 3945 सितम्बर, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-5-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निवे सं० ए० पी० नं० 2119—अतः मुझे बी० एस०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
जवाहर बाजार शाहकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री साधु सिंह पुत्र करतार सिंह गांव वाली चरमरी  
तहसील तकोदर (अन्तरक)
2. श्री बलदेव सिंह गुरमेज सिंह सुखविन्द सिंह मुपुत्र  
दिलीप सिंह पुत्र झण्डा सिंह गांव बड़वान वाल तहसील  
नकोदर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1178 दिनांकसितम्बर 1979 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट में लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रज जालन्धर

तारीख : 8-5-1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 मई 1980

निर्देश सं० ए० सी० नं० 2120—अतः मुझे, बी०  
एस० दहिय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा  
जो गांव लडाना ब्लाक तहसील नवांशहर में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रतन सिंह पुत्र माया सिंह वासी गोन लडाना  
ब्लाक तहसील नवांशहर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री प्रेम सिंह पुत्र माया सिंह (2) अवतार सिंह  
बहादुर सिंह सुपुत्र गुरदेव सिंह (3) बिशना पुत्र  
प्रेम सिंह वासी गांव लडाना ब्लाक तहसील नवांशहर।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही  
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जैसा कि बिलेख नं० 3210 सितम्बर 1979 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर ने लिखा है।

बी० एस० दहिय्या,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9 मई 1980  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई 1980

सं० ए० पी० नं० 2121:—यतः, मुझे, जे० एस० अहलवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो महल्ला मैहना, भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री हरबन्स सिंह पुत्र महों सिंह पुत्र भाग सिंह, वासी भटिण्डा ।

(अन्तरक)

2. श्री ब्रिशन दास पुत्र दयाल दास पुत्र भाना राम, 2239, मैहना महल्ला, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 3328 दिनांक अक्टूबर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा में लिखा है ।

जे० एस० अहलवालिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-5-80  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई 1980

सं० ए० पी० नं० 2122:—अतः, मुझे, जे० एस०

अहलुवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोठी नं० 80-आर०, माडल टाउन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधा किशन पुत्र छज्जू राम, वासी 80-आर, माडल टाउन, जालन्धर (मर चुका है।)

(अन्तरक)

2. श्रीमती बलवीर कौर पत्नी गुरमेल सिंह, 80-आर, माडल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 4467, सितम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

जे० एस० अहलुवालिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-5-80

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर दिनांक 14 मई, 1980

सं० ए० पी० नं० 2123:—यतः मुझे जे० एस० अहलुवालिया

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो कोठी नं० 80 आर० माडल टाऊन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डित प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाभेद अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1 श्री राधा किशन पुत्र छजू राम वामी 80 और माडल टाऊन जालन्धर (मर चुका है) ।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती गुरुमेज कौर पत्नी महिन्द्र सिंह वामी 80-आर माडल टाऊन जालन्धर ।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रशुति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रशुति, जो भी प्रशुति बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि बिलेख न. 4438 सितम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एस० अहलुवालिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 14-5-80  
मोहर :

प्रारूप आर्वाइ ० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई 1980

सं० ए० पी० नं० 2124—यतः मुझे जे० एस०

आहलुवालिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गकान नं० 151 (बी०-XI-45 बस्ती दानिश मन्दा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

21—126GI/80

1. श्री राम जिह पुत्र नरैन सिंह वासी डब्ल्यू एन 151 बस्ती दानिशमन्दा जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बलबीर कौर पत्नी राम सिंह वासी डब्ल्यू एन० 151, बस्ती दानिशमन्दा जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि बिलेख नं० 5054 सितम्बर 1979 को रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एस० आहलुवालिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24-5-80

मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई, 1980

एस० ए० पी० नं० 2125:—यतः मुझे जे० एस०

आहलुवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो सनी साईड कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भारटुड सिंह पुत्र करमजीत सिंह खुद अमरती अरुना सिंह भाई सनी साईड दी माल कपूरथला (अन्तरक)
2. श्री सतीश कुमार, सुनील कुमार सुपुत्र हसन लाल सामने डी० सी० बंगला जालन्धर रोड कपूरथला (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

व्याख्या :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1904, सितम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

जे० एस० आहलुवालीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 14 मई 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2126—यतः मुझे, जे० एस०  
आहलुवालिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
न्यू गैरन मारकीट जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,  
1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती सरस्वती देवी विधवा परमानन्द डी० क्यू-  
36 पक्का बाग जालन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमती चान्द रानी पत्नी किशोरी लाल 104 न्यू  
गैरन मारकीट जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख सं० 4477 सितम्बर 1979 का रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एस० आहलुवालिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 14-5-80  
मोहर:

प्रकृष आर्डी० टी० एफ० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2127—यतः मुझे, जे० एस० आहलुवालिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सर-कुलर रोड नई बालसीकी गेट जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1979, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्री बृज मोहन पुत्र राम चन्द, न्यू लक्ष्मी पुरा प्लॉट नं० 1 जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रामा रानी पत्नी हरवन्स लाल पम्मी एन० के० 422/423 जटपुरा जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 4937 सितम्बर 79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जे० एस० आहलुवालिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-5-80  
मोहर :

प्राख्य आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय

दिनांक 16 मई, 1980

सं० ए० पी० नं० 2128:—यतः मुझे जे० एस.

आहलूवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिनकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फ्लैट नं० 14 इण्ड एरिया फगवाड़ा में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमर सिंह पुत्र रामधन वासी जी० टी० रोड फगवाड़ा

(अन्तरक)

2. श्री मैसर्स श्री गणेश रईस बास और जनरल मिल फ्लैट नं० 14 इण्ड० एरिया फगवाड़ा ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 ; है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, उपजनके बारे में अधोहस्ताक्षरी (जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिका करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वहस्ताक्षर :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जैसा कि बिलेख नं० 1159 दिनांक सितम्बर, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है ।

जे० एस० आहलूवालिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय

दिनांक 16 मई, 1980

सं० ए० पी० नं० 2129:—यतः मुझे जे० एस०  
ग्राहलूवालिया,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है  
और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो  
फ्लैट नं० 14 इण्ड० एरिया फगवाड़ा में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्री  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर  
1979  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

1. श्री अमर सिंह पुत्र रामधन वासी जी० रोड रोड  
फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स श्री गणीश रईस बाल और जनरल मिल प्लेट  
नं० 14 इण्ड० एरिया फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मिलित  
मैं हूँ)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि बिलेख नं० 1470 दिनांक नवम्बर 1979  
को रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, जालन्धर

तारीख 16-5-1980  
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, 15 मई 1980

सं० एस० एन० जी०/51 ए०/कैम्प/79-80:—अतः  
मुझे, सुखदेव चन्द,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल सं 2 बिगे 13 बिस्वे 3 बिस्वासी  
है तथा जो कम्बो माजरा खुरद तहसील संगरूर में स्थित  
है (जिससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9/79,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुधा सिंह पुत्र श्री खुशल सिंह निवासी कम्बो  
माजरा खुरद जिला संगरूर।

(अन्तरक)

2. श्री भजन सिंह पुत्र श्री हरी सिंह निवासी गांव  
कम्बो माजरा खुरद जिला संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
गमाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोतस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 बिगे 13 बिस्वे 3 बिस्वासी जो  
गांव कम्बो माजरा खुरद, संगरूर में स्थित है। (जायदाद  
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगरूर के कार्यालय के  
बिलेख संख्या नं० 1720 सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुख देव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 8-5-1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई, 1980

सं० एल० डी० एच०/362/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० हिंसा ईमारत नं० बी-XIX909-2 है तथा जो टैगोर नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चगुण प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, तत्काल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जय दीप सिंह (मार्डिनर) पुत्र श्री गतरूपमन सिंह द्वारा बरजिंदर एस० डी० सिंह माता व गाडियन निवासी 73 सैक्टर 9-डी० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रतजोध कौर पत्नी श्री अबचल सिंह निवासी किसान बिल्डिंग, राजपुरा रोड लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिंसा ईमारत नं० बी-XIX2-909/2, क्षेत्रफल 202 वर्ग गज, टैगोर नगर लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2929 सितम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-5-1980  
मोहर:

इस आर्डर नं० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
द्वारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई, 1980

सं० पी०टी०ए०/423/79-80/कम्प्लैन्ट—यन: मुख्देव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 318/3, है तथा जो फील  
खन्ना रोड, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1979  
को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में इसमें  
पाठकन के नियम लागू की गई है और मुख्देव चन्द विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
वर्णमान प्रतिफल में, इस वर्णमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती)  
के बीच ऐसे अन्तरण को संश्लेषित या गणना प्रतिकूल, निम्नलिखित  
नहेय से उक्त अन्तरण लिखित व आत्मनिक रूप से उचित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी या सभी उक्त अधि-  
नियम के अधीन उक्त अधिनियम के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में प्रवृत्ति के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आयों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या आयकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन गण-  
ना प्रतीति द्वारा गणना किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, और रजिस्ट्रेशन के लिए;

यन: मुख्देव चन्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अधिनियम में  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
22-126 GI/80

1. ईशर सिंह पुत्र श्री सरनाम सिंह द्वारा जनरल  
अटारनी श्री रंजीत सिंह पुत्र श्री ईशर सिंह निवासी  
गुरु नानक गली, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री माधू सिंह पुत्र श्री कहाला सिंह निवासी चान्दनी  
चौक ब्रेहारा रोड, पटियाला और श्री जसवन्त सिंह  
पुत्र श्री माधू सिंह निवासी लोयर माल रोड,  
पटियाला।

(अन्तरिती)

3. श्री सुरजीत सिंह मिस्त्री पुत्र श्री किरपाल सिंह  
निवासी 270/3, चान्दनी चौक, पटियाला या मकान  
नं० 318/3, फल खन्ना रोड, पटियाला।

श्रीमती केसर कौर, पत्नी श्री ईशर सिंह, गुरु नानक  
गली, पटियाला।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

यह सूचना आयकर अधिनियम की धारा 269-ख के अधीन जारी की जा रही है।

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
का प्रभाव 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में सम्पन्न होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

अन्वयिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

प्रमुखी

मकान नं० 318/3, जो फील खन्ना रोड, पटियाला  
में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी)  
पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3270, सितम्बर  
1979 में दर्ज है।

मुख्देव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-5-1980

मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/233/79-80—अतः मुझे, मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1345 है तथा जो सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर के अन्तरक के आयिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु या अन्य धारिता को जिसे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अधिनियम अधिनियम, 1957 (1957 का 11) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, अन्तरण में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सक्कै० ली० अशोक कुमार सेतीया पुत्र सं० बलराज कृष्ण सेतीया निवासी 36/35, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री साधू सिंह पुत्र श्री नरोत्ता सिंह गांव घडाकखाना घडुआं, तहसील खरड़ जिला रोपड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के पन्द्रह महीने में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समव्यवधी व्यक्तियों पर उत्पन्न की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अवधि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोदस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इस पत्र में शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1345 सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विश्लेष संख्या 1362, सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई, 1980

मोहर :

दिनांक : 15 मई 1980  
मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/221/79-80—यतः मुझे, सुखदेव  
चन्व

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1145 है तथा जो सैक्टर 34-सी,  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उसके दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सावित्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) कैप्टन द्वारका नाथ ग्रानन्द पुत्र श्री हीरा नंद ग्रानन्द  
निवासी बी-72-ए शक्करपुर एक्सटेंशन, दिल्ली-51  
(अन्तरक)

(2) श्री हाजारा सिंह पुत्र श्री छोटा सिंह, निवासी  
1145, सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1145, सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़  
के कार्यालय के फ़ाइल संख्या 1269, सितम्बर 1979  
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्व

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० डेरा बसी/64/79-80—यत, मुझे, सुखदेव चन्व

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 70 बीघे है तथा जो गांव बरताना तहसील डेरा बसी, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसका दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्तर्गत रजिस्ट्रेशन से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अपारिती (अन्तरणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय को वास्तविक अन्तर अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के अन्तरण में कमरे करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जायद की वस्तु या अन्य जायदों का अन्तरण अधिनियम, 1922 1922 का (1) के अधिनियम या अन्तरण अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरणियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाग चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम का धारा 269-ब के अन्तरण में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सरदार सिंह उर्फ सरदारा सिंह, अर्जुन सिंह, बाबू सिंह, लाभ सिंह उर्फ भाग सिंह पुत्र श्री मुनशा सिंह निवासी बरताना तहसील डेरा बसी जिला पटियाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरचरण सिंह, सेवा सिंह पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह व श्री हरचरण सिंह पुत्र श्री अरुण सिंह निवासी मनी माजरा यू० टी०, षण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए कार्यवाहियाँ करना ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के अन्तर्गत स्थावर सम्पत्ति के अन्तरण के लिए उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की जा सकती है;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अन्तरण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ता-अरी के पास लिखित में किये जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों में, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 70 बीघे जो गांव बरताना, सब तहसील डेरा बसी, जिला पटियाला ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बसी के कार्यालय के विलेख संख्या 810, अक्टूबर 1979 में वर्णित है) ।

सुखदेव चन्व

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना

दिनांक . 15 मई 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० नाभा/140/79-80—अतः मझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिस की सं० भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 5 मरले है तथा जो नाभा जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरक को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त परमाणु लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन 30 दिनों के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1927 (1927 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हंस राज, कुलवंत सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह निवासी नजदीक ग्रेन मार्केट भलेरकोटला रोड़ नाभा।

(अन्तरक)

(2) श्री बलैती राम पुत्र श्री राम जी दास श्री केवल कृष्ण पुत्र श्री बलैती राम निवासी बी० के० ओ०, नवीन बस्ती, नजदीक सिनेमा रोड़, नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धांधले :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम 6 अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 5 मरले, नाभा में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 1550 सितम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/234/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मकान नं० 1868 है तथा जो सैक्टर 22-बी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति:—

(1) श्री मोहन लाल पुत्र श्री शिवसरन दास निवासी 124/2 लोअर माल, शिमला।

(अन्तरक)

(2) श्री दलजीत कुमार खुल्लर पुत्र श्री हरवंस लाल खुल्लर निवासी मकान नं० 1868 सैक्टर 22-बी चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) श्री सैमसन बैकनार्ड

श्री नंद लाल

निवासी मकान नं० 1868 सैक्टर 22-बी चण्डीगढ़  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 1868 सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1372 सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

अध्यापक आइ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन

द्वारा

जायदाना, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० अमलोह/94/79-80—अतः मुझे, मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे इसके पश्चात् 'अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका मूल्य आशुवार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

और जिस की स० भूमि क्षेत्रफल 2 बीघे 12 बिस्वे है तथा जो गांव नसराली, तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1979 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के रजिस्ट्रीकरण के समय से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अंतरण को पढ़ें और ध्यान दें कि यह विवरण करने का कारण है कि प्रशासकीय सम्पत्ति का उचित आकार भूखण्ड, उसके वृक्षमान प्राप्ति के, (1) वृक्षमान प्रतिफल का पन्ना प्रविष्टि से प्रमाणित और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच से अन्तरण के लिए तय किया गया है कि निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवरण वास्तविक रूप में तय किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर 14 के अन्तरक के दायित्व में आने या उससे बचने के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 17) के अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1977 (1977 का 27) के अधिनियम अन्तरिणी द्वारा प्रकट किया गया है या जो निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण विवरण में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री हरचन्द सिंह पुत्र श्री ठाकुर सिंह, निवासी गांव नसराली, तहसील अमलोह।

(अन्तरक)

(2) श्री मेहर सिंह, प्रीतम सिंह, गिंदर सिंह, श्री राम सिंह, पुत्र श्री गुरदियाल सिंह, श्री शेर सिंह, श्री केहर सिंह पुत्र श्री अष्टर सिंह निवासी गांव रसलुरदा तहसील नसराली। मार्फत गुरु अंगद स्टील इंडस्ट्रीज, खेड़ा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के गजब में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, या जो अवधि बाद में प्रमाणित होगी, के भीतर प्रस्तुत करने के लिए कथित द्वारा

(ख) इस सूचना के गजब में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 बीघे 12 बिस्वे, गांव नसराली अमलोह।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1099 सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक, 15 मई 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/265/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट नं० 81 है तथा जो सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
23—126 GI/80

(1) कैप्टन हरनाम सिंह गोदके पुत्र श्री कृष्ण सिंह गोदके निवासी बी-1-53-1, राफदरगंज एनएलएच नई दिल्ली-16।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार सचदेव पुत्र श्री राज कुमार सचदेव मकान नं० 1175-सैक्टर 22-बी चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा:—

(क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इतना किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 81 सैक्टर 33 ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेय सख्या नं० 1645 अक्टूबर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/244/79-80—अतः मुझे सुतदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट नं० 2404 है तथा जो सैक्टर 35-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमो करने या उन्को बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रभा नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगजीत सिंह भल्ला पुत्र श्री एम० एस० भल्ला निवासी 170/3, जी० वी० डी० लाईनज दिल्ली कैंट द्वारा स्पेशल अटारनी श्री प्रेम सागर भाटिया पुत्र श्री बलबीर सिंह भाटिया निवासी 3592 सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) डा० बलबीर सिंह भाटिया पुत्र दीलत राम भाटिया निवासी मकान नं० 2404, सैक्टर 35-बी चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2404 सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के मिलेख संख्या नं० 1422 सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

मुख्यदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/353/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे, इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आयदाद नं० 38-एफ है तथा जो सराबा नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मारिन्दर सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी 40-एफ, सराबा नगर लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्री करतार सिंह अटालब पुत्र, श्री काबल सिंह निवासी बासंत विला, दिवान निहाल चन्द रोड सिविल लाईन लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

सहोदरग:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद नं० 38-एफ सराबा नगर लुधियाना

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2870 सितम्बर 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सक्षम प्राधिकारी

अर्जन रज लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर :

प्रत्येक आई. टी. एन. इसमें—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज, आयकरभवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/241/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2509 है तथा जो सैक्टर 35-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) की धारा 17 के अन्तर्गत सितम्बर 1979

को प्राप्त न होने के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए प्रचारित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रचारिणी (अन्तरिणियों) के बीच के अन्तर के लिये तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रचारण लिखित में आशुविह रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आसियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीनस्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) ग्रुप कैप्टन जी० जे० शाह पुत्र श्री देव जी० जे० शाह निवासी जे-87, मकत मालवीया नगर एक्सटेंशन नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्दर सिंह लैहल पुत्र श्री जीवा सिंह व श्रीमती दलजिन्दर कौर लैहल पत्नी श्री जोगिन्दर सिंह निवासी मकान नं० 2621, सैक्टर 22-सी चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी प्रार्थना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या हस्तसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किम व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के नाम लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें सूचना शर्तों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बचे होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2509 सैक्टर 35-सी चण्डीगढ़ ।

(आयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विवेक संख्या नं० 1415 सितम्बर 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
प्रार्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक: 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/215/79-80---प्रतः मुझे सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है और जिसकी सं०

प्लॉट नं० 3264 है तथा जो सैक्टर 35-डी,  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारण  
म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती रामप्यारी विधवा श्री बी० एल० आहुजा  
2. श्री कैलाश चन्द्र आहुजा, 3. श्री अशोक कुमार  
आहुजा पुत्र श्री बी० एल० आहुजा व श्रीमति  
कमलेश चावला पत्नी श्री एस० पी० चावला व  
श्री पी० के० आहुजा पुत्र श्री बी० एल० आहुजा  
आप खुद व जनरल आटारनी दूसरों की निवासी  
एस० सी० एफ० 101, मार्कीट, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

(2) श्री वलैयती राज पुत्र श्री हवेली राम व श्रीमती  
कृष्णा रानी पत्नी श्री वलैयती राज निवासी  
3328, सैक्टर 23-डी, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3264 क्षेत्र 253.5 वर्ग गज सैक्टर 35-डी,  
चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़  
के कार्यालय में विलेख संख्या नं० 1231, सितम्बर 1979 में  
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 मई 1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक: 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/232/79-80—अतः मुझे सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन अंशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 2317 है तथा जो  
सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तःप्रकरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमो  
करने या उससे बचन में सुविधा के लिए। और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जमजीत सिंह पुत्र श्री दरबारा सिंह निवासी  
गांव व डाकखाना बुर्दपुर जिला जालन्धर द्वारा  
स्पेशल अटारनी श्री जगतार सिंह निवासी  
मकान नं० 3371 सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरमिन्द्र पत्नी श्री जगतार सिंह निवासी  
उदयपुर साऊथ तरीपुरा द्वारा स्पेशल पावर  
आफ अटारनी श्री एम० एस० ब्रवाल पुत्र श्री  
सुर्जन सिंह निवासी मकान नं० 1054 सैक्टर  
27-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में संपन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 2317 सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़  
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1356, सितम्बर 1979 में  
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/380/79-80—अतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिस की सं० बी-XX/611/सी, है तथा जो गुरुदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य भास्तिगों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की प्रशाना (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अधीन:—

(1) श्री राजपाल पुत्र लभू राम निवासी गिरसन मिल फिरोजपुर रोड, लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्री चुन्नी लाल पुत्र श्री बाजा राम, जन्मा राम पुत्र श्री केशर राम गुल्लू राम पुत्र हरियाणा राम, गुरुमुख सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह, शिगारा राम पुत्र श्री मोती राम, गिरधारी लाल पुत्र श्री मलिक चन्द, पुरन चन्द पुत्र श्री खुशाल चन्द, जै लाल राम पुत्र श्री कृपा रान, मुल्तान राम पुत्र श्री लाल सिंह, खरैती राम पुत्र श्री सरदारी लाल, मुला राम पुत्र श्री कृपा राम सारे निवासी 101/1, जवाहर नगर लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**व्याख्याकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बी-XX/611/सी, गुरुदेव नगर, तरफ कारा वारा, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3042, सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० शिमला/52/79-80—अतः मुझे, मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्र 370.06 वर्ग गज है तथा जो नौरथ बैंक इस्टेट, सरकुलर रोड़, स्टेशन वार्ड, शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कंवर तारा सिंह, वकील, न्यू लैण्ड, शिमला (अब बामी मकान नं० 56 सेक्टर 10-ए, चण्डीगढ़) (अन्तरक)

(2) श्रीमती अरुणा ओबराय पत्नी श्री आर० पी० ओबराय, निवासी ग्राट लोज वेनमोर, शिमला-2 (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 370.06 वर्गगज जो नार्थ बैंक इस्टेट, सरकुलर, रोड़, शिमला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 103, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-5-1980

मोहर :

प्रमाण 14ई टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन चला

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/243/79-80—अन: मुझे, मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वास्तव मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मकान नं० 3089 है तथा जो सेक्टर 21-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वाह्न सम्पत्ति के उचित वास्तव मूल्य से रूप के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वास्तव मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए कर लगाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से इस अन्तरण लिखित में गस्तविह रूप से उचित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अन: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
24—126GI/80

(1) श्री जी० एस० सरवाना पुत्र श्री जे० आर० सरवाना निवासी 3089 सेक्टर 21-डी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)

(2) 1 श्री प्यारे लाल पुत्र श्री पुष्प राम  
2. श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी श्री प्यारे लाल द्वारा श्री हजाराम राम निवासी 1300, सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) श्री एस० के० सरिन निवासी 3089, सेक्टर 21-डी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति पर पाम के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर में सम्पत्ति में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना को जारी होने से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सघोषतापूर्वक पाम लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अधिनियम द्वारा दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3089, सेक्टर 21-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विनियम संख्या 1421, सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर:

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) तथा सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/240/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1351 है तथा जो सेक्टर  
34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
उम्भट्ट प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से हथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्विगुण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कैप्टन चमन लाल नागपाल पुत्र श्री कृष्ण लाल  
नागपाल निवासी 1013 सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़  
द्वारा जनरल पावर आफ आटोरनी श्रीमती  
कमलेश सिंगला पत्नी श्री सोहन लाल सिंगला  
निवासी 1148, सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री राम लाल पुत्र श्री चिरंजी लाल निवासी 1023,  
सेक्टर 38-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1351 क्षेत्रफल 338 वर्ग गज सेक्टर 34-सी,  
चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़  
के कार्यालय के विलेख संख्या 1402, सितम्बर 1979 में  
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/248/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1255 है तथा जो सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 79 को पूर्वोक्त प्रशासन के उचित आचार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परवर्द्ध प्राप्तिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डी० सी० मलिक पुत्र श्री साहिब राम मलिक आई० एन० एस० हिमगिरि मारफत एफ० एम० ओ० बम्बई-I द्वारा आटारनी श्री कामेश्वर प्रसाद नटयाल पुत्र श्री पी० डी० नटयाल निवासी मकान नं० 3054, सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला नटयाल पत्नी श्री कामेश्वर प्रसाद नटयाल निवासी 3054, सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

(3) श्री बी० एस० दाता निवासी 1255/33-सी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री सूरत सिंह, 2. श्रीमती इन्दिरा देवी पत्नी श्री सूरत सिंह रावत निवासी 3054, सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यद्मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काइ सी आशय:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या अन्तःवर्षी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण -- इन सूचना के अधीन और धारा 1 के अधिनियम के अन्तर्गत 20-क के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अधिनियम दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1255, सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1449, अक्टूबर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/247/79-80—यतः, मुख्ते, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2156 है तथा जो सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर 79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री निहाल सिंह चौधरी पुत्र चौधरी केहरी सिंह निवासी ए-4, रिंग रोड, नारायणा, नई दिल्ली द्वारा स्पेशल पावर आफ ग्राटारनी श्री मेहर चन्द भित्तल पुत्र श्री ठाकुर लाल, मकान नं० 158, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री देवराज वांसल पुत्र लाला श्रीराम निवासी मकान नं० 2156, सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2156, सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1448, अक्तूबर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/339-ए/79-80—अतः मुझे सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि व्यापार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० बी XX-653/2 क्षेत्रफल  
2000 वर्ग गज है तथा जो तरफ कारा बारा, तहसील लुधियाना  
पखोवाल रोड में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथार्थता सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान भत्तिकन का  
पक्षरूप प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविकता को दर्शित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का प्राप्ति, उक्त अधि-  
नियम के प्रयोग कर देने के अन्तरक के वाधित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रीमती शकुन्तला रानी ढाण्डा पत्नी श्री मंगल  
राम ढाण्डा श्रीमती प्रेम ढाण्डा पत्नी श्री बाल  
कृष्ण ढाण्डा निवासी बी XX-653/2, पखोवाल  
रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री जवाहर लाल जैन (जे० एन० जैन) पुत्र श्री  
हेम राज कर्ता (एच० यू० एफ०) 2. श्रीमती बनीता  
जैन पत्नी श्री जवाहर लाल जैन निवासी बी-XIX  
152-2, सेठ सोहन लाल जैन, महारानी मांसी  
रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रशोधनाक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० बी XX-653/2 क्षेत्रफल 2000 वर्ग गज तरफ  
कारा बारा पखोवाल रोड, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना  
के कार्यालय के विलेख संख्या 2794, सितम्बर 1979 में  
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० चण्डीगढ़/242/79-80—अतः सुभे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1658 है तथा जो सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

(1) श्री उजागर सिंह पुत्र श्री सरदारा सिंह 72/एच-ब्लाक, श्री गंगानगर (राजस्थान) ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष मित्तल पत्नी श्री प्रेम चन्द मित्तल मारफत मैसर्स देस राज अशोक, कलाथ मरचैण्ट मैन बाजार, टोहाना, जिला हिसार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त पदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1658, सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ ।

(जायबाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में विलेख संख्या 1417, सितम्बर 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

दिनांक 15 : मई 1980

मोहर :

प्ररूप आक्षे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/427/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल 480 वर्ग गज है तथा जो तरफ गेहलावाल नजदीक मेजर गुरदियाल सिंह रोड, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिनियमों) के अन्तर्गत अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मोती राम पुत्र श्री मामू मल पुत्र आत्मा राम मारफत अग्रवाल आयरन और स्टील कारपोरेशन ओवरलोक रोड, मिलरि गंज, लुधियाना द्वारा जैती प्रसाद गोयल पुत्र श्री शाम लाल गोयल निवासी 1835/3, रागो माजरा, पटियाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री अमोलक राम पुत्र श्री तिलक राम निवासी मकान नं० दी-10-373, राहीम तुल्ला रोड, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 480 वर्गगज जो तरफ गेहलावाल नजदीक गुरदियाल सिंह रोड, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के धिलेख संख्या 3379, अक्टूबर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० राजपुरा/116/79-80—अतः मुझे, मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 क्षेत्रफल 833-1/3 वर्ग गज है तथा जो टाऊनशिप नं० 2, राजपुरा टाऊनशिप में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिभारी के कार्यालय राजपुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उपरोक्त प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उसमें कटौती में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के व्यक्तिगत, अर्थात्—

(1) श्री हरमिन्दर सिंह पुत्र श्री अवतार सिंह स्पेशल अटोर्नी अतिथार सिंह पुत्र श्रीमती प्रकाश कौर पत्नी श्री अवतार सिंह निवासी ब्लाक 60, श्री गंगानगर (राजस्थान)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विपता देवी कौशल पत्नी श्री सोम नाथ कौशल पुत्र श्री रामजी दाम निवसी विशन नगर, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3 क्षेत्रफल 833-1/3 वर्ग गज, टाऊनशिप नं० 2, राजपुरा।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिभारी राजपुरा के कार्यालय के विलेख सं० 2181, सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 मई 1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/237/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 बीघा माथ में विलिङ्ग है तथा जो गांव  
पलसोरा, यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जोगेन्द्र सिंह किलों पुत्र श्री चंचल सिंह  
मकान नं० 659 सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़  
(अन्तरक)

(2) श्री लाभ सिंह पुत्र श्री निरजन सिंह निवासी  
गांव ब डांगखाना बडहैरी, यू० टी० चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

(3) श्री मेवा सिंह दोधी  
2. उजागर सिंह निवासी मकान नं० 11 गांव  
पलसोरा यू० टी० चण्डीगढ़।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

3 बीघा भूमि में मकान गांव पलसोरा, यू० टी०, चण्डीगढ़  
(जायदाद जैमा वि: रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़  
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1390, मितम्बर 1979  
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 20 मई 1980  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन०एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/246/79-80--अतः मुझे सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 548 तथा जो सैक्टर 33-बी  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 9/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रु० से अधिक नहीं लिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री स्वयंवरजीत सिंह पुत्र श्री अनूप सिंह निवासी  
1-46 कालका जी, नई दिल्ली द्वारा स्पेशल पावर  
आफ अटारनी श्री सुखदेव भाटवा गांव और  
उफ जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री मुख्तार राज धिण्ड पुत्र श्री रखा राम सी-  
156, दया नन्द मार्ग, जयपुर (राजस्थान)

(अन्तरिती)

(3) श्री गुरमेल सिंह भटवा कार्यकारी अभियन्ता, सी० पी०  
डिवीजन 548/33-बी, चण्डीगढ़।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 20 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 548 क्षेत्रफल 1014 वर्ग गज सैक्टर 33-बी  
चण्डीगढ़।

(ज्यादाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़  
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1443, सितम्बर 1979  
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रकाश आर्टिस्टो एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना दिनांक, 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़ /413/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1926 है तथा जो सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महंगा सिंह पुत्र श्री राम सिंह द्वारा अन्तरिती श्री जगदीप सिंह रुवावा पुत्र श्री हरसा सिंह निवासी 1395 सेक्टर 23-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री कश्मीर सिंह भून्तर पुत्र सरचेन सिंह सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट (जुडिशियल), फाजिल्का (पंजाब)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 12326 सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सख्या नं० 2150, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/217/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2851 है तथा जो 22-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरमरजीत सिंह पुत्र श्री सन्त सिंह गांव व डाकखाना मलोद, जिला लुधियाना।  
(अन्तरक)

(2) श्री काहन चन्द नैय्यर पुत्र श्री हुक्म चन्द निवास 2851 सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़।  
2. श्री रमेश चन्द्र निजावन पुत्र श्री मदन गोपाल निवासी 2760 सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

(3) श्री कुन्त लाल नारूल।  
श्री मदन लाल मेठी निवासी मकान नं० 2851, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2851 सैक्टर 22-सी चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1253, सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/220/79-80—प्रत. मुखे, मुखदेश  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1550 है तथा जो सैक्टर  
36-डी, चण्डीगढ़, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9/79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री के० के० कौन पुत्र श्री लेट पं० जे० एम०  
कौल द्वारा स्मरण प्रदरनी श्री वी० एस० गिल  
निवासी 1550/36-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरण)

(2) श्री कुन्दन सिंह पुत्र श्री उज्जगर सिंह निवासी  
गांव दादुपुर डाकखाना मजीठा अमृतसर अख  
1550 सैक्टर 36-डी, चण्डीगढ़।

अन्तरिती)

(3) श्रीमती मीरिया, विद्यार्थी श्री वी० एस० गिल  
और श्री गुरदियाल सिंह आफ बूक बाड टी  
कम्पनी सारे निवासी 1550 सैक्टर 36-डी०  
चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 1550 क्षेत्रफल 1014 वर्ग गज सैक्टर  
36-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़  
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1265, सितम्बर 1979 में  
दर्ज है)।

मुखदेश चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़ / 294/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एस० सी० ओ० 198 है तथा जो सेक्टर 7-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-ऑफ़रों के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-9-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1)) श्री मनोहर लाल पुत्र लोरीदा राम व श्री महिंद्र कुमार पुत्र श्री केशो राम निवासी 11, सेक्टर 15-ए, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल हाफिज मुहम्मद हनीफ, सैयद अहमद मुहम्मद अनीफ पुत्र श्री अब्दुल गफूल, एस० सी० ओ०, 198 सेक्टर 7, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स नावलटी बेकरी, एस० ओ० 198 सेक्टर 7-सी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० नं० 198 सेक्टर 7-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1710, नवम्बर 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 17 जून 1980

निदेश नं० ए० पी० नं० 2144---प्रतः मुझे बी० एस०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा  
जो सटा बाजार, रामपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
आमुखों में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय कूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
गर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

(1) श्री विनोद कुमार पुत्र हुक्म चन्द पुत्र तुलसी  
राम मारफत तुलसी राम हुक्म चन्द धिरयाना  
मरचण्ट कूल बाजार रामपुरा।

(अन्तरक)

(2) डा० श्रीमती कमलेण जिण्दल पत्नी डा० डी०  
बे० जिन्दल, जिन्दल कलिनिय सटा बाजार,  
रामपुरा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानत हो कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2-84 दिनांक  
सितम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कूल में लिखा  
है।

बी० एस० दहिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक : 17 जून 1980

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 31st May 1980

No. A.12019/1/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an ad-hoc basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 1-6-1980 to 31-8-1980, or until further orders, whichever is earlier :—

1. Smt. Sudha Bhargava.
2. Shri Chand Kiran.
3. Shri J. N. S. Tyagi.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

for Secy.

Union Public Service Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; A. R.)

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 4th June 1980

No. D-53/68-Ad.V.—Director, Central Bureau of Investigation is pleased to relieve Shri D. Bagchi, Dy. Supdt. of Police to join on deputation National Textile Corporation (M.P.) Ltd. in the post of Manager (Vigilance) with effect from the forenoon of 15-4-1980.

The 6th June 1980

No. B-46/65-Ad.V.—On attaining the age of superannuation, Shri B. R. Nana Rao, Dy. Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation has retired from service with effect from the afternoon of 30-4-1980.

No. M-52/65-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to relieve Shri M. M. Narendranath, Dy. Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation in the afternoon of 31-5-1980 to join on deputation Indian Tourism Development Corporation as Security Officer.

Q. L. GROVER  
Administrative Officer(E)

## DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 5th June 1980

No. D.J. 19/78-ESTT.—Consequent on their permanent absorption and confirmation in the rank of Dy. S.P./Coy. commander w.e.f. 25-9-1978 in the I.T.B.P., the following Dy. Ss P/Coy Commanders of CRPF (Presently on deputation with the ITBP) are accordingly struck off the strength of CRPF :—

1. Shri D. K. Sharma.
2. Shri N. Thangalyan.
3. Shri M. R. Kashyap.
4. Shri Ompal Singh.

The 6th June 1980

No. P.VII.2/76-ESTT.—Shri Mohan Dhalwani who was appointed to officiate as Section Officer on *ad-hoc* basis is reverted to the grade of Office Superintendent w.e.f. 30-10-79 (AN).

No. D.I.18/79-ESTT.—Consequent on his appointment as Dy. S.P. on deputation with Mizoram Government, the services of Shri Bhanwar Singh, Dy. S.P. of CRPF are placed at the disposal of Mizoram Government w.e.f. 9-5-1980 (FN).

No. O.II.1459/80-ESTT.—Shri Gian Chand Sharma was appointed to officiate as Section Officer on *ad-hoc* basis from 7-1-80 to 16-3-80 against leave vacancy. He will revert to the grade of office Superintendent w.e.f. 17-3-80 (FN), on Shri Gaj Singh's joining duty after expiry of leave.

K. R. K. PRASAD  
Assistant Director (Adm.)

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 14th May 1980

No. 11/29/78-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Mohar Singh, a Senior Technical Assistant (Statistics & pricing) in the Department of Agriculture and co-operations, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, in a temporary capacity, as a direct recruit, with effect from the forenoon of 25th April, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Singh will be at New Delhi.

No. 10/32/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri L. K. Prasad, Section Officer, in the Ministry of Home Affairs, as Assistant Director, in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer on deputation with effect from the forenoon of 1st January, 1980, until further orders.

2. His headquarters will be at New Delhi.

3. This issues in supersession of this office notification No. 10/32/79-Ad.I., dated 18-1-1980.

No. 10/41/79-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Dr. K. P. Ittaman, Research Officer in the Ministry of Social Welfare and at Present working as Senior Research Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, on deputation basis, as Officer on Special Duty (Scheduled Caste & Scheduled Tribe) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 25th April, 1980, until further orders.

2. The headquarter of Dr. Ittaman will be at New Delhi.

No. 10/4/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Satya Prakash, Console Operator in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Assistant Director (Programme) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis for a period of one year with effect from the forenoon of 22nd April, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarter of Shri Satya Prakash will be at New Delhi.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon Shri Satya Prakash any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director (Programme). The services rendered by him on *ad-hoc* basis will not be counted for the purpose of seniority in the grade *nor* for the eligibility for promotion to any next higher grade. The above-mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA.  
Registrar General, India

SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL  
POLICE ACADEMY

Hyderabad-500 252, the 4th June 1980

No. 15011/3/79-Estt.—On the recommendations of the U.P.S.C. Shri Abhijit Gangopadhyay, formerly Psychologist in the Vocational Rehabilitation Centre for Physically handicapped, (Ministry of Labour) is appointed as Reader in Behavioural Sciences (Group-B Gazetted) in the SVP National Police Academy Hyderabad in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 840-40-1000 FR-40-1200, and other allowances as admissible under the Central Government rules, w.e.f. 27-5-1980 F.N. and until further orders.

R. K. ROY,  
Director

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)  
SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 31d June 1980

No. PD-3/2475.—In continuation of this office Notification No. PD. 3/1071, dated 30-4-1980, the officiating period of Shri S. K. Anand Asstt. Works Manager is hereby extended upto 14-6-1980 against the leave vacancy of Shri Joy Peter, Asstt. Works Manager.

S. R. PATHAK  
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 2nd June 1980

No. Fst/A/VII/9-86/Vol.II/41.—The Accountant Central, Kerala is pleased to appoint the undermentioned Section Officers—(Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officers with effect from the dates shown against each until further orders :—

1. Shri V. K. Krishnan Nampoothiri (Proforma)—28-5-80 A.N.
2. Shri N. V. Ramakrishna Iyer—28-5-80 A.N.
3. Shri G. Lakshmanan—30-5-80.

N. P. HARAN  
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,  
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 30th May 1980

No. Admn.I/PF-VPD/79.—Consequent upon his permanent absorption in the services of National Thermal Power Corporation Ltd., as Deputy Finance Manager w.e.f. May 1, 1979, Shri V. P. Dawar a permanent Accounts Officer of this Office is retired from Government service w.e.f. 30-4-1979 Afternoon. The retirement benefit and other benefits will be admissible to him as per terms and conditions contained in the Statement received with CAG's letter No. 971-GE.II/114-79, dated 23-4-1980.

D. C. SAHOO  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE  
D.G.O.F. HEADQUARTERS CIVIL SERVICE  
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 3rd June 1980

No. 9/80/A/E-1(NG)/80.—The D.G.O.F. is pleased to accord ex-post-facto approval to the appointment of the undermentioned Superintendents (promoted from Assistants as Assistant Staff Officers (Group 'B' Gazetted in an officiating capacity on ad-hoc basis for the period shown against each:—

Sl. No.	Name	From	To
1.	Shri Samarendra Nath MITRA (since retired)	1-3-68	31-7-72
2.	Shri Biswanath CHATTERJEE (since retired)	1-3-68	30-4-69
3.	Shri Shambhu Nath SINHA (since retired)	1-3-68	5-10-69
4.	Shri Krishna Chandra BHATTACHARJEE (since retired)	1-3-68	9-1-75
5.	Shri Dharam Chand VERMA (since expired)	1-3-68	21-10-69

Sl. No.	Name	From	To
6.	Shri Dharendra Prasad SRIVASTAVA (since retired)	1-3-68	15-6-70
7.	Shri Ale Hasan (since retired/expired)	1-3-68	4-12-70
8.	Shri K.A.V. LINGHAM (since retired)	1-3-68	14-5-73
9.	Shri Manoranjan BHATTACHARJEE (since retired)	1-3-68	31-1-70
10.	Shri Govind Ch. BHATTACHARJEE (since retired)	1-3-68	27-5-77
11.	Shri Manmohan Lal NANDA (since expired)	1-3-68	9-1-75
12.	Shri Amulya K. GHOSH CHOWDHURY (since retired)	1-3-68	30-9-71
13.	Shri Rabindra Nath BOSE (since retired)	1-3-68	24-3-71
14.	Shri Prakash Ch. DUTTA (since retired)	1-3-68	22-11-68
15.	Shri Hara Pada CHOWDHURY (since retired)	1-3-68	29-4-75
16.	Shri Hari Bhusan GHOSH	1-3-68	30-1-72
17.	Shri Pafulla Nath SANYAL (since retired)	1-3-68	19-4-73
18.	Shri Tirtha Prasad BAGCHI (since retired)	1-3-68	6-2-72
19.	Shri Kanai Lal MUKHERJEE (since retired)	1-3-68	30-1-82
20.	Shri Hari Pada CHATTERJEE (since retired)	1-3-68	2-7-72
21.	Shri Mahindra Nath MOITRA (since retired)	1-3-68	9-5-70
22.	Shri Silananda BRAHMACHARI (since retired)	1-3-68	31-12-74
23.	Shri Pulin Behari GHOSH (since retired)	1-3-68	4-10-72
24.	Shri Satyadrata NAG (since retired)	1-3-68	27-5-77
25.	Shri Gopal Ch. DASGUPTA (since retired)	1-3-68	19-4-73
26.	Shri Timir Ranjan DUTTA (since retired)	1-3-68	6-5-73
27.	Shri Amiya Ranjan BOSE	1-3-68	27-5-77
28.	Shri Nirmal Chandra SENGUPTA (since retired)	1-3-68	4-11-73
29.	Shri Bhupati Bhusan BISWAS	1-3-68	5-12-73
30.	Shri Santi Kumar BANERJEE (since retired)	1-3-68	27-5-77
31.	Shri Rajeswar MITRA (since retired)	1-3-68	31-12-74
32.	Shri Kshirode Lal SENGUPTA (since retired)	1-3-68	30-4-77
33.	Shri Amarendra Nath CHOWDHURY (since retired)	1-1-68	27-5-77
34.	Shri Pravash Kumar MUKHERJEE (since retired)	1-3-68	30-6-74
35.	Shri Krishna Lal DEBNATH (since retired)	1-3-68	27-5-77
36.	Shri Suresh Ch. BANERJEE (since retired)	1-3-68	31-8-70
37.	Shri Kali Pada MUKHERJEE (since expired)	1-3-68	2-5-77
38.	Shri S. SIVASANKARAN (since retired)	1-3-68	31-1-76
39.	Shri Narayan Das CHAUDHURY (since retired)	1-3-68	27-5-77

Sl. No.	Name	From	To	Sl. No.	Name	From	To
40.	Shri Subodh Ch. CHAUDHURY (since retired)	1-3-68	31-12-73	78.	Shri Sabitansu Prakash GOSWAMI	13-12-73	27-5-77
41.	Shri Guru Prasad MAZUMDAR (since retired)	1-3-68	30-11-75	79.	Shri Parimal Ch. BOSE (since retired)	13-12-73	31-8-75
42.	Shri Sunil Kumar DUTTA (since retired)	1-3-68	30-11-74	80.	Shri Shiv Chandra SARKAR (since retired)	14-12-73	27-5-77
43.	Shri Bhabani Prasad DUTTA (since retired)	1-3-68	31-1-73	81.	Shri Benoy Bhushan CHOWDHURY	11-1-74	27-5-77
44.	Shri Nalini Mohan CHATTERJEE	1-3-68	27-5-77	82.	Shri Dillip Kumar MITRA (II)	14-12-73	27-5-77
45.	Shri Subodh Kumar MITRA (since retired)	1-3-68	31-10-73	83.	Shri Pramode Chandra ROY (since retired)	14-12-73	27-5-77
46.	Shri Sudhir Ch. BOSE (since retired)	1-3-68	31-7-68	84.	Shri Barindra Nath GHOSH	14-12-73	27-5-77
47.	Shri Patit Paban JANA (since retired)	1-3-68	31-12-74	85.	Shri Dharendra Nath SAHA	14-12-73	27-5-77
48.	Shri Bipulendra Nath MITRA (since retired)	1-3-68	27-5-77	86.	Shri Raman Ranjan NAG (since retired/expired)	14-12-73	31-1-77
49.	Shri Byomkesh MANIK	1-3-68	27-5-72	87.	Shri Adhir Kumar BOSE (since expired)	14-12-73	14-10-75
50.	Smt. Atreyee MAJUMDAR (since retired)	1-3-68	26-12-74	88.	Shri Ajit Kumar DEB (since retired)	14-12-73	31-10-75
51.	Shri Jiban Krishna BANERJEE (since retired)	14-8-68	31-1-74	89.	Shri Krishan MOHAN (since retired)	1-1-74	27-5-77
52.	Shri Bibhuti Lal BANERJEE (since retired)	14-8-68	31-7-69	90.	Shri Jogesh Ch. ROY (since retired)	11-1-74	30-9-75
53.	Shri Narendra Mohan GANGULI	14-8-68	31-12-73	91.	Shri Jogesh Ch. SEN (since retired)	11-1-74	27-5-77
54.	Shri Raghunath DAS GUPTA	14-8-68	27-5-77	92.	Shri Manoranjan ROY (since retired)	11-1-74	31-8-74
55.	Shri Shital Ch. Majumdar (since retired)	14-8-68	31-7-73	93.	Smt. Ranu RAJAGOPALAN (since retired)	11-4-74	27-5-77
56.	Shri Anileswar MUKHERJEE (since retired)	11-11-68	31-12-73	94.	Shri Sushil Ch. ROY	28-2-74	27-5-77
57.	Shri Mahima Ranjan GHOSAL (since retired)	10-12-68	31-12-76	95.	Shri H.B. SEN SHARMA (since retired)	20-8-74	27-5-77
58.	Shri V. Venkiteswaran (since retired/expired)	10-12-68	30-11-74	96.	Smt. Banalata MAJUMDAR (since retired)	20-8-74	27-5-77
59.	Shri V. KAILASAN	6-10-69	27-5-77	97.	Shri Tulsi Charan DAS (since retired)	20-8-74	27-5-77
60.	Shri Parbati K. GOSWAMI	6-10-69	27-5-77	98.	Shri Sushil Kumar DAS	9-9-74	27-5-77
61.	Shri Ananda Mohan GHOSH (since retired)	6-10-69	29-2-76	99.	Shri Sunil Kumar SENGUPTA	20-9-74	27-5-77
62.	Shri Hamtosh Kumar NATH (since retired)	6-10-69	31-7-75	100.	Shri Kalidas GUHA (since retired)	10-10-74	27-5-77
63.	Shri Animesh DAS GUPTA (since retired)	2-12-69	27-5-77	101.	Shri Narayan GANGOPADHYAY	7-8-74 2-12-74	27-10-74 27-5-77
64.	Shri Nirmal Ch. DAS	15-12-69	27-5-77	102.	Smt. Jyotsna SEN (since retired)	2-12-74	27-5-77
65.	Shri Radha Raman CHATTERJEE	25-6-70	30-9-70	103.	Shri Balaram PAI	2-1-75	27-5-77
66.	Shri Prasanta Kumar MALLICK	18-8-70	27-5-77	104.	Shri Sudhir Ch. DAS (since retired)	2-1-75	27-5-77
67.	Shri Sadhana Behari SARKAR (since expired)	25-9-70	12-8-74	105.	Shri Rabindra Nath HAZRA (since retired)	2-1-75	31-8-76
68.	Shri Mohini Mohan KAR (since retired)	30-9-70	30-11-70	106.	Shri Priya Gopal GOSWAMI	29-5-75	27-5-77
69.	Shri Ranjit Kumar DAS	14-12-70	27-5-77	107.	Shri Amiya Kumar BASU	29-5-75	27-5-77
70.	Shri Probhat Ch. NATH (since retired)	1-4-71	30-6-76	108.	Shri S.N. BISWAS	13-6-75	26-1-76
71.	Shri Ganesh Lal GANGULI (since retired)	1-4-71	31-7-73	109.	Shri Amal Kumar SAHA	13-6-75	26-1-76
72.	Shri Bibhuti Bhushan CHOWDHURY	13-12-73	27-5-77	110.	Shri Sisir Kumar CHAKRAVORTY	1-9-75	27-5-77
73.	Shri Kalika Prasad SUKUL	13-12-73	27-5-77	111.	Shri Biswa Ranjan GUPTA	13-6-75 2-8-75	31-7-75 27-5-77
74.	Shri Santosh Kumar SEN (since retired)	13-12-73	27-5-77	112.	Shri Lakshmi Nrayan SAMANTA	5-7-75 4-11-75	29-9-75 27-5-77
75.	Shri Manik Lal GANGULI (since retired)	13-12-73	27-5-77	113.	Shri Sudhir Kumar Dutta (since retired)	5-7-75	27-5-77
76.	Shri Ram Narayan Pd. DEO	13-12-73	27-5-77	114.	Shri Dalip SEN	4-11-75	27-5-77
77.	Shri Nirmalaya Bhushan CHAKRABORTY	13-12-73	27-5-77				

2. Financial effect arising out of the above appointments will be admissible from 1-1-1973 in terms of Ministry of Defence letter No. PC II. 9 (30)/68/IV/D (Fy) dated 27-9-75 as amended vide their letter No. PC. II. 9 (30)/68/IV/D (Fy) dated 16-12-75.

3. This Directorate General Gazette Notifications No. 13/76/G dated 13-2-1976 as amended vide Gazette Notification No. 51/76/G dated 19-7-76, 15/76/G dated 13-2-1976, 27/76/G dated 17-4-1976, 48/76/G dated 14-7-76 and 49/76/G

dated 14-7-76 may be deemed to have been modified accordingly.

**D. P. CHAKRAVARTI**  
Asstt. Director General, Ordnance Factories

**MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES**  
(DEPARTMENT OF COMMERCE)  
**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS**

New Delhi, the 31st May 1980  
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1332/80-Admn(G)/3444.—The President is pleased to appoint Shri K. Prakash Anand, formerly Joint Secretary in the Ministry of Commerce and Civil Supplies (Department of Commerce), New Delhi as Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the forenoon of the 12th May, 1980 until further orders.

**MANI NARAYANSWAMI**  
Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 4th June 1980

No. 6/1247/78-Admn(G)/3433.—On attaining the age of superannuation Shri D. P. Borkar, officiating Controller Class-II, relinquished charge of the said post in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of 30th April, 1980.

**P. C. BHATNAGAR**  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
For Chief Controller of Imports & Exports

**DEPARTMENT OF TEXTILES**  
**OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSION**  
Bombay-20, the 5th June 1980

No. 18(1)/77-CLB, II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerloom) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)/67-CLB, IIB, dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification, against serial No. 9 the existing entries shall be substituted by the following entries namely :—

[Additional Director of Industries and Commerce and ex-officio Additional Registrar of Industrial Co-operatives, Bangalore	6, 6C, 7A, KARNATAKA 8 and 8A
--	-------------------------------

No. CLB I/1/6-G/80 —In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB I/1/6-G/71, dated the 13th January 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification against S. No 9 for the existing entries the following shall be substituted namely :—

(i) The Additional Director of Industries and Commerce and Ex. Officio Additional Registrar of Industrial Co-operatives, Bangalore	12(6), 12(6A), 12(7A), 12(7AA), 12(C) & 12E
(ii) Director of food and Civil Supplies in Karnataka, Bangalore	-Do- 12(7A) & 12(7AA)

**M. W. CHEMBURKAR**  
Jt. Textile Commissioner

**MINISTRY OF INDUSTRY**  
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)  
**OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER**  
(SMALL SCALE INDUSTRIES)  
New Delhi, the 7th June 1980

No. 12(56)/61-Admn.(G).—The President is pleased to dismiss Dr. Nau Nihal Singh, Deputy Director (Industrial Management & Training) in Small Industry Development Organisation from Government service with effect from the forenoon of 14th November, 1979, vide the Deptt. of Industrial Development Order No. 16/3/76-Vig, dated 14th November, 1979.

**M. P. GUPTA**  
Deputy Director (Admn.)

**MINISTRY OF STEEL AND MINES**  
(DEPARTMENT OF MINES)

Calcutta-700 016, the 4th May 1980

No. 4316B/A-32013/AO/78-80/19A.—Shri P. B. Samaddar, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 29-4-1980 until further orders.

The 5th June 1980

No. 4345B/A-19012(Artist-IBB)/80-19A.—Shri Indu Bhushan Banerjee, Superintendent (D.O.) Geological Survey of India is appointed on promotion as Artist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-5-80 until further orders.

The 6th June 1980

No. 4362B/A-32013(4-Driller)/78-19B.—Shri M. C. Gauri, Senior Technical Assistant (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st March, 1980, until further orders.

**V S KRISHNASWAMY**  
Director General

**INDIAN BUREAU OF MINES**  
Nagpur, the 5th June 1980

No. A.19011(61)/70-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri I. G. Agarwal, Deputy Ore Dressing Officer to the post of Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 7th May, 1980.

No. A.19011(63)/70-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri N. A. Subramanian, Deputy Ore Dressing Officer to the post of Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 13th May, 1980.

No. A.19011(210)/77-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Amanullah, Assistant Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 6th May, 1980.

No. A.19011(211)/77-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri P. N. Deo, Assistant Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 6th May, 1980.

No. A.19011(277)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri B. Sanjeeva Rao, Asstt. Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 7th May, 1980.

The 6th June 1980

No. A.19012(98)/77-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased

to appoint Shri S. B. Gaidhani, Assistant Research Officer (Ore Dressing) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 13th May, 1980.

The 7th June 1980

No. A-19011(119)/76-Estt.A.Vol.IV.—The termination of lien of Shri K. P. Singh in the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines, having been accepted by the Ministry on his being absorbed in the Western Coal Field Ltd., Nagpur in the post of Deputy Superintending Geologist, his name is struck off the strength of this Department with effect from 31st January, 1979 (A/N).

S. V. ALI  
Head of Office

**MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING**  
**DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY**

New Delhi-1, the 5th June 1980

No. A-20012/81/70-Exh.(A).—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri A. C. Barkataky a permanent Exhibition Assistant in the Directorate of Advertising & Visual Publicity to officiate as Field Exhibition Officer on *ad hoc* basis in Field Exhibition Unit (F.W.) Ahmedabad of the same Directorate w.e.f. the forenoon of 3-5-1980.

J. R. LIKHI  
Deputy Director (Admn.)  
for Director of Advtg. & Visual Publicity

**DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES**

New Delhi, the 5th June 1980

No. A.12026/29/79(SJH)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Miss Heena Mehta to the post of Dietician at the Safdarjang Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of the 12th May, 1980, on *ad-hoc* basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA  
Deputy Director Administration (O&M)

**MINISTRY OF AGRICULTURE**  
**(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION)**

**DIRECTORATE OF EXTENSION**

New Delhi, the 24th May 1980

No. F. 3-3/76-Estt.(I).—Shri P. B. Dutta, Artist (Senior) is promoted to officiate as Chief Artist, Group 'B' (Gazetted) (Non-Ministerial) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Co-operation) on *ad hoc* basis from 21-4-1980 to 21-6-1980 vice Shri Ishwar Chandra Chief Artist, proceeded on leave.

B. N. CHADHA,  
Director Administration

**MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION**  
**DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION**

Faridabad, the 5th June 1980

No. A. 19023/46/78-A-III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Amritsar, Shri Rajesh Azad handed over charge of the post of Marketing Officer at Faridabad in the afternoon of 29-5-80.

No. A. 19023/64/78-A-III.—On the recommendations of the D.P.C. (Group 'B'), Shri S. V. Krishnamurthy, who is working as Marketing Officer (Group I) on the *ad-hoc* basis, has been appointed to officiate as Marketing Officer (Group

I) on regular basis at Madras with effect from 24-5-80, until further orders.

B. L. MANIHAR,  
Director of Administration  
For Agricultural Marketing Adviser

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY**  
**(ATOMIC MINERALS DIVISION)**

Hyderabad-500016, the 6th June 1980

No. AMD-8(1)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri P. Madhava Rao, Assistant Security Officer in the Atomic Minerals Division as Security Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 22-5-1980 to 30-6-1980 afternoon vice Shri S. R. Sundaram, Security Officer granted leave.

The 7th June 1980

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J. G. Solanki, Foreman (Mining) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 4, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri E. U. Khan, Foreman (Mining) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri M. L. Sharma, Technical Assistant 'C' (Drilling) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. Bhattacharya, Scientific Assistant 'C' (Physics) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri I. A. Sheikh, Scientific Assistant 'C' as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri N. S. Verma, Foreman (Mining) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri B. N. Choubey, Foreman (Mining) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. R. Khan, Technical Assistant 'C' (Drilling) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. Peter, Technical Assistant 'C' (Drilling) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri N. G. Mukherjee, Foreman (Mining) as Scientific Officer/

Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

The 9th June 1980

No. AMD-1/23/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Ramakant Purohit as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 19, 1980 until further orders.

M. S. RAO, Sr. Administrative & Accounts Officer

#### DEPARTMENT OF SPACE

#### CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560 025, the 22nd April 1980

No. 10/5 (37)/79-CED (H)—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to promote the undermentioned officers of the Civil Engineering Division of the Department of Space to posts as indicated against each with effect from the forenoon of April 1, 1980 in an officiating capacity and until further orders:—

Sl. No.	Name	Post & grade from which promoted	Post & Grade to which promoted
1.	Shri A.G. Yuvasena	Foreman (Elec)	Engineer-SB
2.	Shri S.B. Yadav	Draughtsman-E (Elec)	Engineer-SB

R. S. SUBRAMANIAN  
Administrative Officer-I

Bangalore-560025, the 5th May 1980

No. 10/5(6)/80-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to promote Shri N. K. Warriar, Draughtsman-E of the Civil Engineering Division, Department of Space, Thumba, Trivandrum to the post of Engineer-SB with effect from the forenoon of April 1, 1980 in an officiating capacity and until further orders.

M. P. R. PANICKER, Administrative Officer-II.

#### MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

#### INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 4th May 1980

No. E(1)00830/SFS-244.—The President has been pleased to approve proforma promotion to the post of Meteorologist Grade I with effect from 29-12-79 of Shri C. V. V. S. Rao, Meteorologist Grade II, in the India Meteorological Department, while he was on deputation with the Central Ground Water Board.

S. K. DAS  
Additional Director General of Meteorology  
for Director General of Meteorology.

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th June 1980

No. A.32014/4/79-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Asstt. Aerodrome Officers for a period of six months with effect from the dates mentioned against their names or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

S. No.	Name	Date	Station of posting
1.	Shri M. S. Rawat,	17-5-19780	Varanasi.
2.	Shri M. C. Edbore,	14-5-1980	Jamnagar.
3.	Shri A. C. Jassal,	21-5-1980	Nagpur.
4.	Shri D. K. Jain,	14-5-1980	Ahmedabad.
5.	Shri R. Sampat,	25-5-1980	Madras.
6.	Shri Gurumukh Singh,	14-5-1980	Bhopal.
7.	Shri Shymal Sen Gupta,	14-5-1980	Dum Dum.
8.	Shri B. B. Das,	14-5-1980	Varanasi.

The 6th June 1980

No. A.38013/1/80-EA.—Shri B. G. Sindhi, Senior Aerodrome Officer, Safdarjung Airport, New Delhi retired from Government service on the 31st May, 1980 (AN), on attaining the age of superannuation.

V. V. JOHRI,  
Dy. Director of Admn.

New Delhi, the 31st May 1980

No. A.32013/9/73-E.I.—The President has been pleased to appoint on transfer on deputation Wg. Cdr. K. K. Babu an Officer of the Indian Air Force, as Examiner of Flying in the Civil Aviation Department with effect from 31-3-1980 for a period of one year in the first instance.

No. A-38012/1/80-E.I.—Shri H. D. Krishna Prasad, on retirement voluntarily from Government Service under F.R. 56 (K), relinquished the charge of office of the Regional Director, Bombay, on the 31st December, 1979 (Afternoon).

C. K. VATSA,  
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 7th June 1980

No. A.12025/2/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri G. Kumar in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Technical Officer with effect from 17-5-1980 (FN), and to post him in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi until further orders.

No. A.39012/4/80-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri R. Chandramouli, Technical Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay Airport, Bombay with effect from 5-4-1980 (AN).

No. A.32013/1/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri J. L. Suri, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis with effect from 9-5-80 (AN), and to post him in the office of the Director, Radio Construction and Development Units, New Delhi vice Shri N. R. N. Iyengar Technical Officer deputed for Hindi Training.

R. N. DAS  
Assistant Director of Administration.

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

Madras-1, the 14th May 1980

No. 1/80.—Shri D. P. Manjunatha, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Expert) in this Custom House with effect from 7-5-1980 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

A. C. SALDANHA,  
Collector of Customs

#### DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 30th May 1980

No. 1/112/69-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri O. P. Gupta a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (C.C.S. Group A) in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—FB—40—1100—50—1300 (Plus usual allowances) with effect from 7th May 1980 F.N. on the usual term and conditions. His pay will be refixed shortly under the rules.

2. Shri O. P. Gupta is pleased on probation for a period of two years w.e.f. 7th May 1980 (F.N.).

K. A. ANANTHANARAYANAN  
Dy. Director of Admn.

MINISTRY OF LAW JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD  
OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
E. Veeralah and Company (Overseas) Private Limited  
(In liqn.)*

Hyderabad the 29th May 1980

No. 534/Liqn.—Whereas E. Veeralah and Company (Overseas) Private Limited (In liquidation) having its registered office at Chilakaluripet, Guntur Dist., A.P. is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that the statement of account required to be made by the liquidator has not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Sec. (4) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, notice is hereby given that on the expiration of three months, from the date of this notice the name of E. Veeralah and Company (Overseas) Private Limited (In liquidation) unless cause is shown to the contrary be struck off the Register and the company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
United Construction Company Limited (In Liquidation)*

Hyderabad the 29th May 1980.

No. 672/Liqn.—Whereas United Construction company Limited (In Liquidation) having its registered office at Jubilipura, Khammam is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that the statement of account required to be made by the Liquidator has not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Sec. (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956, notice is hereby given that on the expiration of three months, from the date of this notice the name of United Construction Company Limited, unless cause is shown to the contrary be struck off the Register and the company will be dissolved.

V. S. RAJU  
Registrar of Companies  
Andhra Pradesh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. M. C. Mehta & Company, Private Limited.*

Bombay, the 28th March 1980

No. 7789/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. M. C. Mehta & Company Private, Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. GUPTA,  
Asstt. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Khas Chalbalpur Colliery Private Limited.*

Calcutta, the 4th June 1980

No. 23029/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Khas Chalbalpur Colliery, Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Columbia Graphophone Company of India Private Limited.*

Calcutta, the 4th June 1980

No. 14345/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Columbia Graphophone Company of India Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Tarun Industries Private Limited.*

Calcutta, the 4th June 1980

No. 23390/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Tarun Industries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Shree Prakash Private Limited*

Calcutta, the 4th June 1980

No. 24255/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Shri Prakash Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Asian Corporation Private Limited.*

Calcutta, the 4th June 1980

No. 19947/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Asian Corporation Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Bharat Properties & Firms Limited.*

Calcutta, the 4th June 1980

No. 12355/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Bharat Properties & Firms Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. G. Kumar Private Limited*

Calcutta, the 4th June 1980

No. 20896/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the G. Kumar Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
S. C. Choudhuri Hard-ware, Private Limited.*

Calcutta, the 6th June 1980

No. 19403/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the S.C. Choudhuri (Hardware) Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

N. R. SIREAN  
Asstt. Registrar of Companies  
West Bengal

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Alfa Electricals Private Limited."*

Cuttack, the 5th June 1980

No. SO-775/3790(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Alfa Electricals Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Registrar and the said Company will be dissolved.

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Bharat Engineering and Machinery Equipment Private  
Limited.*

*M/s. Bharat Engineering and Machinery Equip-  
Cuttack, the 5th June 1980*

No. SO/837/792(2).—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Bharat Engineering and Machinery Equipment Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL,  
Registrar of Companies, Orissa

## FORM ITNS—

(1) S/Shri Mangal Chand, Phool Chand, Ram Kanwar sons of Shri Musadi Lal R/O Hissar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahabir Parshad S/O Sh. Bhagwan Dass Aggarwal, 433/XV-4, Purani Anaj Mandi Hissar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Rohtak

Rohtak, the 31st March 1980

Ref. No. HSR/14/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 433/XV, Purani Anaj Mandi, Hissar., situated at Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. 433/XV-4 situated in Purani Anaj Mandi, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2105 dated 6-9-1979 with the Sub Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 31-3-1980,  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, dated the 1st April 1980

Ref No BGR/30-79-80.—Whereas I, G S GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Factory plot No 86 Sector 25, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
27—126GI/80

- (1) M/S Shambhu Nath Chemicals & Allied Industries Ltd 12th Floor Hindustan Times House, 18-20 K G Marg, New Delhi  
(Transferor),  
(2) M/S Damaco Packaging (P) Ltd, 111 Manjusha, 57 Nehru Palace, New Delhi  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being factory plot No. 86, Sector 25, situated at Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No 6110 dated 29-11-1979 with the Sub Registrar, Ballabgarh,

G S GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak,

Date 1-4-1980  
Seal

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Kanchan Arora, Atal Tea Estate, Darjeeling  
(Transferor)
- (2) Sh. Autar Singh Chawla, G. 17, Bali Nagar, Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st April 1980

Ref. No. DLI/14/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Plot measuring 470 sq. yards situated at Panipat and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot measuring 470 sq. yards situated at 17-R Model Town, Panipat and as more mentioned in sale deed registered at No. 562 dated 28-11-1979 with the Sub Registrar, Delhi.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak,

Date : 1-4-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Bhagwant W/O Shri Ramji Dass, R/O Sanatan Dharam Mandir, Nuh, Distt. Gurgaon.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pritam Chand S/O Sh. Atma Ram R/O H. No. 3/141, Rohtak.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st April, 1980

Ref. No. RTK/27/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 342 sq. yards, situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rohtak in November, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land of plot measuring 342 sq. yards situated at DLF colony, Rohtak and as more mentioned in the said deed registered at No. 3292 dated 23-11-1979 with the Sub Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 1-4-1980.  
Ses 1 :

## FORM ITNS—

(1) S/Shri Tej Ram, Deep Chand Ss/O Shri Naurang,  
Vill Barri

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Sagar Chand Garg & Sons, Through Sh Sagar  
Chand Garg S/O Jawahar Lal, Sonapat

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st April 1980

Ref No SPT/16/79-80 —Whereas I, G S GOPALA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs 25,000/- and bearing No

Agricultural land measuring 59 kanal 4 marla in vill  
situated at Barri

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Sonapat in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of an income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-  
lowing persons, namely,—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter

## THE SCHEDULE

Property being agricultural land measuring 59 Kanal 4  
marla situated in Vill Barri and as more mentioned in the sale  
deed registered at No 3938 dated 7-11-79 with the Sub Regist-  
rar, Panipat

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date 1-4-80.  
Seal

## FORM ITNS—

(1) Shri Devi Dayal S/O Shri Gopi Ram S/O Shri Shanker Dass Caste Arora, R/O H. No. 3 Malka Ganj, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/S. Auto Leaf (India) partner Sanjeev Kumar Sareen R/O M/5, Industrial Area, Sonapat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st April 1980

Ref. No. SPT/15/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Factory building on Plot No. E-59, Industrial Area, situated at Sonapat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Sonapat on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Factory Building on plot E-59, Industrial Area, Sonapat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3881 dated 5-11-79 with the Sub Registrar, Sonapat.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 1-4-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Rajinder Goyal s/o Smt. Kastur Chand, 93, Street No. 3, Central Town, Jullundur City.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Panju Shah Puran Chand, Ambala City.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th April 1980

Ref. No. AMB/10/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share in property No. 858, Block 6, Patti Jatan situated at Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ambala in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being 1/3 share in property No. 858-A, Block 6, situated at Patti Jatan (Ambala City) and as mentioned more in the sale deed registered at No. 3133 dated 25-9-1979 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-4-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt Mohinder Pal s/o Shri Kastur Chand,  
R/o Old Jail Road, Faridkot.

(Transferor),

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Panju Shah Puran Chand, Ambala City.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th April 1980

Ref. No. AMB/11/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/3rd share in Property No. 858-A, Block 6, Patti Jatan situated at Ambala City (and more fully described in the schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

1/3rd share in property No. 858-A, Block 6 situated at Patti Jatan (Ambala City) and as mentioned more in the sale deed registered at No. 3263 dated 27-9-1979 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 17-4-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAKRohtak, the 17<sup>th</sup> April 1980

Ref. No. AMB/12/79-80 —Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/3rd share in Property No. 858-A, Block 6, Patti Jatan situated at Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dharmendar Goyal s/o Shri Kastur Chand Goyal, R/o Old Jail Road, Faridkot. (Transferor)  
(2) M/s Panju Shah Puran Chand, Ambala City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in Property No. 858-A, Block 6 situated at Patti Jatan (Ambala City) and as described more in the sale deed registered at No. 3360 dated 4-10-1979 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-4-1980  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17 th April 1980

Ref. No. BGR/15/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3 kanal 2 marla in situated at Sarai Khawaja

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in Sept. 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—126GI/80

- (1) (1) Sh. Krishan Chand Chandok S/O Sh. Ramesh Chand R/O 7/21 Daraya Ganj, Delhi.
- (2) Sh. Dinesh Chand S/o Sh. Ramesh Chand
- (3) Smt. Geeta Sahni W/O Sh. Ved Parkash through Sh. Krishan Chand.
- (4) Sh. Rakesh Chand Chandok S/O Smt. Daya Wanti.
- (5) Smt. Sunita Beri W/O Sh. Ravinder Kumar.
- (6) Smt. Mukh Pal W/O Sh. Ravi Kant R/o R-271, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Shabudeen S/O Sh. Bashuruddin S/O Shri Hazi Kurdi, R/O 2609 Churi Walan, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 kanal 2 marlas situated in Sarai Khawaja and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 4156 dated 4-9-1979 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 17-4-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

## SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

[Rohtak, dated the 22nd April 1980]

Ref. No. SRS/61/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 104 kanals situated at village Kutta Budh (Sirsa) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirsa in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhag Singh s/o Shri Buta Singh s/o Shri Bahadur Singh, R/o village Kutta Budh Teh. & Distt. Sirsa. (Transferor)
- (2) Shri Gurdev Singh s/o Shri Bachitar Singh, R/o Village Kutta Budh Teh. & Distt. Sirsa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 104 kanals situated in village Kutta Budh in Teh. Sirsa and as mentioned more in the sale deed registered at No. 4194 dated 30-10-1979 with the Sub Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 22-4-1980.  
Seal ;

## FORM ITNS—

(1) Shri Gurbachan Singh s/o Shri Jeevwan Dass, House No. 726, Model Town, Karnal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rphatak, dated the 3rd May, 1980

Ref. No. KNL/27/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 726, Model Town situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at of the Registering Officer at Karnal in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Kartar Singh Tumer s/o Shri Bhim Singh Tumer, R/o 77, New Police Lines, Sector 26, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being House No. 726 situated in Model Town, Karnal and as mentioned more in the sale deed registered at No. 3353 dated 1-9-1979 with the Sub-Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 3-5-1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 22nd May, 1980

Ref. No. JND/1/79-80—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Eight shops with 1761 sq. yds., situated at Near Patiala Chowk Jind (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jind in Sept 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Savitri Devi w/o Late Shri Pyare Lal R/o Jind.  
(Transferor)
- (2) (i) Shri Nand Kishore s/o Shri Ram Lal, Goldsmith, Jind.  
(ii) Shri Banarsi Dass s/o Shri Bhagmal Teacher, S.D. High School, Jind.  
(iii) Smt. Maunji Rani d/o Shri Madan Lal, 7/36, Dariya Ganj, Delhi.  
(iv) Shri Ram Sarup s/o Shri Rulia Ram,  
(v) Smt. Sudershna Kumari d/o Shri Mukandi Lal, R/o Kaithal.  
(Transferee)
- (vi) Shri Gulson Bhardwaj Advocate R/o Jind.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property—Bright shops including 1761 sq. yds. land situated near Patiala Chowk Jind, and more is mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1617, dated 12-9-1979, with Sub-Registrar, Jind.

G. S. GOPAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range,  
ROHTAK.

Date : 22-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Savitri Devi w/o Late Shri Pyare Lal,  
R/o Jind.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ishwar Chand s/o Shri Laxmi Chand s/o  
Khajanchi Mal r/o Vill. Chatter, Teh. Narwana,  
Distt. Jind.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 22nd May 1980

Ref. No. JND/2/79-80—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land 2973 sq. yds. situated at Near Patiala Chowk, Jind. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jind in Sept 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 2973 sq. yds. situated at Jind and more is mentioned in the sale deed registered at Serial No. 1601, dated 10-9-1979 with the sub. registrar, Jind.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 22-5-1980  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Swarn Singh S/o Sh. Gian Singh R/o Vill. Dibdaba  
Teh. Ballaspur Distt. Rampur (UP)

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK**

Rohtak, the 7th June 1980

Ref. No. BGR/16/79-80—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of Industrial Plot No. 29-B, area 3926 sq. Yds, NIT situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Registering Officer at Ballabgarh for an apparent Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s East India Cotton Manufacturing Co. Limited, Regd. Office 38 Netaji Subhash Road Calcutta.

Factory 17-H, Industrial Area, NIT, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being Industrial plot No. 29-B, area 3926 sq. yds situated at N.I.T. Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4205 dated 7-9-1979 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

**G.S. GOPALA**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-6-80  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 7th June 1980

Ref. No. BGR/42/79-80—Whereas I, G.S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of Industrial Plot No. 29-B, Area 4318-6 sq. yds NIT, situated at Faridabad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1980 (16 of 1980) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Singh S/o Shri Natha Singh, Jullunder.

(Transferor)

(2) M/s East India Cotton Manufacturing Company Limited, 38 Netaji Subhash Road, Calcutta.  
Factory 17-H, Industrial Area, New Township, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being Industrial plot No. 29-B, area 4318-6 sq. yds situated at NIT, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4206 dated 7-9-1979 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G.S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak

Dated : 7-6-1980

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 7th June, 1980

Ref. No. BGR/43/79-80—Whereas I, G.S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of Industrial Plot No. 29-B, Industrial area 4318.6 sq. yds N.I.T., situated at Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahender Singh S/o Shri Gian Singh  
Vill. Dibdaba Teh. Balaspur Distt. Rampur (UP)  
(Transferor)
- (2) M/ Easts India Cotton Manufacturing Co. Limited,  
Regd. office 38 Subhash Road, Calcutta.  
Factory 17-H, Industrial area, NIT, Faridabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being portion of Industrial plot No. 29-B, Area 4318.6 sq. yds, situated at NIT, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4207 dated 7-9-1979 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G.S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Dated : 7-6-1980

Seal :

**FORM INS**

(1) Smt. Atar Kaur W/o Natha Singh,  
WC-34, Ronak Bazar, Kot Bahadar Khan,  
Jullunder

(Transferrer)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 7th June 1980

Ref. No. BGR/17/79-80—Whereas I, G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of Industrial plot No. 29-B, Area 5182.34 sq. yds. NIT, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—126G1/80

(2) M/S East India Cotton Manufacturing Company Ltd,  
Regd. Office 38 Netaji Subhash Road,  
Calcutta.  
Factory 17-H, Industrial Area, NIT, Faridabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property being portion of Industrial plot No. 29-B, area 5182.34 sq. yds. NIT, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4208 dated 7-9-1979 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Dated : 7-6-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 7th June 1980

Ref. No. HNS/13/79-80—Whereas, I G.S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

and bearing No. Double Storeyed shop No. 296/11, Sadar Bazar, situated at Hansi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suresh Kumar Uraf Suresh Chand S/o Dilbag Rai S/o Lala Shambhu Dayal, Hansi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Gumani Devi Wd/o Shri Hazari Lal C/o Shri Pholl Singh, Goldsmith, Sadar Bazar, Hansi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being double storeyed shop No. 296/11, Sadar Bazar, Hansi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1581 dated 26-9-1979 with the Sub Registrar, Hansi.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date : 7-6-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,  
KAKINADA, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May, 1980

Ref. No. 1042—Whereas I, K. K. VEER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-35-970 situated at Durga Agraharam, Koka Clinic Street, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred as per deed registered under the Indian—Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Movva Venkateswar Rao, S/o Narayana, Ajanta Hotel, Governorpet, Vijayawada-2

(Transferor)

- (2) Sri Garlapati Durga Venkata Prasada Rao, S/o Sitaramaiah, Arundalpet, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 6990/79 dated October 79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 5-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the

A.F. No. 1043.—+ Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-2-47 situated at Pithapuram (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pithapuram, On September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Avasarala Mangapathi Rao,  
D-28 Bell Colony, Jalahalli,  
Bangalore-13.

(Transferor)

(2) Shri Rayavarapu Maruthi Jagannadha Rao,  
S/o Seetharamanjaneeyulu, Advocate,  
Sambamurthy Street, Ramaraopet,  
Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 7185 dated September, 1979 registered before the S.R.O., Pithapuram.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date :  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE HYDERABAD  
BHOPAL

Hyderabad, the 5th May, 1980

A. F. No. 1044.—Whereas I, K. K. VEER

SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

29-6-26 situated at SuryaraoPET Mogalrajpuram Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Donepudi Venkayya Chowdary,  
S/o Subramanyam, Professor,  
Gandhi Medical College,  
Secunderabad. (Transferor)
- (2) (i) Shri Narayanadas Bang,  
(ii) Kamalanayana Bang,  
(iii) Krishna Kumar Bang and  
(iv) Madhusudhana Bang  
2 to 4 are minors by guardian father Ramkumar Bang,  
Nandipativari Street, Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1012/79 dated October 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK  
VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

Hyderabad, the 5th My 1980

A. F. No. 1045.—Whereas, I, K. K. VEER  
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8 /50 situated at Andhra Ratna Road Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bagavathula Venkatama Sarma,  
S/o Gopala Krishnayya,  
C/o B. Gopala Krishna, Advocate,  
Museum Road, Governorpet,  
Vijayawada.

(Transferor)

- (2) Shri Nannapaneni Nagayya,  
S/o Seshayya, Krishna Lanka,  
Bramaramba Puram, Vijayawada.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 6713 dated October, 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-5-80

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE  
BANGALORE-560001.

Hyderabad, the 5th May, 1980

A. F. No. 1046.—Whereas I K. K. VEER

H. TIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 23-11-4 situated at Lal Bahadur Sastry Road Area, Rajahmundry (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. Chakradhara Rao,  
Retd. D.E.O.,  
D. No. 6-1-90/13, A. Bapuji Nagar,  
Hyderabad-500048. (Transferor)
- (2) Evangelistern's Helping Hand,  
BOMMUR represented by Shri P. Janaranjan. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 4525/79 dated September 1979 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-5-1980.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 5th May 1980

A. F. No. 1047.—Whereas, I, K. K. VEER

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-27-14 situated at Sreeramnagar, Near Bhanugudi, Kakinada (and more fully describe in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manavarthi Veeraju,  
Shri Putta Harikrishna Rao,  
Kakinada.

(Transferor)

- (2) (i) Smt. Nekkanti Ranganayakamma,  
W/o Dorayya,  
(ii) Chundru Raja Katyani Devi by Guardian  
Smt. Suryanarayanamma,  
(iii) Chundru Surya Kaladevi,  
minor by guardian Sri Veeraraju,  
2-27-14, Near Bhanugudi,  
Sreeramnagar, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule of the property as per the registered document No. 7029, 6993, 7003, dated September, 1979 registered before the S.R.O. Kakinada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Dated : 5-5-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri P. Surya Rao, Bill Collector,  
Raminayyapeta, Panchayat Samithi,  
Gigolupadu, Kakinada-3.

(Transferor)

(2) Sri M. Suryanarayana,  
Retired Forest Officer, Pasterpeta,  
Jagannaickpur, Kakinada-2.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 5th May 1980

A. F. No. 1048. — Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19-10-4 situated at Suryaraopet, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person\*, namely :—

30--126G1/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule of the property as per the registered document No. 8179 dated October 1979, registered before the S.R.O. Kakinada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-5-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, dated the 5th May, 1980

Ref. No. Acq. File No. 1049.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No- 5-42-37 situated at Brodipeta, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur, on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gujjula Rajeshwari Devi,  
5-78-40 Ashoknagar, Guntur.

2. Sri Gujjula Gangireddy,  
near Railway Station,  
Narsaraopeta, Guntur Distt.

(Transferor)

- (2) Shri Pandeshwara Keshwara Rao,  
S/o Janardhan Rao,  
H. No. 5-42-36, 6th line,  
Brodipeta, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property registered at Guntur-Sub-Registrar area, vide Document No. 5195/79 and 5185/79.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-5-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 31st March, 1980

Ref. No. AR11/2832.5/September, 1979.—Whereas I, A. H. TEJALE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Final plot No. 65 T.P.S. No. III, C.T.S. No. 281/1-2-3 H Ward No. 6785 I.A. & Street No. 54-A situated at Santacruz (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sindhu Manohar Bhandarkar (Transferor)  
(2) Shri Gunvantrai Ramchandra Trivedi & Smt. Vidula Gunavantrai Trivedi (Transferee)  
(3) 1. Dr. S. G. Mehta  
2. Mr. V. R. Joshi  
3. B. S. Purohit  
4. N. W. Dharwadkar  
5. D. B. Gangoli  
6. P. B. Naik  
7. Mrs. S. M. Bhandarkar & Others  
8. Mr. R. G. Pinge  
9. By owner Mr. & Mrs. G. R. Trivedi  
10. Mr. Y. B. Soman  
11. K. V. Sabnis  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S. 500/79 and registered on 25-9-1979 with the Sub registrar Bombay.

A. H. TEJALE  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 31-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Alok Estates.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Madhuban Premises Co-op. Society Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st March 1980

Ref.No. ARII/2861-7/Sept. 79.-- Whereas, I, A. H. TEJALE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 58, Plot No. 1, H. No. 1 situated at S. V. Road, Goregaon (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bandra on 10-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 1452/79 and registered on 10-9-1979 with the Joint Sub-Registrar of Bandra.

A. H. TEJALE  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, Bombay.

Date : 31-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Lecna Ramniklal Jhaveri

(Transferor)

(2) Darab Bomanji Dubhash

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

Bombay, the 23rd April 1980

Ref. No. A.R.-I/A P. 132/80-81.—Whereas, I, P. L. ROONGTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 686 of Malabar & Cumballa Hill Divn. situated at Bhulabhai Desai Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-9-1979

(Document No. 2746/78/Bom.)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated In the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2746/78/Bom. and registered on 17-9-1979 with the Sub-Registrar, Bombay.

P. L. ROONGTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I, Bombay

Date : 23-4-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay the 5th May 1980

Ref No AR II/2904-32/Dec 79—Whereas I, A H TEJAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S No 198 & CTS No 539 situated at Santacruz (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-12-79 (Docmt No S 1514/79)

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P V Raheja as a Karta and Manager of the Joint Hindu Family known as Raheja Sons (HUF) carrying on business under the name of Shri Tirupati Builders

(Transferror)

- (2) Canara Bank

(Transferee)

- (3) P V Raheja

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Schedule as mentioned in the Registered Deed No S 1514/79Bom and registered on 10-12-1979 with the sub-registrar Bombay

A H TEJAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Bombay,

Date : 5-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, 5th May, 1980

Ref No A R-II/2825 3/Sept 79 — Whereas, I, A H  
TEJALE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

CTS-1714/79 N A No 96 situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs Shrin Noshirwan Petigara  
Shri Kavas Noshirwan Petigara  
(Transferor)
- (2) The Pali Hill Navroze Premises Co op Housing  
Society Ltd  
(Transferee)
- (3) Mrs Shrin Noshirwan Petigara  
Shri Kavas Noshirwan Petigara  
(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No HS-171 79/Bom and registered on 7-9-1979 with the sub-registrar, Bombay

A H TEJALE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Bombay

Dpte 5-5-1980  
Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th May 1980

Ref. A. R. II/2932-5/Jan. 80—Whereas, I, A. H. Tejale, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- (and bearing No. C.T. S. No. 567, Final P. No. 107 situated at Santacruz (W) and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bandra, Bombay on 29-1-1980 Doc. No. 359/78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Mangal Parshotamdas Amin

(Transferor)

9. Mrs. Santacruz Saryu Premises Co.op. Soc. Ltd.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 359/78 and registered on 29-1-1980 with Joint Sub-Registrar IV, Bandra, Bombay.

A. H. TEJALE.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-II,  
Bombay

Date : 5-5-1980  
Seal :

## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION  
RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA—800001  
PATNA 800001, the 13th May 1980

Ref. No. III-396/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Holding No. 686, Ward No. VII B, of Ranchi Municipality situated at Burdwan Compound, Konka P. S. Lalpur Ranchi, (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 29-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31—126GI/80

(1) Shri Satyendra Kumar Ghosh, S/o. Late Charu Chandra Ghosh, 344/2, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta-47 as the sold Trustee on Charu Smriti Mandir Trust Estate Burdwan Compound, Ranchi.

(Transferor)

(2) Shrimati Geeta Rani Mazumdar, w/o Shri Peresh Chandra Mazumdar, of 89 Burdwan Compound, Ranchi, P. S. Lalpur, Dt. Ranchi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2 Kathas 4 Chataks land with three storeyed building at Burdwan Compound, Konka, Ranchi more fully described in deed No. I 5018 dated 19-9-1979 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Patna Bihar,

Dated 13-5-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA—800001

PATNA-800001, the 13-5-1980

Ref. No. III-397/Acq/80-81/—Whereas, I, J. Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 686, Ward No. VIIB of Ranchi Municipality situated at Burdwan Compound, Konka, P. S. Lalpur, Ranchi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 18-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sateyendra Kumar Ghosh, S/o Late Charu Chandra Ghosh, 344/2, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta-47 as the sole Trustee of Charu Smriti M. ndir Trust Estate, Burdwan Compound, Ranchi.  
(Transferee)

(2) Shrimati Geeta Rani Mazumdar, S/o. Shri Paresh Chandra Mazumdar, of 89 Burdwam Compound, Ranchi, P. S. Lalpur, Dt. Ranchi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

2 Kathas 4 Chataks land with three storeyed building at Burdwan Compound, Konka, Ranchi more fully described in deed No. I 5014 dated 18-9-1979 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,  
PATNA

Patna 800001, the 13th May 1980

Reg. No. III 399/Acq/80-81.—Whereas, I. J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouza No. 7, Ward No. 11 (old) Ward No. 111 (New) Holding No. 255 (old) & 85 (New) situated at Dhanbad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhanbad on 18-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sudha Krishna Sireor (2) Jay Krishna Sireor (3) Gopi Krishna Sireor sons of Late Gour Mohan Sireor (4) Smt. Jagattarini Sireor, W/o. Late Gour Mohan Sireor of Hirapur, Dhanbad.

(Transferer)

(2) M/S. Ghosh Estate (Pvt.) Ltd. Hirapur, Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immoveable property as described in deed No. 6972 dated 18-9-79 registered with the District Sub-Registrar, Dhanbad.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range, Patna

Date : 13-5-1980  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD,

PATNA-800001, the 14 May 1980

Ref. No. III -400 /Acq/80-81/—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal Plot No. 2627 Sub Plot No. 25, Ward No. VI situated at Anantpur, (Siramtoli) Ranchi and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ranchi on 18-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian, Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following periods, namely :—

(1) Shrimati Gouri Chatterjee, W/o. Sri Rajesh-var Chatterjee of Anantapur, Ranchi.

(Transferor)

(2) Kamala Day, Tapan Kumar Dey, Kalyan Kr. Dey, Bishwanath Dey of Village Anantpur, (Siramtoli) Ranchi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land with building at Anantpur, Ranchi more fully described in deed No. 7607 dated 18-9-1979 registered with the D.S.R., Ranchi.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 14th May 1980

Ref. No. 111-401 /Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touzi No. 5587, Khata No. 183, Plot No. 963 etc. situated at Village Khajepura, P. S. Gardanibagh, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 25-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Md. Sami S/o. Abdul Latif (2) Anwar Rashid, S/o. Khan Sahab Md. Rashid (3) Md. Mohsin Raja S/o. Dr. Md. Hasan Raja (4) Khorshid Hasan, S/o. Abdul Aziz of Khajepura, P. S. Gardanibagh, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Chand Jain, S/o. Manik Chand Jain of Kadambkuan, P. S. Kadamkuan, Patna

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

8 Kathas 6 Dhur 8 Dhurki land at Khajepura, P. S. Gardanibagh, Patna more fully described in deed No. 6204 dated 25-9-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna,

Date : 15-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PATNA-800001

Patna-800001, the 4th May 1980

Ref. No./Acq/80-81 —Whereas, I, J. Nath,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Waid No.

13, Circle No. 30, Sheet No 86, M S.

Plot No 1434 Holding No 4 situated at Puranderpur PS Purbahore, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 22-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amrik Ghosh S/o Samir Kr. Ghosh, Joint Secretary, Irrigation Department R/o 183-B Shri Krishnapuri, Patna, wahasiat Mokhtar Am Shri Nirmal Mai Ghosh S/o Mahendra Narain Ghosh, At Puranderpur PS, Purbahore Distt, Patna

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Khetan w/o Shri Om Prakash Khetan At Barahat Distt. Bhagalpur Presently Bakerganj Salimpur Ahra PS Gandhi Nagar, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 3611 sq ft with double storeyed building at Puranderpur Azimabad, PS Purbahore Distt. Patna, more fully described in deed No. 6110 dated 22-9-79 registered at District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 14-5-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE  
BORANG CANAL  
PATNA-800001

Patna-800001, the 14th May 1980

Rer. No. III 403 /Acq/ 80-81— Whereas, I. J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Holding No. 147, Circle No. 25, Ward No. 9 (old) 16 (New) situated at

Bihari Lal Batacharya Road, (Makhaniakuna Road) Patna (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna. on 13-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Shushila Bose, Widow of Late Jyotindra Nath Bose (2) Sri Sudhangsu Kumer Bose sons of Late Jyotindra Nath Bose, At present residing at 50A Ritchi Road, Calcutta & Shri Sunil Kumar Bose S/o. Late Jyotindra Nath Bose presently residing at 104 Circuit House, Area. Jamshedpur.

(Transferor)

- (2) Dr. Arun Kumar Singha, S/o. Late Pasupati Kumar Sinha, Presently residing at Road. No. 6A, Rajendra Nagar, Patna-16 P. S. Kadamkuran, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

8 Annas share in a house property situated at Bihari Lal Bhattacharya Road (Makhania Kuan Road) Patna bearing holding No. 147, Circle No. 25, Ward No. 9 old 16 New etc. more fully described in deed No. 5893 dated 13-9-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna

Date : 15-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

Patna-800001, the 14th May 1980

No. III-404—Acq/ 80-81—Whereas, I, J. Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 147, Circle No. 25, Ward No. 9 (old) Ward No. 16 New situated at Beharilall Bhattacharya Road, (Makaniya Kuan Road Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 24-9-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons—namely :—

(1) Dr. Neemai Das Basu, S/o. Late Phanindra Nath Basu of Behari Lal Bhattacharya Road (Makhanla Kuan Road) P. S. Pirbahore, Patna.

(Transferor)

(2) Dr. Arun Kumar Singh, S/o. Late Pasupati Kumar Sinha of Road, No. 6A, Rajendra Nagar, P. S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

(3) Dr. Neemai Das Basu

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 Katha 17 Dhur land situated at Beharilall Bhattacharya Road (Makaniya Kuan Road) P.S. Pirbahore, Dr. Patna more fully described in deed No 6150 dated 24-9-1979 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 14-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PATNA-800001

Patna-800001, the 13th May 1980

(1) Shri Narain Prasad Mahaseth, through Shri Ram Jankigi s/o Shri Sant Lal Mahaseth, P.O. Chowara, Madhubani, at present Makwa, Dt. Monghyr.

(Transferor)

(2) Shrimati Sunaina Devi, W/o. Sri Janardhan Pd. Singh, At. & P. O. Mirzapur, Dist. Monghyr.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. III-405/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 104, Khesra No. 67, 70, and 82 situated at Mouza Makwa, P.S. Tarapur, Dist. Monghyr

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Monghyr on 22-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following 220, situated at Ram Krishna Samadhi Road,

persons, namely :—

32-126GI/80

THE SCHEDULE

7 Acres 65 decimal land at Mouza Mouwa, P. S. Tarapur Dt. Monghyr more fully described in deed No. 5251 dated 22-9-1979 registered with the District Sub-Registrar, Monghyr.

J. NATH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD, PATNA-8000001

Patna-800001, the 14th May 1980

Ref. No. III 406 /Acq/ 80-81—Whereas, I, J. Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Thana No. 350, ward No. 6, Circle No. 1A, Khata No. 248, etc. situated at Muzaffarpur, Rasulpur Jilani (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 14-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Mandira Mukherjee, Widow of Late Achindra Chandra Mukherjee, Jogindra Chandra Mukherjee Road, Mohalla Andigola, Muzaffarpur.

(Transferor)

- (2) Shri Chandra Deo Singh, s/o Mahadeo Singh of Maharaji Chowk, Jhuran Chapra, Muzaffarpur. Permanent Address: Village Fulkahan, Gobind, P. S. Kanti, Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2 Kathas 15 Dhur land with building at Rasulpur Jilani Muzaffarpur fully described in deed No. 12753 dated 14-9-79 registered with the District Sub-Registrar, Muzaffarpur.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 14-5-80

Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800001

Patna-800001, the 14th May 1980

Ref. No. III 407/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 248 (New), Khesra No. 59 (old 478 (New) etc. situated at Mohalla Rasulpurjilani, Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Muzaffarpur on 17-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Mandira Mukherjee, Widow of Late Achindra Chandra Mukherjee, Jogindra Chandra Mukherjee Road, Mohl. Andigola, Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Pukar Singh, S/o. Mahadeo Singh (2) Sri Pramod Kr. Singh, S/o. Mathura Singh, Village Fulkahan, G., P. S. Kanti, Dt. Muzaffarpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building, on 2 Kathas 10 Dhurs Kast land at Mohalla Rasulpurjilani in Muzaffarpur town more fully described in deed No. 12891 dated 17-9-1979 registered with the District Sub-Registrar, Muzaffarpur.

J. NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 14-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 14th May 1980

Ref. No. III -408/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 6, Circle No. 1A etc. situated at Rasulpur Jilani, Muzaffarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 26-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Mandira Mukherjee, Widow of Late Achindra Chandra Mukherjee, Jogindra Chandra Mukherjee Road, Mohl. Andigola Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) Shti Gouri Shankar Singh, Village Jagannath Basant, P.O. Lalganj, Dt. Vaishali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 Katha 6 Dhurs land with building situated at Rasulpur Jilani, Muzaffarpur more fully described in deed No. 13497 dated 26-9-79 registered with the District Sub-Registrar, Muzaffarpur.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 14-5-1980  
Seal :

**FORM ITNE****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PATNA**

Patna-800001, the 14th May 1980

Ref. No. III 409/Acq/80-81—Whereas, I, J NATH, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 248 (N), Khesra No. 59 Old 478 New Holding No. 128 etc. situated at Muzaffarpur Rasulpura Jilani (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 12-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri mati Mandira Mukherjee, Widow of Late Achindra Chandra Mukherjee, Jogindra Chandra Mukherjee Road, Mohalla Andigola, Muzaffarpur. (Transferor)
- (2) Shri Kedarnath Singh, S/o. Shri Chandradeo Singh, Mohalla Rasulpur Jilani, Mazaffarpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

3 Kathas land Kast land in Mohalla Rasulpur Jilani in Muzaffarpur more fully described in deed No. 12695 dated 12-9-79 registered with the District Sub-Registrar, Muzaffarpur.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 14-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS

1. Shri Krishnarao D. Bhagde,
2. Shri Haribhai H. Solanki,
3. Shri Anna M. Shelar, (4) Shri Bachachubhai, H. Rathod
- (5) Shri Kashinath M. Shelar, (6) Shri Dattatreya M. Shelar,
- Talegaon Dabhade, Tal. Maval, Dist. Pune. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE 411009

Pune-411009, the 3rd June 1980

Ref. No. CA5/SR. Maval/Dec. 1/79/473—Whereas, I,  
A. C. Chandra,

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. S. No. 115/1 & S. No. 119/3 situated at  
Kune, Tal. Maval, Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Maval on 1-12-1979

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (2) M/s Happy Valley Corporation, Partners : (1) Shri  
Narenh rasinghaji M. Chudasama, (2) Dr. Shamrao Kalmadi,  
(3) Mrs. Sunita Y. Trivedi, (4) Shri Sawailal Sethi, (5) Mrs. B.R.  
Patel., C/o Poona Coffee House, 1250, J. M. Road, Pune-5

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 115/1 and S. No. 119/3, admn. 2H—172R  
at Village Kune, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered under No.  
1388, dated 1-12-1979 in the office of the Sub-Registrar, Maval,  
Dist. Pune).

A. C. CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona

Date : 3-6-1970

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
Pune-411009

Pune-411009, the 3rd June 1980

Ref. No. CA 5/SR, Maval /Dec. 79/474—Whereas,  
Shri A. C. CHANDRA  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding **Rs. 25,000/- and bearing**  
S. No. 120/2 and S. No. 135 situated at Kune, Tal. Maval, Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maval on 1-12-1979  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri (1) Shri Krishnarao D. Bhagde, (2) Shri Haribhai K. Solani, (3) Shri Anna M. Shelar, (4) Shri Bachchubhai H. Rathod, (5) Shri Kashinath M. Shelar, (6) Shri Dattatreya M. Shelar, Talegaon Dabhade, Tal. Maval. Dist. Pune.  
(Transferors)

(2) Shri M/s Happy Valley Corporation, Partners  
1. Shri Narendrasinhaji M. Chudasama, (2) Dr. Shamrao Kalmadi, (3) Mrs. Sunita Y. Trivedi, (4) Shri Sawailal Sethi, (5) Mrs. B. R. Patel, (C/o Poona Coffee House, 1250, J. M. Road, Pune-4.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 120/2 & S. No. No. 135, admn. 3H -106R, at Village Kune, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Property as described in the sale-deed registered No. 1389, dated 1-12-1979 in the office of the Sub-Registrar, Maval Dist. Pune).

A. C. CHANDRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Poona

Dated : 3-6-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-411009

Pune-411009, the 3rd June 1980

Ref. No. CA5/SR. Maval/Dec. 79/475—Whereas, I, A. C. CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 116 (part) Kunc, Tal. Maval, Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Maval on 1-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

1. (1) Shri Krishnarao D. Bhegde, (2) Shri Haribhai H. Solanki, (3) Shri Anna M. Shelar, (4) Shri Bachchubhai H. Rathod, (4) Shri Kashinath M. Shelar, (6) Shri Datatraya M. Shelar, Talegaon Dabhade, Tal. Maval, Dist. Pune. (Transferors)

(2) M/s Happy Valley Corporation. Partners : (1) Shri Narendrasinhaji M. Chudasama, (2) Dr. Shamrao Kalmadi (3) Mrs Sunita Y. Trivedi, (4) Shri Sawailal Sethi, (5) Mrs. B. R. Patel. C/o Poona Coffee House, 1250, J. M. Road, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 116 (part) admn. 4H- 33R. at Village Kunc, Tal. Maval, Dist. Pune.  
(Property as described in the sale-deed registered under No. 1390 dated 1-12-1979 in the office of the Sub-Registrar, Maval, Dist. Pune).

A. C. CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date 3-6-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COMET HOUSE, 691/1/10  
PUNE SATARA ROAD, PUNE-411009.

Pune-411009, the 3rd June 1980

Ref. No. CA5/SR.Maval/Dec./79/476.—Whereas I, SHRI A. C. CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 116 (part) situated at Kune, Tal. Maval, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Maval on 1-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

33—126GI/80

- (1) 1. Shri Krishnarao D. Bhagde,  
2. Shri Haribhai H. Solanki,  
3. Shri Anna M. Shelar,  
4. Shri Bachchubhai H. Rathod,  
5. Shri Kashinath M. Shelar,  
6. Shri Dattatraya M. Shelar,  
Talegaon Dabhade, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Transferor)

- (2) M/s Happy Valley Corporation,  
Partners :  
1. Shri Narendrasinhaji M. Chudasama,  
2. Dr. Shamrao Kalmadi,  
3. Mrs. Sunita Y. Trivedi,  
4. Shri Sawailal Sethi,  
5. Mrs. B.R. Patel,  
C/o Poona Coffee House, 1250, J M Road, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 116 (part) admn. 4H-OR, at Village Kune, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Property as described in the sale-deed registered under No. 1391, dated 1-12-1979 in the office of the Sub-Registrar, Maval, Dist. Pune).

A. C. CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 3-6-1980

Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE,

COMET HOUSE 691/1/10, PUNE SATARA ROAD,  
PUNE-411009

Pune, the 3rd June 1980

Ref. No. CA5/SR.Maval/Dec.79/477.—Whereas I, Shri A. C. Chandra

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing S. No. 129, S. No. 109, S. No. 118/6 & S. No. 133/2 situated at Kune, Tal. Maval, Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maval on 1-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Krishnarao P. Bhegde,  
2. Shri Haribhai H. Solanki,  
3. Shri Anna M. Shelar,  
4. Shri Bachchubhai H. Rathod,  
5. Shri Kashinath M. Shelar,  
6. Shri Dattatreya M. Shelar,  
Talegaon Dabhade, Tal, Maval, Dist. Pune.  
(Transferor)
- (2) M/s Happy Valley Corporation,  
Partners :  
1. Shri Narendrasinhaji M. Chudasama,  
2. Dr. Shamrao Kalmadi,  
3. Mrs. Sunita Y. Trivedi,  
4. Shri Sawallal Sethi,  
5. Mrs. B. R. Patel,  
C/o Poona Coffee House 1250, J. M. Road, Pune-4.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 129, S. No. 109, S. No. 118/6 and S. No. 133/2, admn, 2H-191R, at Village Kune, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1392 dated 1-12-1979 in the office of the Sub-Registrar, Maval, Dist. Pune).

A. C. CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Poona

Date- 3-6-1980

Sgd.

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, 21st April 1980

Ref. No. Acq. 23-I/3039(992)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 63-A situated at Bhaktinagar Coop. Housing Society, Rajkot

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot on 10-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Liladhar Fulchandbhai Mehta;  
Race Course Road, "Madhuvan", Baroda.

(Transferor)

- (2) Shri Bharatkumar Karamshibhai Kharecha;  
2. Shri Hareshkumar Karamshibhai Kharecha;  
both at 12, Bhaktinagar Station Plot,  
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Structure on land admeasuring 862-0-0 sq. yds. situated at Bhaktinagar Coop. Housing Society, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 5497/10-9-79 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 21-4-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 21st April 1980

No. Acq. 23-1-3040(993)/16-1/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Lat No. 319 Paiki situated at Bhankubhaji para, Dhoraji (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhoraji on Sept, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian, Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jayaben Vithalji Mavani;  
2. Liladhar Vithalji Mavani;  
through their Power of Attorney Holder;  
Shri Chunilal Vithalji Mavani,  
C/o. Pannalal Traders;  
Grant Road, Bombay-27.

(Transferor)

- (2) Jayaben Chhaganbhai Padaliya;  
Ramkrupa Niwas, Dhoraji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land adn, 083-8-3 sq. yds. Lat No. 319 paiki situated at Bhankubhaji para, Dhoraji duly registered by Registering Officer, Dhoraji, vide sale deed No. 1084/28-9-79 i.e. property as fully described therein.

S.C. PARIKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner In Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date- 21-4-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 21st April 1980

No. Acq. 23-J-3041(994)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

451 Plot No. 19, situated at Bhagaduda Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 7-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Subhaschandra N. Bhagdev,  
Rajhans Society, Rajiya Road,  
Rajkot-1

(Transferor)

- (2) Shri Kirankumar Manharlal Kothari;  
C/o Bank of India, Para Bazar, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building known as "Swati" standing on land 213-8-0 sq. yd. bearing S. No. 451 paiki Plot No. 19, situated at Bhagaduda Plot, Rajkot duly registered by registering officer, Rajkot vide sale-deed No. 5115/7-9-79 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 21-4-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 21st April 1980

No. Acq. 23-I-3042(0995)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1-2 Paiki situated at Jagnath Plot 4 Control Office A.G. Office, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 6-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Becharbhai Laxmanbhai Patel;  
Behind Swaminarayan Gurukool, Ramji, vela Plot,  
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Laljibhai Bhawanbhai Patel;  
Rajesh Society, Near Galaxy Talkies, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. 1-2 Paiki situated at Jagnath Plot, 4, Control Office, A. G. Office, Rajkot adm. 154-00 sq. yds. duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 5453/6-9-79 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 21-4-1980

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 21st April, 1980

No. Acq-23-I/3043(996)/16-1/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Lat No. 319 Paiki situated at Bhankubhaji para, Dhoraji (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhoraji on Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jaybaen Vithalji Mavani.  
2. Liladhar Vithalji Mavani;  
through their Power of Attorney Holder  
Shri Chunilal Vithalji Mavani;  
C/o. Pannalal Traders;  
Grant Road, Bombay-27.

(Transferor)

- (2) Shri Hirabhai Gordhan Charchandiya;  
Mobatpara, Tal. Kutiyana;  
Dist. Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land adm. 655-7-6 sq. yds. Lat No. 319 paiki situated at Bhankubhaji para, Dhoraji duly registered by Registering Officer, Dhoraji vide sale deed No. 1083/28-9-79 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 21st April 1980

Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2nd Floor  
Hindloom House, Ashram Road, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd April 1980

Ref. No. P. R. No. 1013 Acq. 23-I/79-80—Whereas, I S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Revenue Survey No. 4-1-1, paiki Plot No. 2, situated at Sumer Club Road, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jamnagar on 11-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kapurchand Rayash Shah ; Mahavir Apartments, Jamnagar. (Transferor)
- (2) Shri Ramaji Meghji Shah ; R. B. Mehta Road, Ghatkoper, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 519.33 sq. meters bearing Revenue Survey No. 4-1-1 paiki Plot No. 2, situated at Sumer Club Road, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide No. 2118 dated 11-9-1979.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dt. : 23-4-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 Dated 23rd April, 1980

Ref. No. P. R. No. 1014 Acq., 23-I/79-80—Whereas, I S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 371 ; Hissa 45, of TPS. 25, Plot No. 464 situated at Khokhara Mehmadvad, Ahmedabad

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Mafataji Gokal Rabari ; (2) Shri Talaja Nathubhai Rabari ; Vairatnagar, Isanpur, Ahmedabad. (Transferor)  
(2) Suchit Hemal Cooperative Housing Society ; through : Organisers :  
(1) Himanshu Vijayabhai Bhatt ; 17, Asmita Society, Maninagar-East, Ahmedabad-8. (2) Bhavina Rameshbhai Patel ; Chitrakut, Opp. Swaminarayan Mandir, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 800 sq. yds. bearing S. No. 371, F. P. No. 464, of TPS. 25., situated at Manisa Society, Maninagar, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 4311 dated Sept., 1979.

S. C. PARIKH,

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

34—126GI/80

Date : 23-4-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 3rd May 1980

Ref No P R No 925 Acq, 23-II/79-80—Whereas, I, S C PARIKH

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

S No 1060 (P) East portion, Wd No 13, situated at Adarsh Society, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chimanlal Desai bhai Vyas, Indurekha Near Adarsh Society, Athwa Lines, Surat

(Transferee)

(2) 1. Smt Niranjana Kishorchandria Zaveri, 20, Goidhan Apartment, Gopipura, Surat  
2. Guardian of Akta Bakubhai Zaveri, Bansari Bakubhai Zaveri, 52 B, Hira Panna Apartment, Peddar Road, Bombay

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at near Adarsh Society, Sur No 1060(P) East portion land duly registered at Surat on 26-9-1979 vide No 3421/79.

S C PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 3rd May 1980  
Seal ,

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th May 1980

Ref. No. P. R. No. 926 Acq., 23-II/79-80—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 586 Wd. No. 9, situated at Wadi Falia, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 25-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Deepakkumar Manubhai Desai ;  
Virmati Manubhai Desai ;  
Binduben Kisharchandra Desai ;  
Jayshree Ajaybhai Shah ;  
Hemlata Yasvantbhai Desai ;  
Lata Manubhai Desai &  
Usaban Atul Kothari as a P. A. Holder ; Store Sheri,  
Wadi Falia, Surat. (Transferor)

(2) 1. Shri Tribhovandas Manchharam ;  
2. Shri Mangaldas Tribhovandas ;  
Navapul, Ranawad, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at Nondh No. 586, Wd. No. 9, Wadi Falia, Surat duly registered on 25-9-1979 vide No. 3461.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range II, Ahmedabad

Dated : 6-5-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Musabhai Haji Ismail;  
Moti Dungari, Broach.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th May 1980

Ref. No. P.R. No- 927 Acq, 23-II/79-80—Whereas,  
S.C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 4, Village Ali, situated at Broach (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Broach on 3-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) President Shri Gumansinh Bhimsinh Rana;  
Karsankaka Khadki,  
C/o. The Santosh Coop. Housing Society Ltd.,  
Broach.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at village Ali, S. No. 4, duly registered at Broach vide No. 1208/3-9-79.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 6-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 000 the 6th May 1980

Ref. No. P.R. No. 928 Acq. 23-II/79-80,—Whereas, I,  
S.C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 1892, Wd. No. 5, situated at Rampura Charkhana Chakla, Hathupura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 10-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Vahaliben Thakordas;  
Chandiben daughter of Thakordas Nagardas;  
Manaben urfe Maniben Thakordas Nagardas;  
Rampura, Hathupura,  
Behind Swaminarayan Temple,  
Surat.

(Transferees)

(2) Shri Tulsidas Premjibhai,  
Nanavat Main Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at Nondh No. 1892 Wd. No. 5, Rampura Charkhana, Hathupura, Surat duly registered at Surat on 10-9-79 vide No. 3314.

S. C. PARIKH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 6-5-1970  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 29th April, 1980

Ref. No. P.R. No. 1018 Acq. 23-1/79-80—Whereas, I,  
S.C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 61-62 & 63, F.P. No. 748 SP. No. 15 P of TP S.3. situated at Chhadawad, Hirabagh, Ambawadi, Ahmedabad (and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 6-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Harsadkumar Mukundray Thakore;  
(2) Smt. Jaliniben Harsadray Thakore;  
Anand Lahari, Ambawadi Ahmedabad.  
(Transferors)
2. Shri Bharatkumar Hasmukhlal Shah;  
Shri Pankajkumar Hasmukhlal Shah;  
W/2, Dash Bungalows,  
Govt. Officer Colony,  
Gulbai Tekra, Ambawadi,  
Ahmedabad-6.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring bearing S. No. 61, 62 & 63, F.P. No. 749, SP. No. 15 P of TPS. 3, situated at Chhadawara, Hirabag, Ambawadi, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 10365 dated 6-9-79

S. C. PARIKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range I,  
Ahmedabad.

Date : 29-4-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shah Hasmukhlal Muljibhai; Baroda.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rameshchandra Chhaganlal Surti; Shri Jagdish-chandra Chhaganlal Surti; Baroda.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 8th May 1980

Ref. No. P.R. No. 929 Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Tika No. 29/1 Plot No. 2, situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 3488 sq. ft. at Tika No. 29, bearing Plot No. 2, situated at Baroda and fully described as per sale deed No. 4790 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in Sept., 1979.

S. C. PARIKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 8-5-1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1980

Ref. No. P.R. No. 930 Acq. 23-II/80-81—Whereas, I, S.C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 7 of Village Ali, situated at New Gujarat Housing Board, Broach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 11-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Aslamali Umar; Shri Ibrahimali Umar; Shri Adamali Umar; Bai Hari Isap Vali Umar; Bai Bivi w/o Daud Vali; Moti Dungari, Broach. (Transferors)

(2) Shri Punambhai S. Prajapati; Partner of M/s. New Ambica Corporation, Broach. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing R. S. No. 7 of Village Ali, New Gujarat Housing Board, Broach as duly registered at Borach vide No. 1256, 1257, 1258 & 1259/79.

S.C. PARIKH

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 8th May, 1980.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1980

Ref. No. P.R. No. 1019 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, S.C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 367-368 Paiki Plot No. 273 situated at Bhaktinagar Station Plot No. 12, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 14-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
35—126GI/80

(1) Smt. Mangalagauri Raghavjibhai; Bombay.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Jayagauri Nanjibhai Shingala;

2. Smt. Jyotsna Ranchhod Shingala;

"Raksha", Gopalnagar Street No. 3, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 762 sq. yd. bearing S. No. 367-368 paiki Plot No. 273 situated at Bhaktinagar Station Plot, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 5564/14-9-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 7-5-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Thakorlal Natvarlal Chinai; M/s. Fair Guardian  
Little Gibbs Road, Bombay-6. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The New Akhand Anand Nagar Coop. Housing Society  
Opp. Agiyara Mata, New Wadaj, Ahmedabad-13.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 7th May<sup>a</sup> 1980

Ref. No. P.R. No. 1020 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S.C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

S. No. 358, 642-1, 642-2 Sub Plot Nos. 3 & 5 situated at Near Wadaj, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein \*\* are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land bearing Sub-plot Nos. 5 & 3 admeasuring 1285.92 sq. mts. and undivided share of land 499.15 sq. mts. respectively and rounding of 195.82 sq. mts. all situated at S. No. 358, 648-1 and 648-2 at New Wadaj, Ahmedabad and as fuller described in the sale-deed registered vide S. No. 10465 dated 10-9-1979.

S.C. PARIKH

Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 7-5-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shantilal Damji Gungaria; Gen. Power of Attorney Holders of Shri Pragji Kanji Bhandia; Hapa, Jamnagar. (Transferor)

(2) Shri Badruddin Khanbhai; Trustee of Khanbandhu Udhyog, Hapa, Jamnagar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1980

Ref. No. P.R. No. 1021 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 395, 411 to 414, part Plot No. 80 situated at Hapa, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Jamnagar on 12-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 1470-72 sq. mts. bearing S. No. 395, 411 to 414, situated at Hapa, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide No. 2176 dated 17-9-1979.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th May 1980

Ref. No. P.R. No. 1022 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 212/1, 212/5/1 & 212/6 TPS. No. 23 situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramakant Rasiklal Patel, P.A. Holder of;
  - 1. Shri Narendra Girdharilal Patel;
  - 2. Shri Arvindkumar Girdharilal Patel;
  - 3. Smt. Dahiben Girdharilal Patel; and
  - 4. Pallaviben Girdharilal Patel; Ahmedabad.
 (Transferor)
- (2) Shastrinagar Coop. Housing Society Ltd., through :
  - Chairman : Shri Shivabhai Khodabhai Patel; Naranpura, Ghatlodiya, Ahmedabad.
 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land, admeasuring 684 sq. mts. bearing S. No. 212/1, 212/5 and 212/6, F.P. No. 884 of TPS. 23, situated at Achlyer, Clty Taluka, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 10215 dated 3-9-1979.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-5-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Vora Construction Co. Through managing Partner;  
Nanlal Makanji Vora; 7, Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nirmalaben Meghjiibhai mother and guardian of minor  
Rajiv Govindlal Tank, 15, Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th May 1980

Ref. No. P.R No. 1024 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S.C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Plot No. 2 at Jagnath Plot situated at Jagnath Plot Sheri No. 15, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-9-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

An open plot of land measuring 155.5 sq. yds. bearing Plot No. 2, situated at Jagnath Sheri No. 15, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide regn. No. 1-9-79.

S. C. PARIKH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1980,  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th May 1980

Ref. No. P.R. No. 1025 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S.C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2, on Jagnath Sheri No. 15, situated at Jagnath Sheri No. 15, Rajkot.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Vora Construction Co. through Managing partners; Shri Nanalal Makanji Vora; 7-Jagnath Plot, Rajkot. (Transferor)
- (2) Nirmalaben Meghjiibhai; Mother & guardian of minor Rajiv Govindlal Tank; 15, Jagnath Plot, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 155.5 sq. yds. situated at Jagnath Sheri No. 15, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 5356 dated 1-9-79.

S.C. PARIKH

Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 13-5-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th May 1980

Ref. No. P.R. No. 1026/Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S.C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1 at Jagnath Sheri No. 15, situated at Jagnath Sheri No. 15, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

- (1) Shri Nanalal Makanjibhai Vora; Managing Partner of ; M/s. Vora Construction Co., Jagnath Sheri No. 7 Rajkot. (Transferor)  
(2) Nirmalaben Meghjiibhai; 15, Jagnath, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 150-6-0 sq. yds. situated at Jagnath Sheri No. 15, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 5355 dated 1-9-1979.

S.C. PARIKH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 13-5-1980.

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, dated the 29th April, 1980

Ref. No. 5/SEP/79—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 154/1, situated at North Veli Street, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam (Doc No. 1586/79) on Sept 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri S. Gopalrathnam, 104, P.T. Rajan Road, Madurai.  
2. Shri S. Venkatarathinam, 12, Sripuram 2nd Street, Rayapettah, Madurai. (Transferor)  
(2) Shri P.K. Natarajan Chettiar, 12, Muthu Orani South Bank, Karaikudi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1586/79 S.R.O. Pudumandapam, Madurai.  
Land & Buildings at Door No. 154/1, North Veli Street,

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras

Date : 29-4-1980.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, dated the 29th April, 1980

Ref. No. 24/SEP/79—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, situated at Jawahar Road, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 3288/79) on Sept. 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

36—126GU/80

(1) Shri F. Venkata Vijayan, 'Castle Wood', Tirunelveli Junction, Tirunelveli. (Transferor)

(2) Smt. M. Chinthamani Achi, Meenakshi Nilayam, T.P. K. Road, Madurai-43. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 3288/79 JSRO I, Madurai. Land & Buildings at Door No. 22, Jawahar Road, Madurai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras

Date : 29-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri F. Venkata Vijayan, 'Castlewood', Tinnelveli Junction, Tinnelveli. (Transferor)

(2) M/s. Chinthamani Investments Private Ltd., No. 7, Andalpuram T.P.K. Road, Madurai-3. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, dated (the 29th April, 1980)

Ref. No. 25/SEP/79—Whereas I. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22, situated at Jawahar Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 3289/79) on Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 3289/79 JSRO I, Madurai. Land & Buildings at Door No. 22, Jawahar Road, Madurai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I Madras-600 006.

Date : 29-4-1980.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 25th April 1980

Ref. No. 27/SEP/79—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25, situated at Jawahar Road, Gandhinagar, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SRO Thallakulam. (Doc. No. 3478/79) on Sept. 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. J. Ida, 32, Subramaniapuram 1st Main Road, Madurai. (Transferor)

(2) Shri S.A.M. Nasiathullah, 5/57, East Street, Panaikulam, Ramnad Dt. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Document No. 3478/79 S.R.O. Thallakulam, Madurai. Land & Buildings at Door No. 25, Jawahar Road, Gandhinagar, Madurai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 29-4-1980.  
Sent :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, Dated the 29th April, 1980

Ref. No. 30/SEP/79—Whereas, I, O. Anandaram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21, situated at Besant Road, Madurai-2 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Madurai (Doc. No. 4098/79) on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. R. Alamelu Ammal, W/o Shri T. Ramasamy Iyengar, 495, K.K. Nagar, Madurai-20.

(Transferor)

(2) Shri Gulam Husain, S/o Shri Ahamed Sahib, 1B, Jutu Eswarar Koil Lane, Navabathkana Court Street, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 4098/79 S.R.O. Madurai.  
Land & Buildings at Door No. 21, Besant Road, Madurai-2.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 29.4.1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-1, MADRAS.

Madras-600 006, the 29th April 1980

Ref. No. 32/SEP/79—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 29/1 & 31/1A, situated at Patel Road, Virudhunagar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Virudhunagar (Doc. No. 1857/79) on Sept. 79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Chillies Export House Ltd., 35, M.C.C. Street, Virudhunagar.  
(Transferor)
- (2) M/s. V.P.S. Ayyemperumal Nadar & Sons, 35, M.C.C. Street, Virudhunagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1857/79 S.R.O. Virudhunagar.  
Land & Compound Wall in T. S. No. 29/1 & T.S. No. 31/1A, Patel Road, Virudhunagar.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 29-4-1980.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass-600 006, the 5th May 1980

Ref. No. 47/SEP/79—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old Door No. 71, situated at (South portion), Sannathi Street, Palani (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JESRO I Madras North, (Doc. No. 3708/79) on Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G.D. Narendran, No. 121, 5th Street, Padmanaba Nagar, Madras-20. (Transferor)

(2) Shri M. Kuppusamy Naidu, No. 6, New Dharapuram Road, Palani. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Document No. 3708/79 JSRO I, Madras North. Land & Buildings at Old Door No. 71 (South portion), Sannathi Street, Palani.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 5-5-1980

Seal :

FORM ITNS— —

(1) Shri G.D. Narendran, No. 121, 5th Street, Padmanaba Nagar, Madras-20. (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Janakaram, Door No. 1, New Dharapuram Road, Palani. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, dated the 5th May, 1980

Ref. No. 48/SEP/79—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Old Door No. 71, situated at (North portion), Sannathi Street, Palani (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madras North, (Doc. No. 3709/79) on Sep. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act as respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 3709/79 JSRO I, Madras North Land

Buildings at Old Door No. 71 (North portion) Sannathi Street Palani.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 5-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass-600 006, the 5th May 1980

Ref. No. 49/SEP/79—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 71, situated at (Middle portion) Sannathi Street, Palani (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madras North (Doc. No. 3710/79) on Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri G.D. Narendran, No. 121, 5th Street, Padmanaba Nagar, Madras-20. (Transferor)

(2) Shri K. Gunasekaran, No. 122, Railway Feeder Road, Palani. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 3710/69 JSRO I, Madras North. Land & Buildings at Door No. 71 (middle portion) Sannathi Street, Palani.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 5-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri A. Srinivasa Rao D. No. 14, State Bank Colony,  
Aminjikarai, Madras. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. Ashoka, D. No. 96, Seerangapalayam Road,  
Komarasamipatty, Salem. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, Dated 5th May 1980

Ref. No. 34/Nov./79—Whereas, J. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5/222, situated at State Bank Colony, Salem Junction Main Road, Salem. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Salem. (Doc. No. 5733/79) on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

37—126GI/80

## THE SCHEDULE

Document No. 5733/79 J. S. R. O. I, Salem.

Land & Buildings at Door No. 5/222, State Bank Colony, Salem Junction Main Road, Salem.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 5-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Fountain Head Homes (P) Ltd. 24, Haddows Road, Madras-6. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Swathy Constructions (P) Ltd., 36, Godown St., Madras-1. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, 600006, Dated the 2nd May, 1980

Ref. No. 7566—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 109/1, Haddows situated at Road, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer at T. Nagar (Doc. 1335/79) on September 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and well etc. in RS. No. 109/1, Haddows Road, Madras.  
(Doc. 1335/79).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006,

Date : 2-5-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600006, Dated the 2nd May, 1980

Ref. No. 7568—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

32, Khader Nawaz Khan Road, situated at Nungambakkam, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1366/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. Somasundaram, Secretary, M/s. Aarnad Commercial Co. (P) Ltd., 221, Govindappa Naick St., Madras-600001. (Transferor)

(2) R. Kalavathy, W/o. S. Rathinasabapathy, Rep. by R. Sachithanantham Pillai, 1, Third Main Street, United India Colony, Kodambakkam, Madras. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 32, Khader Nawaz Road, Nungambakkam, Madras.

(Doc. 1366/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 2-5-1980  
Sent :

## FORM ITNS

(1) K Sivasankaran Chettiar, 17, Ramanaicken St., Nungambakkam, Madras (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Hanikrishnan and Vasudevan, 13, Kumarappa Mudali St., Nungambakkam, Madras (Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, the 12th May 1980

Ref. No 7634—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 23, Pushpanagar Main Road, situated at Nungambakkam Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T Nagar, (Doc. 1359/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at 23, Pushpanagar Main Road, Nungambakkam, Madras.  
(Doc. 1359/79).

**RADHA BALAKRISHNAN**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 12-5-1980  
Sd/-

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 8th May 1980

Ref. No 8715—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. No. 6081/1M/44, situated at Governor Road, Rajagopalapuram (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukottai (Doc 2324/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Muttugappa Chettiar Pankajavalli Mahalakshmi,  
Governor Road, Rajagopalapuram, Pudukottai  
(Transferor)

(2) K. Ramanathan Serval, K. Lakshmanan Serval, S/o.  
Kuppuswamy Serval, Adambur Village, Arantangi Tk.  
Pudukottai Tk  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at T. S. No 6081/1M/44, Governor Road, Rajgopalapuram, Pudukottai.  
(Doc 2324/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 8.5.1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Mothi Rajagopal, Urumu Dhanalakshmi Vidyalyaya Trust, Town Station, Trichy. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. Alayandar, S/o. Krishnaswamy, 190, Sub Jail Road, Palakkurai, Trichy. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, Dated the 8th May 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 8759—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

38, Anaikatti Maidan, situated at Bheemanagar, Trichy-1 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Trichy (Doc. 4469/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 38, Anaikatti Maidan Bheemanagar, Trichy-1.  
(Doc. 4469/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1980.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) A. Muthiah, A. Alagappan, S/o. Alagappa Chettiar,  
Kottayur, Karaikudi Tk. (Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) R. Chellam W/o. P. Raju Pillai, 11th Cross, Thillai-  
nagar, Trichy. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, Dated the 3rd May 1980

Ref. No. 8760—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27, 11th Cross St., situated at Thillai Nagar, Trichy (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 4826/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 27, 11th Cross St., Thillamagar, Trichy.  
(Doc. 4826/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 3-5-1980  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) M. Gnanamuthy, 53B, N. S. Ramaswamy Iyengar Road, K. K. Pudur, Coimbatore-38. (Transferor)

(2) Smt. K. Shantha W/o P. Krishnaswamy, 22, Greytown Coimbatore. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, the 8th May 1980

Ref. No. 10330—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

10 Senthil Layout situated at Sangannur Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2599/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at 10, Senthil Nagar, Sangannur, Coimbatore.  
(Doc. 2599/79).

**RADHA BALAKRISHNAN,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 8-5-1980.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) A. C. Babu, Mettupalayam Road, Coimbatore.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. C. B. Kunjappu, 9/108, Sastri Road, Ramnagar, Coimbatore.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10383—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6/39, Gopal Street, situated at Saibaba Mission, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 2864/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
38—116GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 6/39, Gopal St., Saibaba Mission Coimbatore.

(Doc. 2864/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref No. 10397—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8/16, V C K. Layout, situated at Trichy Road, Anupperpalayam, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc 4896/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) P. Gopalakrishnan, 16/9, Theppakulam St., No. 4 Coimbatore. (Transferor)
- (2) V. Balanageswari Ammal, W/o. K. R. Venkatajalam Chettiar, 33/69, Angalamman Koil St., Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building at No 8/16, V. C. K. Layout Trichy Road, Anupperpalayam, Coimbatore  
(Doc. 4896/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Hamrun Bi, 19, Mania Thottam, Nawab Hakim Road,  
Coimbatore-1. (Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Marathal, Shandy Merchant, 4/59, Nehru St.  
Thudiyalur (P.O.), Coimbatore Tk. (Transferee)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10399—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

28/30, G. V. D. Layout, situated at Subramaniapuram, Coimbatore-40 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2629/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 28/30, G. V. D. Layout, Subramaniapuram, Coimbatore-40.  
(Doc. 2629/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) G. Ramanathan, 76, P. M. Swamy Colony, R. S. Puram, Coimbatore-2. (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Palaniammal, W/o. Sri Manickam Pillai, 28/76 P. M. Swamy Colony, R. S. Puram, Coimbatore-2. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10401—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28/76, Robertson Road, situated at Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2621/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building at 28/76, Robertson Road, Coimbatore. (Doc. 2621/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10405—Whereas- I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. 5A, and 8A, situated at Anamalai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. 954/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Anamallais & Nilgiris Plantations Co. Waverley Estate, Attakatti (PO). (Transferor)

(2) Sree Nagappa Annapoorani Plantations, Waverley Estate, Attakatti (PO). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at 5A and 8A, Anamalai.  
(Doc. 954/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madrass-600006 the 5th May 1980

Ref. No. 10405:—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 8A situated at Anamalai (and more fully described schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. 955/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Anamallais and Nilgiris Plantations Co. Waverley Estate, Attakatti.  
(Transferor)
- (2) A. Meenakshi W/o N. Annamalai C/o. Jeya Annamalai Illam Rangiem (PO) Pudukottai Dt.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land at S. No. 8A Anamalai 20.40 Acres.  
(Doc. 955/79)

**RADHA BALAKRISHNAN,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980  
Seal :

FORM ITNS

(1) The Anamalais and Nilgiris Plantations Co. Waverley Estate, Attakatti.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006 the 5th May 1980

Ref. No. 10405—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN

NAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 5A Anamalai situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. 956/79) on September 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) N. Annamalai S/o. A. Kumarappa Chettiar and Adopted son of A. Nagappa Chettiar C/o. Jeya Annamalai Illam, Rangiem (PO) Pudukottai Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 5A Anamalai 17.64 Acres.  
(Doc. 956/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madrass-600006 the 5th May 1980

Ref. No. 10405 — Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 8A, Anamalai situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. 957/79 on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Anamallais and Nilgiris Plantations Co. Waverley Estate Attakatti.

(Transferor)

(2) A. N. Annapoorani Achi W/o. A. Nagappa Chettiar C/o Jeya Anamalai Illam, Rangiem (PO) Pudukottai Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 8A Anamalai 22.50 Acres.

(Doc. 957/79).

(RADHA BALAKRISHNAN  
COMPETENT AUTHORITY

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II Madras-600006.

Date : 5-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) The Anamallais and Nilgiris Plantations Co. Waverley Estate, Attakatti.

(Transferor)

(2) A. Periakaruppan S/o N. Annamalai Rep. A. Meenakshi C/o. Jeya Annamalai Illam Rangiem (PO) Pudukottai.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10405 —Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 8A Anamalai situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. 958/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at S. No. 8A Anamalai in extent 22.66 Acres.  
(Doc. 958/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

39—126G1/80

Date : 5-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10405 —Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

S. No. 5A Anamalai situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. 959/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Anamalais and Nilgiris Plantations Co. Waverley Estate, Attakatti (PO).

(Transferor)

- (2) N. Annamalai C/o Jeya Annamalai Illam Rangiem (PO) Pudukottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 5A Anamalai in extent 18.00 Acres. (Doc. 959/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 5-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) The Anamallais and Nilgiris Plantations Co.  
ley Estate, Attakatti (PO).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) A. Nagappa Chettlar S/o. N. Annamalai C/o. Jeya  
Annamalai Illam Raniam (PO) Pudukottai Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

Ref. No. : 104059:—Whereas, I, RADHA BALAKRISH-  
NAN

being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 5A Anamalai situated at (and more  
fully described in the schedule annexed hereto) has been trans-  
ferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the  
office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. 960/79)  
on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 5A Anamalai 22.00 Acres.  
(Doc. Tess 960/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 5-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) E. R. S. B. I. d. nd. yutham Chettiar 149, 150  
Big Bazaar St., Dharapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. G. Parthasarathy 149, 150 Big Bazaar St.  
Dharapuram.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10407—Whereas, I, RADHA BALAKRISH-  
NAN

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

149 and 150 situated at Big Bazaar St. Dharapuram (and  
more fully described in the schedule annexed hereto) has  
been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at Dharapuram  
(Doc. 3061/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the Income-  
tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the  
same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Land and building at 149 and 150, Big Bazaar St., Dharam-  
puram,

(Doc. 3061/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 5-5-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10413 -Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 197, Nethaji Road, situated at Erode (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 4161/79) on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) P. Sankaralingam, K. K. A. Ayed Ahamed Ali, S Angappan S. Sivasami Trustees of K. M. H. jee. Mohammed, 9, Jinnah St., Erode.

(Transferor)

(2) Dr. Kaliannan Dr. Shanmughavadiyu 52, East Car St., Trichengode, Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 197, Nethaji Road, Erode.  
(Doc. 5161/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 5-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10415—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9, Poosari Chenniappa, situated at Gounder St., Erode (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 3987/79) on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Prem : Sundaram, 120, Park Road, Erode.  
(Transferor)

(2) S. Saraswathi, 5, Kennady Nilayam N. G. G. O. Colony, Erode.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 9, Poosari Chenniappa Gounder St., Erode.

(Doc. 3987/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980.  
Seal :

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10420—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/231C, 231D, 231E, 231F, situated at 231H, Sular, Tiruppur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sular (Doc. 1483/79) on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and  
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) K. P. Ganapathi Chettiar, G. Subbiah, G. Lakshmanan, G. Ramaswamy, G. Rukmani, M/s. K. P. G. Splinters, 234 and 231C, Trichy Road, Sular.  
(Transferor)
- (2) M/s. Sri Lakshmi Durga Mills, 711, Mill Road, Coimbatore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building etc. Door Nos. 1/231C, 231D, 231E, 231F and 231H, Sular, Palladam Tk.

(Doc. 1483/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

; Madras-600006, the 8th May 1980

Ref. No. 10391:—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 54, West Thiruvengataswamy situated at Road, R. S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4770/79) on September, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) C. M. Ramamirtham Sayikrishnan, 54, West Thiruvengataswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.  
(Transferor)
- (2) R. Pappayee, W/o K. Rajan, 130E, Balasundaram Layout, Vivekanandar Road, Ramnagar, Coimbatore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 54, West Road, R. S. Puram, Coimbatore.  
(Doc. 4770/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 8-5-1980.  
Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrās-600006, the 8th May 1980

Ref. No. : 10391:—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

54, West Thiruvengataswamy situated at Road, R. S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4769/79) on September, 1979:

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

40—126GI/80

(1) C. M. Ramamirtham & Sayi Krishnan 54, West Thiruvengataswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.  
(Transferor)

(2) K. Rajan, S/o Kamakshi Chettiar, 130E, Bala-sundaram Lay out Vivekanandar Road, Ramnagar, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 54, West Thiruvengataswamy St., R. S. Puram, Coimbatore  
(Doc. 4769/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 8-5-1980.

Seal :

## FORM ITNS — — —

(f) Sarojini Pandiyan 26, Tatabad No. 8, Coimbatore.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Noorunnisa, 72, Kumaran Nilayam, Coonor  
Nilgiris.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. : 10389:- Whereas, I, RADHA BALAKRISH-  
NAN,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.3 to 6, II St., situated at Cheriyan Church Road, Coim-  
batore (and more fully described in the schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Coimbatore (Doc. 4799/79) on September, 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 3 to 6, II St., Cheriyan Church Road,  
Coimbatore.

(Doc. 4799/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. : 10398:—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3 to 6, Hind St., situated at Cheriyan Church Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4800/79) on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sarojin Pandian 26, Tatabad No. 8, Coimbatore. (Transferor)
- (2) Mahboobkhan, 72, Kamarajapuram, Coonoor. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 3 to 6, II St., Cheriyan Church Road, Coimbatore.

(Doc. 4800/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. Thir. W/o Dr. P. K. Srinivasan 72, Santhome High Road, Madras.

(Transferor)

(2) The Glenburn Estates Ltd, Coonoor.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10385;—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/96 and 2/97 situated at Chickadasampalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of 0 75 cents at 2/96 and 2/97, Chickadasampalayam (Doc. 1924/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

No. 10335 :—Whereas, I, RADHABALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

32/11, situated

at Ponnirajapuram, Rajammal Layout, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4579/79) on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ponnammal W/o K. C. Mani Assari 32/11, Rajammal Layout, Ponnirajapuram, Coimbatore. (Transferor)  
(2) A. Komaraswamy Chettiar, K. Balasubramanian, K. Somasundaram, K. Manickam, 107, Thiruvengataswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 32/11, Ponnirajapuram Coimbatore (Rajammal Layout) (Doc. 4579/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May, 1980

Ref. No. 10335 —Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ponniarajapuram, situated at Rajammal Layout, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer officer at Coimbatore; (Doc. 4358/79) on September, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Pannammal w/o K. C. Mani Assari 32/11, Rajammal Layout, Ponniarajapuram, Coimbatore; (Transferor)
- (2) A. Komaraswamy Chettiar, K. Balasubramanian, K. Somasundaram K. Manickam, 107, Thiruvengataswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 32/11, Ponniarajapuram, Rajammal Layout, Coimbatore.  
(Doc. 4358/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600006, the 8th May 1980

Ref. No. 10336:—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 436/1A, situated at Sowripalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 6485/79)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ranganayagi W/o. G. D. Madhavan 53, V. K. Road, Peelamedu, Coimbatore.

(Transferor)

- (2) V. Saraswathy, W/o. P. Venkatachalam 53E, V. K. Road, Peelamedu, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 436/1A, Sowripalayam .  
(Doc. 4685/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 8-5-1980.

Seal :

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600006, the 5th May 1980

Ref. No. : 10332;—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sanganur, situated at Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2660/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Ammasai Gounder A. Veluswamy, Urumandampalayam, Vellakinar, Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. Sundara Bai W/o N. Ithanga Kannu 1/317B, Peon Colony, Kavundampalayam Coimbatore 641030.

(Transferee)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 0.63 cents at Sanganur.  
(Doc. 2660/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600006, the 5th May 1980

Ref. No 10332—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Sanganur Coimbatore, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2661/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

41—126GI/80

(1) Muthuswami Kavunder mrumandampalayam Vellakinar, Coimbatore Tk.

(Transferor)

(2) T. Krishnavalli W/o. P. Karunakaran Pillai Kavundampalayam, Housing Unit 310, Kavundampalayam, Coimbatore 641030.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 0 56 cents at Sanganur  
(Doc. 2661/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006,

Date : 5-5-1980  
Sd/-

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, dated the 5th May 1980

Ref. No. 10332—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sanganur Coimbatore, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2662/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) U. R. Ramaswamy Gounder, Urumandampalayam, Vainar, Coimbatore Tk.

(Transferor)

(2) S. Sarada Bai W/o. Paul Raj, 49, Karnam Subramania St., Srinivasa Nagar, Coimbatore (Kavundampalayam)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 0.56 cents at Sanganur, Coimbatore  
(Doc. 2662/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 5-5-1980

Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10332.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Ganapathy, Gandhipuram, situated at Coimbatore (and (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2712/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ammasai gounder, Kannimarthottam Ganapathy, Coimbatore.  
(Transferor)
- (2) R. Venkatesa Mudaliar, S/o. Ramaswamy Mudaliar, 293, Cross Cut Road, Gandhipuram, Coimbatore-12.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Ganapathy, Coimbatore 11 Cent  
(Doc. 2712/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 5-5-1980  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madrass-600006, dated the 12th May, 1980

Ref No. 8720—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Odhiyambattu, Commune, situated at Villiyannur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondy (Doc 1478/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Padmavathy (A) Padmalochani Saraswathy, 208, Mahatma Gandhi St., Pondicherry  
(Transferor)
- (2) Deiva Thiruvarul Selvan Deiva Kumaran rep. by Deiva Balasubramanian 163, Thyagu Mudaliar St., Pondicherry.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land at Odhiyambattu Commune Villiyannur  
(Doc. 1478/79)

**RADHA BALAKRISHNAN**  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 12-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Ramanathan Chandrasekaran No 1, Jeevanandam St.,  
Pondicherry

(Transferor)

(2) Deiva Vijayalakshmi Rep by Deiva Balasubramanian  
163, Thivagu Mudalai St., Pondicherry

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600006 Dated 12th May 1980

Ref No 8720—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Odhiyambattu, Commune, situated at Villiyannur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc 1479/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Odhiyambattu, Commune, Villiyannur  
(Doc 1479/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 12-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, dated the 12th May, 1980

Ref. No. 8720—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Villiyanur Commune situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. 1480/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Padmavathy (A) Padmalochani Saraswathy 208, Mahatma Gandhi St., Pondicherry.

(Transferor)

- (2) Deiva Perundevi, Minor Deiva Madhavan Rep. by Deiva Balasubramanian 163, Thiyagu Mudaliar St., Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Villiyanur Commune  
(Doc. 1480/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 12-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600006, dated the 13th May, 1980

Ref. No. 7572—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32, North Boag Road, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 1446/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Vijayavani Reddy, 18/3, Bellary Road, Palace Upper Orchards, Bangalore-560006.

(Transferor)

(2) Smt. B. Seshamma, "Chandamama Buildings", Arcot Road, Madras-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 32, North Boag Road, Madras-17 (Doc. 1446/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 13-5-80  
Sd/-

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS-600006, dated the 8th May, 1980

Ref. No. 7659—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7, II Main Road, situated at Gandhi Nagar, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 2626/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Administrator General & Official Trustee, Tamilnadu, City Civil Court Buildings, Addl. Block Madras-1.  
(Transferor)

(2) Mrs. M. S. Rukmani & others, 1, Venkataraman St., Srinivasa Avenue, Madras-28.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Chapter.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 7, II Main Road, Gandhinagar, Madras-20.  
(Doc. 2626/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II Madras-600006.

Date : 8-5-80  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600006 the 17th May 1980

Ref. No. 8786—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 33, Solaithandavan Road situated at Kuruchikuppam Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. 1681/79) on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

42—126GI/80

- (1) Dr. Raghunath Pani, Qrs. No. IV; R-13; D.S. Flats Unit IX, Bhubaneswar-7 Orissa. (Transferor)  
(2) World Union, 44, Rue Des Bassyns de Richemont Pondicherry-605001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 33, Solaithandavan Road, Kurichikuppam, Pondicherry.  
(Doc. 1681/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 17-5-

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madrās-600006, the 21st May 1980

Ref. No. 8805—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Nos. 160, 161 and 162 situated at Natesan Nagar, Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ozhukkara (Doc. 975/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) K. Gnanamurthy, K. Ambalathady Arthathan R. Elambooranan Natesan and Co., 30, First St., Thirumudi Nagar, Pondicherry-11.  
(Transferor)
- (2) Madame Leon Marie Angle 41, Saint Thirese St., Pondicherry-1.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land at Plot Nos. 160, 161 and 162, Natesan Nagar, Pondicherry.  
(Doc. 975/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 21-5-80  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGA-II, MADRAS

Madras-600006, the 21st May 1980

Ref. No. 8804—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 111, 112 and 113, situated at Natesan Nagar, Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ozhukkarai (Doc. 976/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) K. Gnanamurthy, K. Ambalathadv (A) Ardhanathan, R. Etambooranan, 30 First St., Thirumady Nagar, Pondicherry-11.

(Transferor)

- (2) Saminada Marie Arogiam Edward Rep. Amalorpavamarie Saminada Saint Thirese St., Pondicherry-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Plots No. 111, 112 and 113, Natesan Nagar, Pondicherry.

(Doc. 976/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 21-5-80

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madrass-600006, the 17th May 1980

Ref. No. 8761—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 82, Raja's Colony, situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 4660/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Yagnanarayan, 72, Andal St., Teppakulam, Trichy.  
(Transferor)

(2) Thangavel S/o Chidambaram Pillai, Thenur T. Kalathur, Thuraiyur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at 82, Raja's Colony, Trichy.  
(Doc. 4660/79)

**RADHA BALAKRISHNAN**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 17-5-80  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sundaram Industries, Karapakkam Village, Madras-96.

(Transferor)

(2) Sri Ayyappan Poly Industries, 31, Krishna Rao Naidu St., Madras-17.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 17th May 1980

Ref. No. 7569—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 147, Karapakkam situated at St. Thomas Mount (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 1639/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 147, Karapakkam Village, Madras-96.

(Doc. 1639/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 17-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS-600006, the 17th May 1980

Ref. No. 7561—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28, First Avenue, situated at Shastri Nagar, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 2264/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Bharat Chandloke Bhushan 28, First Avenue Shastri Nagar, Madras.  
(Transferor)
- (2) R. N. Poduval, T 54 A, Besant Nagar, Madras.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 28, 1st Avenue, Shastri Nagar, Madras-20.  
(Doc. 2264/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 17-5-80  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Aisha Bee W/o N. Abdul Kareem  
N. Abdul Kareem 11 Kasim Sahib Street  
Royapettah Madras.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Reddy S/o Shanker Reddy  
19 Pallappan Street Triplicane  
Madras.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600006, dated the 20th May 1980

Ref. No. 7564.—Whereas I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11 Kasim Sahib Street situated at Royapettah Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1546/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 11 Kasim Sahib Street Royapettah Madras.  
(Doc. 1546/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II Madras.

Date : 20-5-80  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, dated the 20th May 1980

Ref. No. 7602.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing

39 situated at Singarachari Street, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triptlicane (Doc. 761/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri G. N. Badami & 14 others,  
A-12, C.B.R.I. Colony,  
Shastri Nagar,  
Roorki (W. P.).

(Transferor)

- (2) Mrs. Meenakshi Kanagasundaram,  
A-F12, Sulaiman Court, Jalanthungu  
Abdul Rahiman, Kuala Lumpur, Malaysia

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at 39, Singarachari Street, Madras.  
(Doc. 761/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 20-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600006, the 21st May, 1980

Ref No 7625—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Flat 2 Urur Village, situated at Saidapet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Saidapet (Doc 2409/79) on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

43—126GI/80

(1) Shri K. Jayachandra Reddy,  
K. Katti Reddy, 11, Shenoy Nagar,  
Madrass-30

(Transferor)

(2) Shri M. Vijalakshmi,  
W/o M S K. Vasudevan,  
M-6/1, New No 9,  
4th Main Road,  
Besant Nagar, Madras-90

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, Urur Village of extent 79.15 sq. metre  
(Doc. 2409/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 21-5-80  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st April 1980

Ref. No. A. P. No. 2107.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Mandi Beriwal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Parshotam  
S/o Nanak Chand  
S/o Govind Ram,  
Through Shri Chander Mohan,  
Mamta, Kavita, R/o Beri Wala,  
Teh. Kotkapura, (Transferor)
- (2) S/Shri Gurnam Singh,  
Mehar Singh and Gurcharan Singh  
Ss/o Gurdit Singh S/o Chanan Singh,  
Shop No. 343, Mandi Beri, Wala, Teh.  
Muktsar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2033 of October 1979 of the Registering Authority, Muktsar.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jullundur,

Date : 21-4-1980  
Seal :

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st April 1980

Ref. No. A. P. No. 2108.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at House in Nai Basti Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mansa on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dharam Bir Vohra S/o Shri Ghasita Ram Vohra  
R/o Mansa Mandi.  
(Transferor)
- (2) (i) Master Baljit Singh S/o Shri Bir Singh,  
Govt. High School for Boys, Mansa.  
(ii) Smt. Amrit Parkash Kaur  
W/o Shri Baljit Singh,  
Govt. High School for Girls, Mansa.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3269 of December, 1979 of the Registering Authority, Mansa.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date: 21-4-1980  
Sd/-

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 25th April 1980

Ref. No. A. P. No. 2109.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Gopal Pur, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chander Mahajan  
S/o Shri Hans Raj Mahajan,  
19-Shakti Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) M/s. Hansford Sporting Goods (P) Ltd.,  
Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5505 of October, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-4-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2110.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gopal Pur, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Saroj Mahajan  
W/o Shri Chander Mahajan,  
19-Shakti Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) M/s. Hansford Sporting Goods (P) Ltd.,  
G.T. Road, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5506 of October, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority.  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-4-1980

Seal :

## FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 1st May 1980

Ref. No. A. P. No. 2111.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Basti Mashian, Zira (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajinder Kumar S/o Mukand Lal  
S/o Shri Karta Ram,  
Santosh Rani D/o Shri Tulsi Ram  
through Ravinder Bhushan S/o Chander Parkash  
Mukhtar-i-am, Zira,  
Amarjit Kaur D/o Shri Satnam Singh  
R/o Zira, Raja Ram S/o Kirpa Ram,  
R/o Moga, Harbans Kaur W/o Harcharan Singh  
R/o Talwandi Napala, Teh. Zira.  
(Transferor)
- (2) Shri Ramesh Kumar, Ashok Kumar,  
Shri Vijay Kumar, S/o Shri Hans Raj,  
S/o Chuni Lal, Shri Hans Raj S/o Shri Chuni Lal,  
S/o Bahadur Mal,  
R/o Ferozepur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3751 of September, 1979 of the Registering Authority, Zira.

**B. S. DEHIYA**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 1-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th May 1980

Ref. No. A. P. No. 2112.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Lasara Teh. Phillaur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurbax Singh  
S/o Sunder Singh,  
Vill. Lasara, Teh. Phillaur.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Satpal, Harbans Lal,  
Rajinder Kumar S/o Shri Mohal Lal,  
R/o Nangal, Teh. Phillaur,  
Through Shri Garib Dass S/o Mehnga Ram,  
Vill. Atta, Teh. Phillaur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2534 of September, 1979 of the Registering Authority, Phillaur.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-5-1980  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

[Jullundur, the 6th May 1980]

Ref. No. A. P. No. 2113.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Lasara Teh. Phillaur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Shri Gurbax Singh  
S/o Shri Sunder Singh,  
Vill. Lasara, Teh. Phillaur.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Satpal, Harbans Lal, Rajinder Kumar,  
Ss/c Mohan Lal,  
R/o Nangal, Teh. Phillaur  
through Smt. Rukmani.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2673 of September, 1979 of the Registering Authority, Phillaur.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 6-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASS'T. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th May 1980

Ref. No. A. P.No. 2114—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 As per Schedule situated at Vill. Bhagana Teh. Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phagwara on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
44—126GI/80

- (1) Shri Assa Singh S/o Dewan Chand and Smt. Surjit Kaur W/o Shri Assa Singh, R/o Phagwara,

(Transferor)

- (2) S/Shri Kandhara Singh, Piara Singh, Malook Singh SS/o Shri Kharak Singh, Vill. Bhagana.

(Transfee

- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1020 dated September, 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-5-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th May 1980

Ref. No. A.P. No. 2115 Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Naurangshah Pur Teh. Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phagwara on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Jit Singh, Joginder Singh,  
Ss/o Shri Udham Singh  
R/o Naurang Shah Pur, P. O. Hadia Bad,  
Phagwara. (Transferor)
- (2) Shri Jagtar Singh S/o Sham Singh,  
Vill. Naurang Shah Pur,  
P. O. Hadia Bad, Phagwara. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1233 of September, 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6.5.1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th May 1980

Ref. No. A. P. No. 2116.—Whereas, I, B. S. DFHIYA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kishori Lal Street, Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muktsar on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Darshan Singh S/o Nazar Singh,  
R/o Rahoorian Wali, Teli. Muktsar.  
(Transferor)
- (2) (i) Shrimati Usha Rani W/o Shri Ramesh Kumar,  
(ii) Shrimati Neelam Rani W/o Shri Vijay Mohan,  
C/o M/s. Dip Chand Vijay Mohan,  
Ram Bazar, Muktsar.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2356 of December, 1979 of the Registering Authority, Muktsar.

B. S. DFHIYA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range Jullundur

Date : 6-5-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th May, 1980

Ref. No. A P No 2117 --Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Sutehri Road, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Mohan  
S/o Shri Ram Nath, Kothi No 3063,  
Sector-27, Chandigarh /  
Sutehri Road, Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Shri Faquir Chand S/o Banta Ram,  
House No. B-III, 150/4, Sutehri Road,  
Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2799 dated September, 1979 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 6-5-1980  
Seal :

**FORM ITN—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, dated the 6th May, 1980

Ref. No. A. P. No. 2118.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Galh Gogoan, Zira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely :—

- (1) Shri Milkhi Ram S/o Raj Ram,  
S/o Purn Chand,  
R/o 262-Ferozepur Road, Ludhiana,  
through Shri Ravinder Kumar S/o Bal Krishan  
S/o Milkhi Ram Self Mukhtiar Ram (Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar Ashwan Kumar,  
Ramesh Chander, SS/o Raj Kumar, Zira. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3945 of September, 1979 of the Registering Authority, Zira.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Jullundur,

Date : 6-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th May 1980

Ref. No. A. P. No. 2119.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jawahar Market at Shahkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Shahkot on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sadhu Singh, S/o Kartar Singh,  
Vill. Billi Chahmit, Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh Gurmej Singh, Sukhwinder Singh,  
SS/o Dalip Singh S/o Jhanda Singh,  
Vill. Buddanwal, Teh. Nakodar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1178 of September, 1979 of the Registering Authority, Shahkot.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 8-5-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 9th May, 1980

Ref. No. 'A. P. No 2120 —Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 52,000/- and bearing No

As per schedule situated at Vill. Ladhana Jhikka, Teh Nawanshar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshar on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rattan Singh S/o Maya Singh,  
R/o Vill. Ladhana Jhikka, Teh. Nawanshar.  
(Transferor)
- (2) S/Shri
  - (i) Prem Singh S/o Maya Singh,
  - (ii) Avtar Singh, Bahadur Singh  
SS/o Shri Gurdev Singh,
  - (iii) Bishna S/o Shri Prem Singh,  
R/o Vill. Ladhana Jhikka Teh. Nawanshar.  
(Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3210 of Sept. 1979 of the Registering Authority, Nawanshar

B. S. DEHIYA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
 Acquisition Range, Jullundur.

Date: 9-5-1980  
 Seal.

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th May 1980

Ref. No. A. P. No. 2121.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 332, situated at Mohalla Mohna, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the upposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harbans Singh S/o Maha Singh,  
S/o Bhag Singh, R/o Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Bishan Dass S/o Dayal Dass,  
S/o Bhana Ram, 2239, Mehna Mohalla,  
Bhatinda. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 332, of October, 1979 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-5-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th May, 1980

Ref. No. A. P. No. 2122.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kothi No 80-R, Model Town, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

45—126OI/80

- (1) Shri Radha Kishan S/o Chhaju Ram,  
R/o 80-R, Model Town, Jullundur.  
(Since Expired). (Transferor)
- (2) Smt. Balbir Kaur W/o Gurmail Singh,  
80-R, Model Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No 4467 of September, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-5-1980  
Signed :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th May 1980

Ref. No. A.P. 2123.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kothi No. 80-R, Model Town Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur, on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Radha Kishan S/o Chhaju Ram,  
R/o 80-R, Model Town, Jullundur.  
(Since Expired). (Transferor)
- (2) Shrimati Gurmaj Kaur W/o Shri Mohinder Singh,  
R/o 80-R, Model Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4438 of September, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, dated the 14th May, 1980

Ref. No. A.P. No. 2124.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at House No. WN-151 (B-XI-45) Basti Danish Mandan, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Singh S/o Narain Singh,  
R/o WN-151, Basti Danish Mandan,  
Jullundur. (Transferor)
- (2) Shrimati Balbir Kaur W/o Ram Singh,  
R/o WN-151, Basti Danish Mandan,  
Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5054 of September, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th May, 1980

Ref. No. A.P. No. 2125.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Sunny Side, Kapurthala (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Martand Singh S/o Karmjit Singh  
Self attorney of Shri Aruna Singh Bhai,  
Sunny side, The Mall, Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar, Sunil Kumar,  
SS/o Shri Husan Lal, Opp. to D.C.'s Bungalow,  
Jullundur Road, Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1904 of September, 1979 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. S. AHLUWALIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th May, 1980

Ref. No. A.P. No. 2126.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at New Grain Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sarsavti Devi  
Wd/o Parma Nand,  
EQ-36, Pucca Bagh,  
Jullundur. (Transferor)
  - (2) Smt. Chand Rani  
W/o Kishori Lal  
of 104 New Grain Market,  
Jullundur. (Transferee)
  - (3) As per Sl. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
  - (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)
- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4477 of September, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Jullundur.,

Date : 14-5-1980  
Dale:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, dated the 14th May 1980

Ref. No. A. P. No. 2127.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Circular Road near Balmiki Gate, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Brij Mohan S/o Ram Chand  
New Lakshmi Pura,  
Plot No. 1, Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Smt. Ramma Rani W/o Shri Harbans Lal Pami,  
NK-422/423, Jatpura,  
Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4937 of September, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th May, 1980

Ref. No. A. P. No. 2128.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Plot No. 14, Industrial Area Phagwara

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phgware on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amar Singh  
S/o Ram Dhan,  
R/o G. T. Road, Phagwara. (Transferor)
- (2) M/s. Shri Ganesh Rice Dal & General Mills,  
Plot No. 14, Industrial Area,  
Phagwara (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1159 of September, 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

J. S. AHLUWALIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th May 1980

Ref No A P No 2129—Whereas, I, J S AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Plot No 14, Industrial Area, Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amar Singh  
S/o Ram Dhan,  
R/o G. T Road, Phagwara.  
(Transferor)
- (2) M/s Shri Ganesh Rice, Dal & General Mills,  
Plot No. 14, Industrial Area,  
Phagwara.  
(Transferee)
- (3) As per Sr No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 1470 of November, 1979 of the Registering Authority Phagwara.

J. S AHLUWALIA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date 16-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Sucha Singh  
s/o Shri Khushal Singh,  
r/o Kambo Majra Khurd,  
Distt. Sangrur.

(Transfer)

(2) Shri Bhajan Singh,  
s/o Shri Hari Singh,  
r/o Vill. Kambo Majra Khurd,  
Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2-B-13-B-3B Pakka situated in  
Village Kambo Majra Khurd Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the Registered Sale deed  
No. 1720 of September, 1979 of the Registering Authority,  
Sangrur.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980  
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. SNG/51-A/Comp./79-80.—Whereas, I, SUKHDEV  
CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Agricultural Land measuring 2 Bighas 13 Biswas 3  
Biswanis situated at Vill. Kambo Majra Khurd. Teh. Sangrur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Sangrur in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
46—126GI/80

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref No Ludhiana/362/79-80 —Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Share in Building No B-XIX-909/2 situated at Tagore Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jai Deep Singh (Minor)  
s/o Shatru Duman Singh  
through Barjinder S D Singh Mother and Guardian  
r/o 73, Sector No 9-D,  
Chandigarh  
(Transferor)
- (2) Smt Ranjodh Kaur  
W/o Dr Abchal Singh  
1/o Kasiana Building, Rajpura Road,  
Ludhiana  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Share in Building No B-XIX-909/2, measuring 200 Sq yds situated in Tagore Nagar, Ludhiana

(The property as mentioned in the Registered Deed No 2929 of September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date 15-5-1980  
Seal .

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. Patiala/423/79-80/Comp.- Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No 318/3, situated at Pheel Khanna Road, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ishar Singh s/o Shri Harnam Singh through General Attorney Sh. Ranjit Singh s/o Shri Ishar Singh, r/o Guru Nanak Gali, Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Sadhu Singh s/o Shri Kahala Singh, r/o Chandni Chowk, Bahera Road, Patiala and Shri Jaswant Singh s/o Shri Sadhu Singh, r/o Lower Mall Road, Patiala. (Transferee)
- (3) (1) Shri Surjit Singh Mistri s/o Shri Kirpal Singh, r/o 270/3, Chandni Chowk, Patiala, or H. No. 318/3, Pheel Khanna Road, Patiala.
- (2) Smt. Kesar Kaur w/o Shri Ishar Singh Guru Nanak Gali, Patiala. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 318/3, situated in Pheel Khanna Road, Patiala. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 3270 of September, 1979 of the Registering Authority, Patiala.).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980  
Seal :

## FORM FINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. Chandigarh/233/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 1345, Sector 34C, situated at Sector 34C, Chandigarh

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Aq. Ldr. Ashok Kumar Setia  
S/o Shri Balraj Krishan Setia,  
R/o 36/35, East Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sadhu Singh,  
S/o Shri Norata Singh,  
V. & P. O. Gharuan, Tehsil Kharar,  
Distt. Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1345, Sector 34C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1362 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-5-1980  
Seal :

**FORM TINS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. Chandigarh/219/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 54, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Balram Dutt S/o Shri Bodh Raj Dutt, 178D, Jhilmil Colony, Shahdra, Delhi-32 through his general power of attorney Smt. Parvesh Baboota w/o Shri Mangat Rai Baboota, R/o 1267, Sector 21B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Rameshwar Dass Bhandari S/o Shri Babu Lal Bhandari, r/o House No. 2175, Sector 27C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Residential Plot No. 54, Sector 33A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1256 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

**SUKHDEV CHAND**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-5-1980

Seal:

## FORM ITNS—

(1) Capt. Dwarka Npth Anand s/o Sh. Hira Nand Anand,  
B-72-A, Shakarpur Extension, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Sh. Hazara Singh s/o Sh. Chhota Singh r/o 1145, Sec-  
tor 34-C, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/221/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1145, Sector 34-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1145, situated in Sector 34-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1269 of September, 1979 of the Registering Authority Chandigarh.

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No DBS/64/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 70 bighas situated at Village Bartana, S Teh Dera Bassi, Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Sardar Singh alias Sardara Singh, Ajaib Singh, Babu Singh, Labh Singh alias Bhag Singh Ss/o Sh. Munsha Singh, R/o Baitana, S Tehsil Dera Bassi, Distt Patiala.

(Transferor)

- (2) S/Shri Gurcharan Singh, Sewa Singh, Ss/o Sh Joginder Singh & Shri Harcharan Singh S/o Shri Arun Singh R/o Mani Majra, U T Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 70 bighas as Bartana, S Teh, Dera Bassi, Distt Patiala (The property as mentioned in the sale deed No 810 of October, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980

Seal :

## FORM JTNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. NBA/140/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land measuring 4 kanals 5 marlas situated at Nabha Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Hans Raj, Kulwant Singh s/o Sh. Pritam Singh  
r/o Near Grain Market, Maleikotla Road, Nabha.  
(Transferor)

(2) Sh. Walaiti Ram s/o Sh. Ramji Dass, Kewal Krishan  
s/o Sh. Walaiti Ram r/o B.K.O. Navin Basti, Near  
Cinema Road, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 5 marlas situated in Nabha.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1550 of September, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/234/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 1868, Sector 22-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

47—126GI/80

- (1) Sh. Mohan Lal s/o Sh. Shiv Saran Dass r/o 124/2, Lower Mall, Simla.

(Transferor)

- (2) Sh. Daljit Kumar Khullar s/o Sh. Harbans Lal Khullar, H. No. 1868, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferee)

- (3) Sh. Semson Bernard Mr. Nand Lal r/o H. No. 1868, Sector 22-B, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 1868 situated in Sector 22-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1372 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. AML/94/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 2 Bighas 12 Biswas situated at Vill. Nasrali S. Teh. Amloh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Harchand Singh s/o Sh. Thakar Singh r/o Vill. Nasrali S. Teh. Amloh.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. Mehar Singh, 2. Sh. Pritam Singh, 3. Shinder Singh, 4. Sh. Ram Singh sons of Sh. Gurdial Singh; 5. Sh. Sher Singh, 6. Sh. Kehar Singh ss/o Sh. Achhra Singh r/o Rasuldra Teh. Samrala c/o Guru Angad Steel Inds. Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The land measuring 2 bighas 12 biswas situated in Vill. Nasrali S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 1099 of September, 1979 of the Registering Authority, Amloh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th May, 1980

Seal ;

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May, 1980

Ref. No. CHD/265/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 81, Sector 33-A, Situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Capt. Harnam Singh Gadhoke S/o Krishan Singh Gadhoke r/o B-1/53-1, Safdar Jang Enclave, New Delhi-16.

(Transferor)

2. Sh. Ashok Kumar Sachdeva s/o Raj Kumar Sachdeva H. No. 1175, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 81, situated in Sector 33-A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Registered Sale deed No. 1645 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

**SUKHDEV CHAND**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th May, 1980

Ref. No. CHD/244/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 2404, Sector 35-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jagjit Singh Bhalla s/o Sh. M. S. Bhalla r/o 170/3, CVD Lines, Delhi Cantt. through his special attorney Sh. Prem Sagar Bhatia s/o Sh. Balbir Singh Bhatia, r/o 3592, Sector 35-D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Dr. Balbir Singh Bhatia s/o Sh. Daulat Ram Bhatia, r/o H. No. 2404, Sector 35-C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2404, situated in Sector 35-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No 1422 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th May, 1980

Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/353/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. 38 - F situated at Sarbha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Narinder Singh s/o Sh. Kartar Singh,  
r/o 40-F, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Kartar Singh Atwal s/o Sh. Kabal Singh r/o Basant Villa, Diwan Nihal Chand Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 38-F, situated in Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2870 of September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th May 1980

Seal :

**FORM ITN—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/241/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2509, Sector 35-C, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Group Capt. G. J. Shaw s/o Sh. Rev. G. J. Shaw r/o] J-87 Saket Malvia Nagar Extension, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) S. Joginder Singh Lehal s/o Jiwa Singh and (ii) Smt. Daljinder Kaur Lehal w/o Sh. Joginder Singh Lehal r/o H. No. 2621 Sector 22-C, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 2509, situated in Sector 35-C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1415 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

**SUKHDEV CHAND**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th May 1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/215/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3264, Sector 35-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the scheduled annexe) hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ram Piari wd/o Late Sh. B. L. Ahuja, (ii) Sh. Kailash Chander Ahuja, (iii) Sh. Ashok Kumar Ahuja ss/o Sh. B. L. Ahuja and Mrs. Kamlesh Chawala w/o Sh. S. P. Chawla and Sh. P. K. Ahuja s/o Sh. B. L. Ahuja for Self and General Attorney of Other r/o SCF No. 101, Grain Market Chandigarh. (Transferor)
- (2) Sh. Walait Raj s/o Sh. Haveli Ram & Smt. Krishna Rani w/o Sh. Walait Raj r/o 3328, Sector 23-D, Chandigarh. (Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 3264, measuring 253.5 Sq. yds. situated in Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1231, of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

**SUKHDEV CHAND**  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th May 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May, 1980

Ref. No. CHD/232-79-80—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 2317, situated at Sector 35C, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jasjit Singh s/o Shri Darbala Singh, V&PO Khurdpur, Distt. Jullundur through special power of attorney Sh. Jagtar Singh, r/o House No. 3371, Sector 27D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Harminder W/o Sh. Jagtar Singh R/o Udaipur, South Tripura through her special power of attorney Brig. M. S. Grewal S/o Sh. Surjan Singh r/o House No. 1054, Sector 27B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 2317, Sector 35C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1356 of Sept., 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th May 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/380/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-XX/611/C, Gurdev Nagar, situated at Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

48—126 GI/80

(1) Sh. Raj Pal s/o Labhu Ram r/o Girson Mill Ferozpur Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Chuni Lal s/o Beja Ram, Jaga Ram s/o Sh. Kesar Ram, Gulu Ram s/o Haryana Ram, Gurmukh Singh, Karam Singh, Shangre Ram s/o Moti Ram, Girdhari Lal s/o Malik Chand, Puram Chand s/o Khushal Chander, Jai Lal Ram s/o Kirpa Ram Sultan Ram s/o Sh. Lal Singh, Kharti Ram s/o Sh. Sardari Lal, Sula Ram s/o Kirpa Ram r/o 101/1 Jawahar Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

B-XX/611/c, Gurdev Nagar, Taraf Kara Bara, Ludhiana.  
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3042 of September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Kanwar Tara Singh, Advocate, New Lands, Simla.  
(No. W. H, No. 56, Sector 10-A, Chandigarh).  
(Transferor)
- (2) Smt. Aruna Oberio w/o Sh. R. P. Oberio, r/o Grant  
Lodge, Benmore, Simla-2.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. SML/52/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 370.6 Sq. yds. in North Bank Estate, Circular Road, Station Ward, situated at Simla, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Simla in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 370.6 Sq. yds. situated in North Bank Estate, Circular Road, Simla

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 103 of February, 1980 of the Registering Authority, Simla.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th May, 1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/243/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 3089, Sector 21-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. G. S. Sardana s/o Sh. J. R. Sardana r/o 3089, Sector 21-D, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) (i) Sh. Piara Lal s/o Sh. Pannu Ram, (ii) Smt. Swaran Kaur w/o Sh. Piara Lal through Sh. Hazara Ram, r/o 1300, Sector 18-C, Chandigarh.  
(Transferee)
- (3) Sh. S. K. Sareen, r/o 3089, Sector 21-D, Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 3089 situated in Sector 21-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the registered deed No. 1421 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/240/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 135, Sector 34-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to instrument of transfer with the object of :—  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Capt. Chaman Lal Nagpal s/o Sh. Krishan Lal Nagpal, r/o 1013, Sector 18-C, Chandigarh through his general power of attorney Smt. Kamlesh Singha w/o Sh. Sohan Lal Singla, r/o 1148, Sector 34-C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Sh. Ram Lal s/o Sh. Charanji Lal r/o 1023, Sector 36-B, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1351 (measuring 338 Sq. yds.) situated in Sector 34-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1402 of September, 79 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/248/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 1255 situated at Sector 33-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. D. C. Malik s/o Sh. Sahib Ram Malik, INS Him-giri c/o FMO Bombay-I through His attorney Sh. Kameshwar Parshad Nautiyal s/o Sh. P. D. Nautiyal r/o H. No. 3054, Sec. 27-D, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Smt. Bimla Nautiyal w/o Sh. Kameshwar Parshad Nautiyal, r/o 3054, Sector 27-D, Chandigarh.  
(Transferee)
- (3) Shri V. S. Datta, r/o 1255/33-C, Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property)
- (4) 1. Sh. Surat Singh, 2. Smt. Indra Devi w/o Sh. Surat Singh Rawat, r/o 3054, Sector 27-D, Chandigarh.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Residential plot No. 1255, Sector 33-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1449, of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/247/79-80/—Whereas I, SUKHDEV Chand

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2156, Sector 35-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Lt. Col. Nihal Singh Choudhry s/o Choudhry Kehri Singh r/o A-4 Ring Road, Naraina, New Delhi, through Spl. Attorney Sh. Mehar Chand Mittal s/o Sh. Thakaur Lal r/o H. No. 158, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Dev Raj Bansal s/o Lala Siri Ram, r/o H. No. 2156, Sector 35-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2156 situated in Sector 35-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1448 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/339-A/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kothi No. BXX-653/2, measuring 2000 Sq. yds situated at Taraf Kara Bara Teh. Ludhiana Pakhowal Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shakuntla Rani Dhanda w/o Sh. Mangat Rai Dhanda (11) Smt. Prem Dhanda w/o Sh. Balkrishan Dhanda i/o BXY-653/2, Pakhowal Road, Ludhiana.  
(Transferor)

(2) Sh. Jawahar Lal Jain (J. L. Jain) s/o Sh. Hem Raj Karta HUF, 2 Smt. Vinta Jain w/o Sh. Jawahar Lal Jain, r/o B-XXX/152-2, Seth Sohan Lal, Lane, Maharani Jhansi Road, Ludhiana  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. BXX-653/2, measuring 2000 Sq. yds situated at Taraf Kara Bara Teh Ludhiana on Pakhowal Road

(The property as mentioned in the Regd Deed No 2794 of September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th May, 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/242/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 1658 situated at Sector 34D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh, in Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ujagar Singh S/o Shri Sardar Singh, 72/H, Block, Sri Ganga Nagar (Rajasthan).

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Mittal W/o Sh. Prem Chand Mittal C/o M/s Das Raj Ashok Kumar, Cloth Merchant, Main Bazar, Tohana, Distt. Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1658 Sector 34D Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1417 of Sept. 1979 of the Registering Authority Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/427/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 480 Sq. yds. situated Taraf Gahelawal Near Major Gurdial Singh Road Civil Lines situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

49—126 GI/80

(1) Sh. Moti Ram s/o Sh. Mamu Mal s/o Atma Ram c/o Agurwal Iron & Steel Corpn. Overlock Road, Miller Ganj, Ludhiana, through Jyoti Parsad Goyal s/o Sh. Sham Lal Goyal r/o 1835/3 Ragho Majra Patnala.  
(Transferor)

(2) Sh. Suresh Kumar s/o Sh. Amlak Ram s/o Sh. Tilak Ram r/o H. No. B-10-373, Rahim Taula Road Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot measuring 480 Sq. yds. situated Taraf Gahelawal near Major Gurdial Singh Road Civil Lines Ludhiana.  
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3379 of October 1979 of the Registering Authority Ludhiana)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range Ludhiana.

Date : 12th May 1980

Seal ;

## FORM ITNS—

(1) Shri Darsindia Singh s/o Sh. Avtar Singh spl. Attorney  
Sh. Pritpal Singh son and Smt. Parkash Kaur w/o Sh.  
Avtar Singh r/o Block 60 Sirganga Nagar (Rajasthan).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Tripta Devi Kaushal w/o Shri Som Nath Kaushal  
s/o Shri Ramji Dass r/o Bishan Nagar Patiala.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. RA/113/79-80—Whereas I, SUKHDEV  
CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3 measuring 833 1/3 Sq. yds. situated at Township  
No. 2 Rajpura Township  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Rajpura in September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, by the following person  
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3 (measuring 833 1/3 Sq. yds) at Township No. 2  
Rajpura Township.

(The property as mentioned in the Sale deed No. 2181 of  
September 1979 of the Registering Authority Rajpura).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range Ludhiana.

Date : 15-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th May 1980

Ref. No. CHD/237/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-0 Bighas alongwith the building erected thereon in Village situated at Palsora U.T. Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Brig. Joginder Singh Dhillon s/o Sh. Chanchal Singh House No. 659 Sector 16-D, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Shri Labh Singh s/o Shri Niranjan Singh r/o VPO Badheri U.T. Chandigarh.  
(Transferee)
- (3) 1. Sh. Mewa Singh Milk-Vendor  
2. Sh. Ujjagar Singh r/o H. No. 11 Vill. Palsora U.T. Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

3-0 Bighas alongwith the building situated in Vill. Palsora U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1390 of September 79, of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated : 20-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/246/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No.

548 sector 33-B Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Col. Swamberjit Singh s/o Sh. Anup Singh r/o L-46 Kalkaji New Delhi through Spl Power of Attorney Sh. Sukhdev Bhatwa Village Bhaura Distt. Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) Sh. Mulkh Raj Thind s/o Sh. Rakha Ram C-156 Daya Nand Marg Jaipur (Rajasthan).  
(Transferee)
- (3) Sh. Gurmail Singh Bhatwa Executive Engineer, C.P. Division 548-33B Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 548 measuring 1014 Sq. yds. situated in Sector 33-B Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1443 of September 1979 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th May 1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/413/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1926 Sector 34-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Mehng Singh s/o Sh. Ram Singh through his Attorney Sh. Jagdip Singh Randhawa s/o Sh. Harsa Singh r/o 1395 Sector 23-B Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Kashmir Singh Bhullar s/o Sh. Sukhchain Singh Sub-Divisional Magistrate (Judicial) Fazilka (Pb).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1926 Sector 34-D Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2150 of January 1980 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th May 1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Anir Surjit Singh s/o Sh. Sant Singh V.P.O. Malaud Distt. Ludhiana.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sh. Kahan Chand Nayyar s/o Sh. Hukam Chand r/o 2851 Sector 22-C Chandigarh.

2. Sh. Ramesh Chander Nighawan s/o Sh. Madan Gopal r/o 2760 Sector 22-C Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Sh. Kundan Lal Narula Sh. Madan Lal Sethi R/o H. No. 2851 Sector 22-C Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 10th May 1980

Ref. No. CHD/217/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 2851 Sector 22-C situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

H. No. 2851, situated in Sector 22-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1253 of September 1979 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10th May, 1980  
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Brig. K. K. Kaul s/o Lt. Pt. J. M. Kaul through Spl. Attorney of Sh. B. S. Gill r/o J 550/36-D Chandigarh.  
(Transferor)

(2) Sh. Kundan Singh s/o Sh. Ujjagar Singh r/o Vill. Dadupur P.O. Majitha Amritsar Now 1550 Sector 36-D Chandigarh.  
(Transferee)

(3) Mrs. Meria Student Sh. B. S. Gill and Sh. Gurdial Singh of Brooke Bond Tea Co. All r/o 1550 Sector 36-D Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/220/79-80/--Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1550 Sector 36-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act as respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1550 (measuring 1014 Sq. yds.) situated in Sector 36-D Chandigarh

(The property as mentioned in the Registered Deed No 1265 of September 1979 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/294/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. SCO 198 Sector 7-C Chandigarh, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Manohar Lal s/o Sh. Lorinda Ram and Sh. Mohinder Kumar s/o Sh. Kesho Ram r/o 11 Sector 15-A Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) S/Sh. Abdul Hafiz Mohammed Hanif Sayhid Ahmed Mohammed Anis s/o Abdul Gafoor SCO 198 Sector 7-C Chandigarh.  
(Transferee)
- (3) M/s. Novelty Bakery S.C.O. No. 198-7C Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SCO No. 198 situated in Sector 7C Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1710 of November 1979 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Ludhiana

Date : 15th May 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Vinod Kumar S/o Hukam Chand S/o Tulsi Ram  
C/o Tulsi Ram Hukam Chand Karyana Merchants  
Phool Bazar, Rampura.

(Transferor)

(2) Dr Mrs Kamlesh Jindle W/o Dr. S. K. Jindle, Jindle  
Clinic, Satta Bazar, Rampura.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to  
be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th June 1980

Ref. No. A.P. No. 2144—Whereas, I, B. S. DEHIYA  
being the Competent Authority under Section 269 B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Satta Bazar Rampura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Phool on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale  
decd No. 2084 of Sept. 1979 of the Registering Authority, Phool.

B. S. DEHIYA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17th June 1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

Acquisition Range, Cochin

Cochin-682016, dated 12th May 1980

Ref. L. C. 411/80-81:—Whereas I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Kozhikode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calicut on 26-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

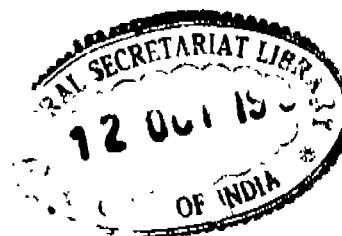
- (1) (i) Sri. Balakrishnan Nair,  
(ii) Smt. Sarada Amma,  
Puthen Veetil, Kasaba Amson Er, Calicut  
(Transferees)
- (2) (i) Sri P. P. Aydroo Haji,  
(ii) Sri PasaJu,  
Vylathur Amson Desom, Chavaghat.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.



## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the schedule attached to document No. 1007/79.

T. Z. MANI,  
COMPETENT AUTHORITY  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam)

Date: 12-5-1980.  
Seal: